रांची, सोमवार
13.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 221, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

ईरान ने की होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा

तेहरानः ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की है। अमेरिका की ओर से किये गये हमले के बाद ईरान की सेना ने यह घोषणा की। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि जब तक इस इलाके में अमेरिका का दखल खत्म नहीं हो जाता, तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा।आईआरजीसी कहा कि ने कहा कि ईरानी सेना को एक ऐसे जहाज पर हमला करने और उसे रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो अपनी प्रणाली बंद करके एक अनधिकृत रास्ते से जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश कर रहा था। ईरान के प्रेस टीवी ने आईआरजीसी के बयान का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा, जब तक इस इलाके में अमेरिका का दखल खत्म नहीं हो जाता, तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य अगली सूचना तक बंद रहेगा। किसी भी जहाज को गुजरने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

पीयूष गोयल कल से तीन देशों की यात्रा पर

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 13 से 17 जुलाई तक स्पेन, बेल्जियम और फिनलैंड की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे, भारत-ईयू व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे तथा व्यापार, निवेश, स्वच्छ ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियों और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के नेताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने रविवार को बताया कि गोयल उच्चस्तरीय भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में उन्नत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रत्न एवं आभूषण, खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य सेवा और डिजाइन क्षेत्र की प्रमुख भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह दौरा यूरोप के साथ भारत की आर्थिक भागीदारी को और मजबूत करने तथा निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

न्यायालय की भव्यता नहीं, न्याय तक आसान पहुंच अधिक महत्वपूर्ण : मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत

एजेंसी

गुरुग्राम। देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायालयों का वास्तविक महत्व उनकी भव्यता में नहीं, बल्कि इस बात में है कि वे नागरिक और न्याय के बीच की दूरी को कितना कम करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम का ह्यटॉवर ऑफ जस्टिसह्ल इसी सोच का प्रतीक है और इससे न्यायिक क्षमता बढ़ने के साथ लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी।

रविवार को न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने गुरुग्राम में टॉवर ऑफ जस्टिस का उद्घाटन किया तथा वर्चुअल माध्यम से नूंह जिले के तावडू और पुन्हाना में नए न्यायिक परिसरों का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा सहित कई न्यायाधीश एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यायिक परिसरों का निर्माण हरियाणा सरकार की संवेदनशीलता और न्यायिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त न्यायालयों के निर्माण से अधिक मामलों की सुनवाई संभव होगी और विशेष रूप से वाणिज्यिक विवादों तथा परक्राम्य लिखत अधिनियम (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) से जुड़े मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता सदैव ऐसी न्याय व्यवस्था का निर्माण होनी चाहिए जो दक्ष भी हो और निष्पक्ष भी। न्याय में गति आवश्यक है, परन्तु वह कभी भी संवैधानिक मूल्यों की कीमत पर प्राप्त नहीं की जा सकती। इस परिसर में आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा सुव्यवस्थित ज्यूडिशियल मालखाना जैसी सुविधाएँ भी विकसित की गई हैं। इस परियोजना की एक अन्य महत्त्वपूर्ण विशेषता प्रस्तावित इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर है जो उच्च न्यायालय के संरक्षण में संचालित होगा।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसी न्यायपालिका का निर्माण है जो आधुनिक हो, किन्तु मानवीय भी हो, तकनीकी रूप से उन्नत हो, किन्तु संविधान के मूल्यों में दृढ़ता से निहित भी और प्रत्येक वाद के पीछे छिपे मानवीय जीवन को समझने वाली संवेदनशील संस्था भी बनी रहे। उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य मामलों का शीघ्र निस्तारण करना तो है ही उसके साथ, हमारा प्रयास यह भी होना चाहिए कि कोई भी नागरिक आर्थिक, सामाजिक अथवा प्रक्रियागत कठिनाइयों के कारण स्वयं को न्याय से वंचित न महसूस करे। उन्होंने कहा कि टावर ऑफ जस्टिस केवल एक भव्य इमारत न रहे, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए निष्पक्ष, प्रभावी और संवेदनशील न्याय का प्रतीक बनेगा।

जस्टिस सूर्यकांत व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य गणमान्य ने टॉवर ऑफ जस्टिस निर्माण में अपना योगदान देने वाले श्रमिकों को स्मृति चिह्न भेंटकर उनका सम्मान किया।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आज का अवसर मेरे लिए विशेष है। जनवरी 2017 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रहते हुए मुझे इस न्यायिक परिसर का भूमि-पूजन करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम कभी मुख्यतः कृषि के लिए जाना जाता था, वह आज उद्योग, नवाचार और निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। आज गुरुग्राम की अदालतों में 24,000 से अधिक सिविल डिस्प्यूट, लगभग 1,000 कमर्शियल डिस्प्यूट तथा नेगोशियबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के एक लाख से अधिक मामले लंबित हैं। ये आँकड़े न्याय व्यवस्था पर बढ़ते दायित्व का संकेत हैं। ऐसे समय में यह टॉवर ऑफ जस्टिस केवल एक आधुनिक भवन नहीं है, बल्कि न्याय तक पहुँच को और अधिक प्रभावी बनाने का माध्यम है।

बहरागोड़ा में डेढ़ करोड़ रुपये के पन्ना के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, बाइक, मोबाइल और नकदी जब्त

बिभा संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले की बहरागोड़ा पुलिस ने कीमती रत्न पन्ना की अवैध तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से करीब 1.095 किलोग्राम (1095 ग्राम) पन्ना बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान दो मोटरसाइकिल, तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 2300 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) शुभम खंडेलवाल ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर बहरागोड़ा बस स्टैंड के समीप कीमती पन्ना की खेप लेकर सौदा करने वाले हैं। सूचना की पुष्टि के बाद घाटशिला के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया और संदिग्ध स्थान पर घेराबंदी की गई।

पुलिस टीम के पहुंचते ही दो मोटरसाइकिलों के पास खड़े तीन युवक भागने लगे, लेकिन पुलिसकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपित विनय पातर की स्कूटी की डिक्की से सफेद प्लास्टिक में पैक 1.095 किलोग्राम पन्ना बरामद किया गया। इसके अलावा दो मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन और 2300 रुपये नकद भी जब्त किए गए।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र के मुराकाटी निवासी विनय पातर, सिद्धेश्वर कालिंदी तथा श्यामासुन्दरपुर निवासी स्नेहाशिश मंगराज के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपित विनय पातर के खिलाफ वर्ष 2018 में गुड़ाबांदा थाना में एक आपराधिक मामला दर्ज किया जा चुका है।

पुलिस ने अदालत में पेश करने के बाद तीनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही यह पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी गई है कि बरामद पन्ना की खेप कहां से लाई गई थी, इसके पीछे कौन-सा तस्करी नेटवर्क सक्रिय है और इसे किस व्यक्ति या गिरोह तक पहुंचाया जाना था।

एसपी शुभम खंडेलवाल ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में खनिज एवं बहुमूल्य रत्नों की अवैध तस्करी के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा।

इस कार्रवाई में घाटशिला के एसडीपीओ के अलावा बहरागोड़ा थाना के सह थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, रामप्रवेश राय, राहुल कुमार, पंकज कुमार पासवान, ओम शरण तथा अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सलियों के कई डंप बरामद, सोना, नकदी, हथियार और विस्फोटक जब्त

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों ने आत्मसमर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर बारसूर थाना क्षेत्र के तोड़मा गांव के जंगल-पहाड़ी इलाके में छिपाकर रखे गए नक्सलियों के कई डंप बरामद किए हैं। कार्रवाई में 116 ग्राम सोना, दो लाख रुपये नकद, आधुनिक हथियार, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य नक्सली सामग्री जब्त की गई है। बरामद सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 18 लाख रुपये बताया गया है।

दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ओ इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अभियान की निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कुमार बर्मन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) जितेंद्र कुमार खूंटे ने की।

पुलिस के अनुसार, हाल ही में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नक्सलियों के गुप्त डंप की सटीक जानकारी दी थी। इसके आधार पर संयुक्त टीमों ने तोड़मा के घने जंगलों में सर्च अभियान चलाया, जहां जमीन के नीचे अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद की गई।

बरामद सामग्री में -116 ग्राम सोने का बिस्कुट (अनुमानित कीमत 16 लाख), 2 लाख नकद, 1 इंसास राइफल एवं 16 इंसास मैगजीन, 4 एके-47 मैगजीन और 68 राउंड, 23 एसएलआर मैगजीन एवं 34 राउंड, 5 बारह बोर बंदूकें और 7 कारतूस, 3 बीजीएल लॉन्चर एवं 1 बीजीएल सेल, 2 कार्बाइन मैगजीन, 303 के 8 राउंड एवं 45 चार्जर, 10 भरमार बंदूकें (टूटी-फूटी), 1 रिवॉल्वर, 1 एयरगन, 6 टिफिन बम, 4 पाइप बम, 122 तीर बम, 1 पैरा बम, 2 देशी हैंड ग्रेनेड, 2 देशी मोर्टार, जिलेटिन, 20 डेटोनेटर, कोडेक्स वायर का बंडल और 14 कुकर बम, नक्सली वर्दी का कपड़ा, दवाइयां, पर्चे-पाम्पलेट एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई।

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में किया मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को नई दिल्ली में मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन किया। यह मंडपम मन्नम इंटरनेशनल सेंटर में एक स्मारक कक्ष है। कार्यक्रम का आयोजन नायर सर्विस सोसाइटी की दिल्ली शाखा की ओर से किया गया। साथ ही उन्होंने समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी मन्नथु पद्मनाभन की प्रतिमा का अनावरण किया।

कार्यक्रम में मन्नथु पद्मनाभन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने 1914 में नायर सर्विस सोसाइटी की स्थापना की थी और केरल में नायर समुदाय के उत्थान के लिए सामाजिक न्याय, शिक्षा, समानता और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और एनएसएस दिल्ली के अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने मन्नथु पद्मनाभन के सामाजिक न्याय, समानता, शिक्षा और सामुदायिक सेवा के प्रति आजीवन समर्पण को रेखांकित किया और कहा कि उनके आदर्श समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज की ओर राष्ट्र के सफर को निरंतर प्रेरित करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड में भारत ने सभी 5 स्वर्ण जीते, संयुक्त रूप से विश्व में पहला स्थान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने 56वें अंतरराष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड (आईपीएचओ) में शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी पांच स्वर्ण पदक जीत लिए। कोलंबिया के बुकारामांगा में आयोजित प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने चीन, कजाकिस्तान, रूस, दक्षिण कोरिया और ताइवान के साथ संयुक्त रूप से विश्व में पहला स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में 87 देशों के 381 छात्रों ने भाग लिया।

स्वर्ण पदक विजेताओं में पुणे के कनिष्क जैन, इंदौर के ऋद्धेश अनंत बेंदाले, नई दिल्ली के ऋषित गर्ग, मुंबई के श्रेष्ठ सुरैया और अहमदाबाद के स्वरित जोशी शामिल हैं।

परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) के राष्ट्रीय केंद्र होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र (एचबीसीएसई) ने भारतीय टीम को प्रशिक्षित और चयनित किया। एचबीसीएसई देश में राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम का नोडल केंद्र है और विज्ञान एवं गणित के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें बहुस्तरीय चयन प्रक्रिया, ओरिएंटेशन शिविरों और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करता है।

परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव और परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार मोहंती ने इस उपलब्धि पर छात्रों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय भौतिकी ओलंपियाड में पांच स्वर्ण पदक और संयुक्त रूप से विश्व में पहला स्थान हासिल करना पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि भारतीय छात्रों की प्रतिभा, समर्पण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ-साथ एचबीसीएसई-टीआईएफआर के ओलंपियाड कार्यक्रम की उत्कृष्ट तैयारी का प्रमाण है। विभाग ने भारतीय दल के टीम लीडर प्रो. अन्वेष मजूमदार (एचबीसीएसई-टीआईएफआर) और डॉ. लीना जोशी (सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई) के साथ वैज्ञानिक पर्यवेक्षक प्रो. आनंद दासगुप्ता (आईआईएसईआर, कोलकाता) और निशा केलकर (गोगटे-जोगलेकर कॉलेज, रत्नागिरी) तथा एचबीसीएसई के भौतिकी ओलंपियाड दल और मेंटर्स को भी इस सफलता के लिए बधाई दी।

पीएम नरेंद्र मोदी का न्यूजीलैंड दौरा : भारत-न्यूजीलैंड रिश्तों को मिली नई ऊंचाई, 2030 तक व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड समेत तीन देशों के अपने छह दिवसीय विदेश दौरे का समापन कर लिया है। दौरे के बाद भारत और न्यूजीलैंड के रिश्तों को नई मजबूती मिली है। दोनों देशों ने आपसी संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने और वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में नई प्रगति हुई है और यह समझौता आर्थिक सहयोग को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने की योजना है, जिससे न्यूजीलैंड में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, लोगों की आय बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

रोडमैप टू 2030' पर बनी सहमति

भारत और न्यूजीलैंड ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, लोगों के बीच मजबूत संबंधों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा हितों को ध्यान में रखते हुए 'भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारीः रोडमैप टू 2030' को अपनाने पर सहमति जताई। इस रोडमैप के तहत अगले चार वर्षों में दोनों देश रक्षा, व्यापार, निवेश, शिक्षा, कृषि, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय सहयोग समेत कई क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे।

2030 तक 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर का व्यापार लक्ष्य

दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर (करीब 35 हजार करोड़ रुपये) तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए नियमित उच्चस्तरीय बैठकों और प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान पर भी सहमति बनी है।

18 बड़े फैसले और 10 एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री मोदी के छह दिवसीय विदेश दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुईं। यात्रा के अंतिम चरण में ऑकलैंड पहुंचे प्रधानमंत्री ने विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस दौरान दोनों देशों के बीच 18 बड़े फैसलों और 10 महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (टङ्कव२) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग को नई दिशा मिलेगी।

'किआ ओरा मोदी' कार्यक्रम में भारतीय समुदाय का सम्मान

शनिवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में गाला लंच का आयोजन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 'किआ ओरा मोदी' कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां प्रवासी भारतीयों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री लक्सन ने न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय अपनी मेहनत और उद्यमिता से देश की अर्थव्यवस्था में लगभग 9 प्रतिशत योगदान दे रहे हैं।

राजकीय सम्मान के साथ हुई विदाई

दौरे के समापन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी गई। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने उन्हें गले लगाकर शुभकामनाएं दीं और हाथ हिलाकर विदा किया। दोनों नेताओं ने भविष्य में भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

होर्मुज पर अमेरिका का सख्त संदेश, कहा- जहाजों की निर्बाध आवाजाही हर हाल में सुनिश्चित करेंगे

एजेंसी

वॉशिंगटनः खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने स्पष्ट किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सभी देशों के व्यावसायिक और अन्य वैध जहाजों की आवाजाही के लिए खुला रहेगा।

सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिकी सेना इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर जहाजों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैनात और तैयार है। कमांड ने दोहराया कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अमेरिका ने अपने बयान में यह भी दावा किया कि ईरान का होर्मुज जलडमरूमध्य पर कोई नियंत्रण नहीं है और इस मार्ग से अंतरराष्ट्रीय जहाजों का आवागमन लगातार जारी है। साथ ही वॉशिंगटन ने ईरान पर जहाजों को धमकाने, उन्हें परेशान करने और मनमाने प्रतिबंधात्मक ऐलान करने का आरोप लगाया।

उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में होर्मुज के आसपास कई जहाजों पर हमलों और बढ़ती सैन्य गतिविधियों के कारण क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। ऐसे में अमेरिका ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर आवश्यक कदम उठाता रहेगा।

करकट्टा जंगल में सीआईएसएफ का सबसे बड़ा ऑपरेशन, 200 टन अवैध कोयला जब्त

70 जवानों ने घंटों चलाया मेगा सर्च अभियान, अवैध खनन के बड़े नेटवर्क पर करारा प्रहार

कमांडेंट अमित कुमार के नेतृत्व में सीसीएल व मैकलुस्कीगंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, कोयला माफियाओं में मचा हड़कंप

करकट्टा जंगल की घेराबंदी कर व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

बिभा संवाददाता

खलारी। अवैध कोयला खनन और तस्करी के खिलाफ सीआईएसएफ ने रविवार को पिपरवार क्षेत्र के करकट्टा जंगल में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। कमांडेंट अमित कुमार के नेतृत्व में सीआईएसएफ, सीसीएल प्रबंधन और मैकलुस्कीगंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने जंगल के भीतर संचालित अवैध खनन का भंडाफोड़ करते हुए करीब 200 टन अवैध कोयला बरामद किया। इसे पिपरवार क्षेत्र में सीआईएसएफ का अब तक का सबसे बड़ा मास कोल रेड अभियान माना जा रहा है।इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में सक्रिय कोयला माफियाओं और अवैध खनन सिंडिकेट में हड़कंप मच गया है।गोपनीय सूचना मिलने के बाद करीब 70 सीआईएसएफ जवानों ने करकट्टा जंगल की घेराबंदी कर व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया। घंटों चली कार्रवाई के दौरान जंगल के भीतर संचालित अवैध खदानों का खुलासा हुआ और वहां से लगभग 200 टन अवैध कोयला बरामद किया गया। जब्त कोयले को कब्जे में लेने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई अवैध खनन के संगठित नेटवर्क पर अब तक की सबसे बड़ी चोट मानी जा रही है।इस संयुक्त अभियान में पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक अमिताभ कुमार तिवारी, उप कमांडेंट दिनेश कुमार, उप कमांडेंट अजय कुमार पाण्डेय, सहायक कमांडेंट हर्ष लवानिया, सहायक कमांडेंट मनोहर बरवाहा, निरीक्षक रणजीत, निरीक्षक रश्मि, निरीक्षक पी.के. झा, सीसीएल के परियोजना पदाधिकारी, एएसओ तथा मैकलुस्कीगंज थाना पुलिस के अधिकारी और जवान भी शामिल रहे।कमांडेंट अमित कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अवैध कोयला खनन, चोरी और तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ का अभियान केवल सीसीएल परियोजनाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अवैध खनन के हर स्रोत की पहचान कर उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आने वाले दिनों में भी ऐसे विशेष अभियान और अधिक व्यापक स्तर पर जारी रहेंगे।सीआईएसएफ की इस ऐतिहासिक कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध खनन और कोयला तस्करी के खिलाफ निर्णायक प्रहार माना जा रहा है। लगातार हो रही सख्त कार्रवाई से अवैध कारोबार से जुड़े तत्वों में कानून का खौफ साफ दिखाई देने लगा है।

बेड़ो में राजीव गांधी ग्रामीण प्रतिभा प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित, 6,600 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

बिभा संवाददाता

बेड़ो: पूर्व मंत्री बंधु तिर्की की पहल पर रविवार को मांडर विधानसभा क्षेत्र में भारत रत्न राजीव गांधी ग्रामीण प्रतिभा प्रतियोगिता परीक्षा-2026 का सफल आयोजन किया गया। झारखंड में पहली बार आयोजित इस प्रतियोगिता परीक्षा का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है।

मांडर विधानसभा के बेड़ो, इटकी, चान्हो, मांडर और लापुंग प्रखंड में एक साथ परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं पारदर्शी बनाने के लिए कुल 26 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। कक्षा 8, 9, 10, 11 एवं 12 के लगभग 6,600 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश पर विधानसभा परीक्षा प्रभारी प्रो. राजा सिंह ने परीक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी की।

परीक्षा प्रभारी प्रो. राजा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाना है। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न हुई।

आयोजकों ने बताया कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों में शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति नया उत्साह देखने को मिला। आयोजकों का मानना है कि यह प्रतियोगिता भविष्य में ग्रामीण प्रतिभाओं को नई दिशा देने का कार्य करेगी।

भाजपा में बढ़ी अंदरूनी हलचल: 'कार्यकर्ता स्वाभिमान मंच' का शक्ति प्रदर्शन, समानांतर कमेटी बनाने तक की चेतावनी

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी भाजपा की अंदरूनी राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई जब 'भाजपा कार्यकर्ता स्वाभिमान मंच' ने दावा किया कि उसे लगातार वरिष्ठ भाजपा कार्यकताओं, पूर्व मंडल अध्यक्षों और संघ विचारधारा से जुड़े कार्यकताओं का व्यापक समर्थन मिल रहा है। मंच ने वर्तमान मंडल कमेटी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि संगठन में समर्पित और पुराने कार्यकताओं की लगातार उपेक्षा की जा रही है।मंच की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि संगठन को उसकी मूल विचारधारा, अनुशासन और कार्यकर्ता आधारित संस्कृति से भटकाया जा रहा है। इसी के विरोध में स्वाभिमान मंच का गठन किया गया है, जिसे अब खलारी मंडल की सभी पंचायतों से कार्यकताओं का समर्थन मिल रहा है।मंच ने दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व खंड कार्यवाहों, जिला स्तर के दायित्व निभा रहे कार्यकताओं, वरिष्ठ भाजपा नेताओं, पूर्व युवा मोर्चा पदाधिकारियों, शक्तिकेंद्र संयोजकों, बूथ अध्यक्षों और बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकताओं ने मंच के प्रति एकजुटता व्यक्त की है। साथ ही भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष फुलेश्वर महतो, अरविंद सिंह, आनंद झा और शैलेन्द्र शर्मा के भी संगठन हित में मंच के साथ खड़े होने का दावा किया गया है प्रेस विज्ञप्ति में वर्तमान मंडल कमेटी पर आरोप लगाया गया है कि कई महत्वपूर्ण पद ऐसे लोगों को दिए गए हैं जिनका भाजपा और संघ की मूल विचारधारा से कोई गहरा जुड़ाव नहीं रहा। मंच का कहना है कि संगठन में चापलूसी और व्यक्तिगत प्रभाव के आधार पर पद बांटे जा रहे हैं, जबकि वर्षों से पार्टी के लिए संघर्ष करने वाले कार्यकताओं की लगातार अनदेखी हो रही है। इससे संगठन की कार्यशैली और कार्यकताओं का मनोबल दोनों प्रभावित हुए हैं।मंच ने यह भी कहा कि पहली प्रेस विज्ञप्ति में कुछ वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकताओं के नाम छूट जाने पर नाराजगी सामने आई थी। इसके बाद लगातार विभिन्न पंचायतों से कार्यकर्ता मंच से संपर्क कर रहे हैं और वर्तमान मंडल कमेटी के प्रति असंतोष जताते हुए मंच के समर्थन में खुलकर सामने आ रहे हैं।ऑनलाइन बैठक में वक्ताओं ने दावा किया कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को खलारी क्षेत्र में मिली बड़ी बढ़त समर्पित कार्यकताओं और संघ विचारधारा से जुड़े लोगों की मेहनत का परिणाम थी। उनका आरोप है कि बाद के वर्षों में कार्यकताओं की उपेक्षा और कुछ नेताओं के बढ़ते वर्चस्व के कारण संगठन का जनाधार कमजोर हुआ, जिसका असर हाल के विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिला।

संक्षिप्त खबरें

तुलसी जयंती समारोह के अन्तर्गत श्री हनुमान चालीसा कंठस्थ पाठ प्रतियोगिता सम्पन्न

जमशेदपुर(बिभा)। हिन्दी साहित्य सम्मेलन तुलसी भवन द्वारा आयोजित तुलसी जयंती समारोह के अन्तर्गत शनिवार , 11 जुलाई को कक्षा 1 से 3 तक तथा रविवार, 12 जुलाई को कक्षा 4 से 7 तक के छात्रों के लिये श्री हनुमान चालीसा कंठस्थ पाठ प्रतियोगिता सम्पन्न हुई ।जिसमें नगर के 38 विद्यालयों के कुल 502 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आरंभ संस्थान के न्यासी मुरलीधर केडिया, उपाध्यक्ष राम नन्दन प्रसाद, मानद महासचिव डॉ० प्रसेनजित तिवारी, कार्यकारिणी के प्रसन्न वदन मेहता , ओम प्रकाश अग्रवाल एवं साहित्य समिति के पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ ।तत्पश्चात संस्थान के मानद महासचिव डॉ० प्रसेनजित तिवारी ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुये पुरे कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी ।प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में सर्वश्री यमुना तिवारी व्यथित, नीलिमा पाण्डेय, माधवी उपाध्याय, डॉङ्ग वीणा पाण्डेय भारती, डॉ. अरुण सज्जन,, राजेन्द्र राज, नीता सागर चौधरी, राजेन्द्र राज, अनीता निधि, ममता कर्ण, विजयालक्ष्मी 'वेदुला', नीलम पेड़ीवाल एवं ।मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावक एवं शिक्षक - शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही ।

विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाएगी:संघ

रांची(बिभा) : आदिवासी छात्र संघ केन्द्रीय समिति के संस्थापक सदस्यों की बैठक ट्राइबल हॉस्टल मोराबादी में सम्पन्न हुई।बैठक में 8 जुलाई में हुई महाधिवेशन कार्यक्रम की समीक्षा की गई और आगे की रणनीति की घोषणा की गई। आगामी 9 अगस्त 2026 का विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम मोराबादी मैदान में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन तथा विशिष्ट अतिथि आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा जी होंगे। समीक्षात्मक बैठक में सरना कोड लागू कराने तथा परिसीमन का विरोध किया गया। कार्यक्रम में धर्म और जाति से ऊपर उठकर आदिवासीयत की एकता के लिए लोग भाग लेंगे। आदिवासी छात्र संघ का गठन इसी उद्देश्य से किया गया था। विश्व आदिवासी दिवस के दिन हमारे आदिवासी भाई बहन हजारों हजार की संख्या मे अपनी पारम्परिक वेश-भूषा में उपस्थित होंगे तथा कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। बैठक में डा.सुशील कुमार मिंज,सतीश कुमार भगत, प्रो.सत्यनारायण उराँव, सुरेश टोप्पो, प्रो.अमित पातर मुण्डा,सुखदेव कच्छप, संदीप सिंह मुण्डा,संदीप भगत,आशीष उराँव,प्रियांशु टोप्पो,सुभाष उराँव,विजय उराँव,बासुदेव उराँव, सत्यलोक उराँव,मनीष भगत, अर्जुन उराँव,विकास उराँव, जतरू उराँव,प्रेम प्रकाश मिंज, महावीर उरांव, प्यारू उरांव सहित सैकड़ों छात्रगण उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में वृद्ध मोपेड चालक घायल, कार चालक मौके से फरार

बेड़ो(बिभा): रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर बेड़ो पूर्णा पानी पेट्रोल पंप के समीप रविवार सुबह लगभग 10 बजे कार और मोपेड के बीच हुई टक्कर में जमनी पंडरा निवासी लगभग 70 वर्षीय जलेश्वर गोप घायल हो गए। जानकारी के अनुसार जलेश्वर गोप अपने मोपेड से जा रहे थे, तभी रांची की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में जलेश्वर गोप के सिर और पैर में चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं और पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा के नेतृत्व में ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा घायल बुजुर्ग को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बेड़ो पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार घायल की स्थिति फिलहाल स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। हादसे में मोपेड को भी अधिक क्षति नहीं पहुंची है। घटना की सूचना बेड़ो थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस फरार कार चालक की तलाश करते हुए मामले की जांच में जुट गई है।

उलीडीह में 10 दुकानों से लाखों की चोरी

पूर्वी सिंहभूम(बिभा)। उलीडीह थाना क्षेत्र के टीचर कॉलोनी डिमना रोड स्थित राजस्थान भवन के समीप चोरों ने लगातार दो रातों तक आतंक मचाते हुए कुल 10 दुकानों को निशाना बनाया। शुक्रवार और शनिवार की रात हुई इस सिलसिलेवार चोरी की घटनाओं से पूरे बाजार क्षेत्र में दहशत का माहौल है। शनिवार देर रात अकेले आठ दुकानों में चोरी और चोरी के प्रयास की घटना सामने आई है। चोर कई दुकानों के ताले तोड़कर नकदी, कीमती सामान और अन्य सामग्री लेकर फरार हो गए, जबकि कुछ दुकानों में ताले तोड़े जाने के बावजूद चोरी नहीं हो सकी। जानकारी के अनुसार चोरों ने किराना, मेडिकल, हार्डवेयर और अन्य प्रतिष्ठानों को अपना निशाना बनाया। चोरी किये गये प्रतिष्ठानों में श्याम जनरल स्टोर, विष्णु भंडार, मां वैभव वैष्णो मेडिकल, मनोज केजरीवाल हार्डवेयर, रामाज्ञा आटा चक्की, राधा कृष्ण ट्रेलर और शुभम स्टोर समेत कई अन्य दुकानें शामिल हैं। कई दुकानों के शटर और ताले तोड़कर चोर अंदर घुसे और गल्ले में रखी नकदी के अलावा अन्य कीमती सामान भी उठा ले गए। कुछ दुकानों का सेंट्रल लॉक नहीं खुलने के कारण वहां चोरी की कोशिश नाकाम रही, लेकिन ताले टूटे हुए मिले।

रांची के संग्रामपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिवलिंग क्षतिग्रस्त, पुलिस जांच में जुटी, बढ़ाई गई सुरक्षा

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के कांके थाना क्षेत्र अंतर्गत संग्रामपुर गांव स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर में रविवार सुबह शिवलिंग क्षतिग्रस्त मिलने से पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण, श्रद्धालु और स्थानीय लोग मंदिर परिसर में एकत्र हो गए। लोगों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार, प्रतिदिन की तरह रविवार सुबह भी श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे थे। मंदिर में प्रवेश करते ही उनकी नजर स्थापित शिवलिंग पर पड़ी, जो क्षतिग्रस्त अवस्था में था। यह दृश्य देखते ही श्रद्धालु स्तब्ध रह गए। कुछ ही देर में घटना की खबर पूरे गांव में फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर पहुंचने लगे। लोगों का कहना था कि यह घटना धार्मिक आस्था और भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है तथा इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कांके थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और श्रद्धालुओं से बातचीत कर उन्हें शांत कराया तथा कानून अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की। इसके बाद पुलिस ने मंदिर परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया और घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू की।

जांच के क्रम में पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि घटना के समय संदिग्ध गतिविधियों और इसमें शामिल लोगों की पहचान की जा सके। इसके अलावा स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर भी मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले का जल्द खुलासा किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उनका कहना है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन को अतिरिक्त कदम उठाने चाहिए।

पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमर पांडेय ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर काम कर रही है और उपलब्ध तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है तथा लोगों से शांति, संयम और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा तीन बड़े प्रस्ताव पास, कार्यकारिणी भंग, 2 अगस्त को चुनाव

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : गोलमुरी स्थित मिथिला सांस्कृतिक परिषद परिसर में रविवार को संस्था की वार्षिक आमसभा का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में परिषद के कुल 356 आजीवन सदस्यों ने हिस्सा लेकर संगठन की प्रगति और भविष्य की रूपरेखा पर गहन विचार-विमर्श किया। आमसभा में सर्वसम्मति से संगठन हित में कई बड़े फैसले लिए गए और वर्तमान कमेटी का कार्यकाल पूरा होने पर उसे भंग कर दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परिषद के अध्यक्ष मोहन ठाकुर, महासचिव धर्मेश कुमार झा, कोषाध्यक्ष रंजीत कुमार झा और पूर्व अध्यक्ष जीवछ झा व लक्ष्मण झा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई। मंच संचालन राजेश कुमार झा ने किया, सहायक महासचिव शिव चंद्र झा ने सभी आगंतुक आजीवन सदस्यों का स्वागत किया। इसके बाद पिछले वर्ष (2025) में आयोजित आमसभा की कार्यवाही का विवरण सहायक महासचिव राजेंद्र कुमार कर्ण द्वारा सदन के पटल पर रखा गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने ताली बजाकर सर्वसम्मति से संपुष्ट कर दिया। इसके बाद अध्यक्ष मोहन ठाकुर ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया और महासचिव धर्मेश कुमार झा ने वर्ष भर के कार्यों का वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ा।

प्रस्ताव में अध्यक्ष और महासचिव आपातकालीन स्थितियों में 50,000 रुपये तक की राशि खर्च कर सकते हैं, जिसे बाद में कार्यकारिणी से अनुमोदित कराना होगा। परिषद की मजबूती के लिए कार्यकारिणी का कार्यकाल 2 वर्ष से बढ़ाकर 3 वर्ष कर दिया गया है।

चुनाव को पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए अशोक झा अविचल, सरोज कांत झा और दीपक कुमार झा को चुनाव पर्यवेक्षक नामित किया गया। मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक अशोक झा अविचल ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि मिथिला सांस्कृतिक परिषद के सत्र 2026-29 हेतु नई कार्यकारिणी का चुनाव 02 अगस्त 2026 को कराया जाएगा।

साहू समाज ने मिलन समारोह में एकता को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। साहू समाज के पदाधिकारियों के भव्य मिलन समारोह रविवार को डिमना लेक में राकेश साहू के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें समाज की एकता को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया गया। साथ ही कार्यक्रम में उन सभी पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने पिछले 6 वर्षों में समर्पण और सेवा भाव से आर्थिक सहयोग देकर समाज के विभिन्न कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला उपाध्यक्ष शिवलोचन साह ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में साहू समाज के भीष्म पितामह स्वर्गीय अशोक साहू के पुत्र रंगनाथ प्रसाद उपस्थित थे। इस अवसर पर राकेश साहू ने कहा कि पिछले 6 वर्षों में सभी के सहयोग से साहू समाज ने शिक्षा, एकता और संगठन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। साहू समाज हमेशा समाज के विकास, कल्याण और उत्थान के लिए तत्पर रहेगा। समाज के किसी भी भाई-बहन के सुख-दुख में साहू समाज कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। अध्यक्ष कोई भी हो, हम सबका संकल्प है कि समाज को और आगे ले जाना है। हम जी-जान लगाकर लोगों को जागरूक करेंगे और समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों के समर्पण और सेवा भाव की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और समाज की एकता को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर रंजीत कुमार साव जिला सचिव अशोक साहू, शैलेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार, महामंत्री पप्पू साहू सहित अजय साहू, विजेंद्र साहू, इंद्र नारायण साह, सागर साहू, सुमित कुमार आदि उपस्थित थे।

मस्जिदों के ध्वस्तीकरण के खिलाफ निंदा प्रस्ताव, मुस्लिम सांसद-विधायक प्रधानमंत्री से करें हस्तक्षेप की मांग

बिभा संवाददाता

रांची: भारतीय मुसलमानों के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और सरकारों की भूमिक विषय पर आज दिनांक 12 जुलाई 2026 को प्रेस क्लब रांची में आमया संगठन के द्वारा परिचर्चा कार्यक्रम किया गया। विषय प्रवेश कराते हुए आमया संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष एस अली ने कहा कि संविधान की अनुच्छेद 25 एवं 26 सभी नागरिकों को अपना धर्म मानने और धार्मिक स्थल बनाने का अधिकार देता है, वही पूजा स्थल अधिनियम 1991 देश की आजादी 1947 से जो धार्मिक स्थल जिस स्थिति में है उसे बरकार रखने का निर्देश देता है।

उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, गुजरात, दिल्ली और पूर्वोत्तर राज्यों में 02 दर्जनों से अधिक सदियों पुरानी मस्जिदों और दूसरे मुस्लिम धार्मिक स्थलों को ध्वस्त कर दिया गया है और डिमोलिशन की कार्रवाई लगातार जारी है, डिमोलिशन के पूर्व मस्जिद प्रबंधन समिति या समुदाय के लोगो को ना तो विश्वास में लिया गया और ही नोटिस देकर समुचित दस्तावेज एवं साक्ष्य दिखाने का अवसर दिया गया बल्कि पुलिस बल लगाकर एकतरफा कार्रवाई किया गया जो संवैधानिक प्रक्रिया और कानून का खुला उल्लंघन है। डिमोलिशन पर सर्वोच्च न्यायालय का स्पष्ट निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों पर पक्षों को सुनने का अवसर दिए जाए साथ ही इसका अनुपालन नही करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई हो लेकिन इसका पालन नही हो रहा है।

मजलिस ए उलेमा झारखंड के अध्यक्ष मौलान साबिर मजाहिरी, मौलान जियाउल होदा नदवी ने विपक्षी दलों और सांसद, विधायक की खामोशी पर सवाल उठाते हुए भारतीय मुस्लिम सांसदों और विधायकों से दलगत नीति से उपर उठकर डेलिगेशन बनाकर प्रधानमंत्री से मिलकर कार्रवाई पर रोक की पहल करने की मांग किया। परिचर्चा में मुस्लिम धार्मिक स्थलों की ध्वस्तिकरण के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया।

परिचर्चा का संचालन आमया के केन्द्रीय प्रभारी जियाउद्दीन अंसारी और धन्यवाद ज्ञापन केन्द्रीय सचिव नौशाद आलम ने किया।

परिचर्चा को आमया संगठन के केन्द्रीय उपाध्यक्ष मो फुरकान, केन्द्रीय महासचिव रहमतुल्लाह अंसारी, समाजिक कार्यकर्ता तनवीर अहमद, इंजिनियर मोहम्मद अली, बाबर, मौलान फारूक आजम, इरशाद इमाम सहित अन्य ने अपनी बातों को रखा।

करंट लगने से मृत मजदूर के परिवार को मिला 10 लाख का मुआवजा

जमशेदपुर: बालीगुमा में पेयजल पाइपलाइन बिछाने के दौरान बिजली का करंट लगने से मृत गिरिडीह के मजदूर चेतन यादव के परिवार को ठेकेदार द्वारा 10 लाख रुपये मुआवजे का भुगतान किया गया। यह राशि मृतक की दोनों पत्नियों के परिवारों के बीच बांटी गई। मुआवजे के रूप में 1 लाख रुपये नकद और 9 लाख रुपये के चेक दिए गए। यह मुआवजा दिलाने में बगोदर के पूर्व माले विधायक विनोद सिंह की पहल पर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय और जदयू नेताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नेताओं ने ठेकेदार पर दबाव बनाकर पीड़ित परिवार को तुरंत सहायता दिलाई, जिसके बाद परिवार अपने पैतृक गांव रवाना हो गया।

पेपर लीक के विरोध में रांची में छात्रों की गूंज मैराथन, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की उठी मांग

बिभा संवाददाता

रांची। देशभर में लगातार सामने आ रही पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अनियमितताओं के विरोध में रविवार को राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका से ₹छात्रों की गूंज₹ अभियान के तहत मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, युवाओं और आम नागरिकों ने भाग लेकर पारदर्शी एवं निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली की मांग को बुलंद किया।

मैराथन के दौरान प्रतिभागियों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और युवाओं के अधिकारों से जुड़े नारों के साथ अपनी आवाज उठाई। पूरे आयोजन में युवाओं का उत्साह देखने लायक रहा और कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं अनुशासित माहौल में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने कहा कि आज देश का युवा अपने भविष्य को लेकर गंभीर चिंता में है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार होने वाले पेपर लीक ने लाखों मेहनती छात्रों के सपनों को तोड़ा है। युवाओं के साथ हो रहे इस अन्याय के खिलाफ देशभर में जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है और छात्रों की गूंज उसी अभियान का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि छात्रों को न्याय दिलाने और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित कराने की लड़ाई लगातार जारी रहेगी।

अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान चीब ने कहा कि देश का युवा केवल रोजगार ही नहीं, बल्कि निष्पक्ष, पारदर्शी और ईमानदार परीक्षा प्रणाली भी चाहता है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ न होने दे। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने और अपने अधिकारों के लिए संगठित रहने का आह्वान किया।

अभियान के संयोजक कुमार राजा ने कहा कि यह आयोजन केवल एक मैराथन दौड़ नहीं, बल्कि छात्रों के अधिकार, सम्मान और सुरक्षित भविष्य के लिए शुरू किया गया जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि जब तक पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक नहीं लगती और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं होती, तब तक छात्रों की आवाज इसी तरह बुलंद होती रहेगी।

अखिल भारतीय कांग्रेस के सचिव एवं झारखंड के सह प्रभारी भूपेंद्र मराबी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा ऊर्जा और प्रतिभा है। यदि भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर लगातार सवाल उठते रहेंगे तो यह देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय होगा। उन्होंने केंद्र सरकार से पेपर लीक पर प्रभावी नियंत्रण, दोषियों के खिलाफ त्वरित एवं कठोर कार्रवाई तथा परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार लागू करने की मांग की। कार्यक्रम में सांसद सुखदेव भगत, राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, बिनय सिन्हा दीपू, सुमित शर्मा, जयवर्धन ठाकुर सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस नेताओं ने भाग लेकर छात्रों के आंदोलन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

मैराथन के समापन पर प्रतिभागियों ने शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने, भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प लिया।

रांची में वोटर वेरिफिकेशन में 74 प्रतिशत एन्यूमरेशन फॉर्म बंटे, 24 प्रतिशत का डिजिटाइजेशन

बिभा संवाददाता

रांची। जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। शनिवार शाम 4 बजे तक जिले के करीब 74 फीसदी मतदाताओं तक एन्यूमरेशन फॉर्म पहुंचा दिया गया, जबकि करीब 24 फीसदी फॉर्म का डिजिटाइजेशन भी पूरा हो चुका है। जिला प्रशासन ने रविवार को बताया कि जिले के 26.74 लाख मतदाताओं में से अब तक 19.77 लाख एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं।

वहीं 6.33 लाख फॉर्म ऑनलाइन डिजिटाइज किए जा चुके हैं।

विधानसभा क्षेत्रों में सिल्ली में 96.22 फीसदी फॉर्म का वितरण हो चुका है और 34.13 फीसदी फॉर्म डिजिटाइज किए जा चुके हैं।

वहीं तमाड़ में 94.40 फीस'त्र फॉर्म बांटे गए हैं और 32.97 फीसदी का डिजिटाइजेशन हुआ है। मांडर में 88.56 फीसदी वितरण और 33.92 फीसदी डिजिटाइजेशन, जबकि खिजरी में 88.98 फीसदी वितरण और 29.21 फीसदी डिजिटाइजेशन का काम पूरा हुआ है।

शहरी क्षेत्रों में काम की धीमी चल रही है, रांची विधानसभा में अब तक 49.25 फीसदी फॉर्म ही वितरित हो सके हैं और 10.77 फीसदी का डिजिटाइजेशन हुआ है। वहीं हटिया में 55.12 फीसदी वितरण और 16.80 फीसदी डिजिटाइजेशन और कांके में 71.87 फीसदी वितरण और 20.24 फीसदी डिजिटाइजेशन दर्ज किया गया है।

डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों को अभियान में और तेजी लाने का निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि तय समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत फॉर्म का वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए।

जिला प्रशासन ने सभी पात्र मतदाताओं से भी अपील की है कि वे अपना एन्यूमरेशन फॉर्म जल्द से जल्द भरकर बीएलओ के पास जमा करें, ताकि सत्यापन और डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके।

संक्षिप्त खबरें

जेसीआई रांची ने सुकुरहुटू गौशाला में की गौ सेवा, लगाए पौधे

रांची(बिभा) : जेसीआई रांची 'वन टीम विजन' ' ने एक विशेष सामाजिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गौ सेवा से पुण्य, वृक्षारोपण से भविष्य के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। यह गरिमामयी कार्यक्रम सुकुरहुटू, कांके स्थित गौशाला न्यास में आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण और जीव सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम को दो मुख्य सत्रों में विभाजित किया गया है:गौ सेवा कार्यक्रम , जहाँ उपस्थित सदस्य गौवंश की सेवा और देखरेख किये ।वृक्षारोपण कार्यक्रमः प्रातः 9:00 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसके तहत प्रकृति को हरा-भरा बनाने और धरती को समृद्ध करने के लिए पौधे लगाए गए। संस्था के पदाधिकारियों ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा है, गौ सेवा करें, पुण्य के भागी बनें। एक पौधा लगाएं, धरती को मुस्कुराएं। जीव सेवा और पर्यावरण की सुरक्षा ही हमारी आने वाली पीढ़ी का वास्तविक भविष्य तय करेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में जेसीआई रांची के अध्यक्ष जेसी सीए अभिषेक जैन, सचिव जेसी साकेत अग्रवाल, प्रोजेक्ट को ऑर्डिनेटर जेसी सीएस अमन पोद्दार, जेसी सीए दीपक पटेल, जेसी सीए रवि कांत सामोता और को-प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर जेसी शुभम हेतमसरिया सहित पूरी टीम सक्रिय रूप से जुटी हुई थी।

अर्पिता महिला मंडल ने श्रमिकों के बीच ट्रॉली बैग एवं अन्य सामग्री का किया वितरण

रांची(बिभा): सावन समारोह के अवसर पर अर्पिता महिला मंडल, रांची द्वारा अर्पिता महिला मंडल, राजहरा, बरकाकाना एवं गिरिडीह क्षेत्र के सदस्यों के संयुक्त सहयोग से जवाहर नगर में कार्यरत श्रमिकों के लिए सेवा एवं जनकल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा प्रीति सिंह के मार्गदर्शन तथा सदस्यों के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत श्रमिकों के बीच 40 ट्रॉली बैग एवं भोजन के पैकेट वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों के दैनिक जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ उनके श्रम, समर्पण एवं योगदान के प्रति सम्मान प्रकट करना था। इस अवसर पर अर्पिता महिला मंडल, रांची के साथ अर्पिता महिला मंडल, राजहरा, बरकाकाना एवं गिरिडीह क्षेत्र की सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी महिला मंडलों के समन्वित प्रयासों से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया तथा श्रमिकों तक सामग्री सुव्यवस्थित ढंग से वितरित की गई ।ज्ञात हो के ये कर्मी सवच्छता मित्र , माली एवं अन्य कार्यो में अपनी सेवाए दे रहे है ।कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों ने अर्पिता महिला मंडल एवं सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अर्पिता महिला मंडल, रांची तथा राजहरा, बरकाकाना एवं गिरिडीह क्षेत्र की महिला मंडलों की टीम सक्रिय सहभागिता एवं समन्वित प्रयासों से संपन्न हुआ।

रांची में स्ट्रीट वेंडर्स को मिलेगी स्थायी जगह, संजय सेठ और मेयर ने किया जमीन का निरीक्षण

रांची(बिभा): रांची के ओटीसी मैदान से लेकर पंडरा फ्रेंड्स कॉलोनी तक सड़क किनारे दुकान लगाने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को जल्द ही स्थायी ठिकाना मिलेगा। इस दिशा में पहल करते हुए सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और मेयर रोशनी खलखो ने पंडरा थाना के पास खाली सरकारी जमीन का जायजा लिया। इस जगह को विकसित कर स्ट्रीट वेंडर्स को सुव्यवस्थित तरीके से दुकानें दी जाएंगी, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपना रोजगार चला सकें। इसके साथ ही, दैनिक मजदूरों की सुविधा के लिए यहाँ शेड और साफ-सुथरे शौचालय का भी निर्माण कराया जाएगा। इस मौके पर वार्ड 32 के पार्षद संजय कुमार, वार्ड 33 के पार्षद पुष्पा टोप्पो, वार्ड 34 के पार्षद अजीत कच्छप, अशोक मुंडा, सुबेश पांडेय, देवन होंडा, सुशील कुमार एवं मनोज चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भगवान राम के अस्तित्व पर प्रश्न उठाने वाली कांग्रेस को सवाल पूछने का नैतिक अधिकार नहीं : आदित्य साहू

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितता के मामले पर कांग्रेस की ओर से उठाए गए सवालों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कांग्रेस पर वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

आदित्य साहू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज राम मंदिर को लेकर चिंता जता रही है, जबकि अतीत में उसका रुख इससे बिल्कुल अलग रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने न्यायालय में यह पक्ष रखा था कि भगवान राम एक काल्पनिक पात्र हैं और उनका कोई जन्मस्थान नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कारसेवकों पर हुई कार्रवाई का समर्थन किया था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद भी कांग्रेस ने रामलला के पक्ष में कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी। उनका दावा है कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए भेजे गए निमंत्रण को भी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने स्वीकार नहीं किया।

आदित्य साहू ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की राशि के प्रबंधन से जुड़े कथित अनियमितता के मामले की उत्तर प्रदेश सरकार तेजी से जांच करा रही है और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया जारी रहने के बावजूद कांग्रेस इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर सनातन संस्कृति की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के समय भी तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद पर कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का दबाव बनाया गया था, लेकिन उन्होंने अपने निर्णय पर कायम रहते हुए उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

आदित्य साहू ने कहा कि कांग्रेस को राम मंदिर पर राजनीति करने के बजाय अपने संगठन और नीतियों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि तुष्टीकरण और परिवारवाद की राजनीति कांग्रेस की कार्यशैली का हिस्सा रही है।

रांची में 17 सितंबर से शुरू होगा 59वां वार्षिक श्री श्याम महोत्सव, आम सभा में लिया गया निर्णय

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड की प्राचीनतम धार्मिक संस्था श्री श्याम मण्डल, रांची की एक महत्वपूर्ण आम सभा रविवार को श्री श्याम मंदिर के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संस्था का 59वां चार दिवसीय वार्षिक श्री श्याम महोत्सव आगामी 17 सितंबर से 20 सितंबर 2026 तक अत्यंत धूमधाम और उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। यह भव्य महोत्सव अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में संपन्न होगा। महोत्सव में श्री श्याम प्रभु, बजरंगबली और कामना शिव परिवार के मनमोहक व भव्य श्रृंगार के लिए कोलकाता से कुशल मालाकारों (कारीगरों) को बुलाने का निर्णय लिया गया है।

आम सभा में विभिन्न उप-समितियों का गठन कर तैयारियों की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही मंदिर परिसर की साफ-सफाई, रंग-रोगन और महोत्सव में आने वाले भक्तों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने पर चर्चा हुई।

चार दिवसीय महोत्सव में 17 सितंबर को नर-सेवा नारायण सेवा (दरिद्र नारायण भोज व सेवा कार्य), 18 सितंबर को अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर से भव्य एवं विराट शोभायात्रा। 19 सितंबर को नयनाभिराम श्रृंगार, अखंड ज्योत, छप्पन भोग, भजन संकीर्तन और 59वें प्रेम पुष्प (भजन पुस्तिका) का विमोचन एवं 20 सितंबर को प्रातः 7:30 बजे से सुंदरकांड पाठ, सवामणि भोग और पूरे दिन भव्य भजन संकीर्तन होगा।

हरित वीथिका पौधारोपण के साथ हुआ रांची विवि के 67वें स्थापना दिवस समारोह का समापन

बिभा संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय 67वें स्थापना दिवस समारोह का समापन रविवार को प्रशासनिक भवन परिसर में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम हरित वीथिका के साथ हुआ। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, शिक्षकों, कर्मियों, एनएसएस के छात्र-छात्राओं और मीडियाकर्मियों ने मिलकर परिसर में पौधारोपण किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने कहा कि झारखंड की धरती स्वयं में एक हरा-भरा वरदान है। हमारा यह कर्तव्य है कि हम इस प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता को न केवल संजोएं, बल्कि अपने विश्वविद्यालय परिसर को भी हरियाली से आच्छादित कर आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ और समृद्ध पर्यावरण की विरासत सौंपें। 'हरित वीथिका' इसी संकल्प की एक छोटी किंतु सार्थक शुरूआत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीएसडब्ल्यू प्रो सुदेश कुमार साहू ने कहा कि पौधारोपण मात्र एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में एक जिम्मेदार पहल है। विश्वविद्यालय परिसर में लगाए गए ये पौधे आने वाले वर्षों में एक समृद्ध हरित आवरण के रूप में विकसित होंगे।

पौधारोपण कार्यक्रम में सीसीडीसी डॉ पीके झा, प्रोक्टर डॉ मुकुंद चंद्र झा, पीआरओ सह डिप्टी डायरेक्टर सीवीएस डॉ स्मृति सिंह, मानव विज्ञान विभाग के निदेशक डॉ दिनेश उरांव, बोटनी विभागाध्यक्ष डॉ लाडली रानी, एनएसएस समन्वयक डॉ किशोर सुरीन डॉ हीरानन्दन, डॉ दीपाली सहित विभिन्न विभागों के प्राध्यापक और कर्मियों ने पौधारोपण कर अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज करायी।

रांची में थ्रोबॉल खिलाड़ियों ने सिर पर काली पट्टी बांधकर की एक खेल, एक संघ की मांग

बिभा संवाददाता

रांचीः रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जिला, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय थ्रोबॉल खिलाड़ियों द्वारा ₹एक खेल, एक संघ, एक पहचान₹ के समर्थन में एक शांतिपूर्ण सांकेतिक प्रदर्शन किया गया। खिलाड़ियों ने अपने सिर पर काला पट्टा बांधकर विरोध दर्ज कराया और झारखंड में थ्रोबॉल खेल के लिए केवल एक मान्यता प्राप्त संघ की व्यवस्था को बनाए रखने की मांग की।

खिलाड़ियों ने कहा कि झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ पिछले 18 वर्षों से राज्य में खेल के विकास के लिए काम कर रहा है। हाल ही में आयोजित द्वितीय साउथ एशियन थ्रोबॉल चैंपियनशिप में भी झारखंड के दो खिलाड़ियों ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर पदक जीते हैं। ऐसे समय में, कुछ लोगों द्वारा एक अलग (समानांतर) थ्रोबॉल संघ का गठन कर खेल के विकास को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस अवसर पर वेदांत कौस्तव (अध्यक्ष, झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ) ने कहा कि खेल का विकास एकता और संस्थागत स्थिरता से होता है, विभाजन से नहीं। खिलाड़ियों के हितों को हमेशा सर्वोपरि रखा जाना चाहिए।

नगीना कुमार (कोच, भारतीय थ्रोबॉल टीम) ने कहा कि झारखंड ने देश को कई बेहतरीन खिलाड़ी दिए हैं। समानांतर संगठन और अनावश्यक विवाद सीधे तौर पर खिलाड़ियों के भविष्य को प्रभावित करते हैं।

अरुणा यादव (कप्तान, भारतीय महिला थ्रोबॉल टीम) ने कहा कि खेलों को राजनीति और विभाजन से दूर रखना चाहिए। नया संघ बनाने से बेहतर है कि खिलाड़ियों को अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर भविष्य देने पर काम किया जाए।

अमरदीप कुमार (दक्षिण एशियाई पदक विजेता) ने कहा कि जब खेल आगे बढ़ रहा हो, तब उसे बांटने का प्रयास खिलाड़ियों के सपनों के साथ अन्याय है। हमारी मांग है कि 'एक खेल, एक संघ' की व्यवस्था मजबूत हो। प्रदर्शन में शामिल खिलाड़ियों ने स्पष्ट किया कि उनका यह विरोध पूर्णतः शांतिपूर्ण था। उन्होंने राज्य सरकार, खेल विभाग और खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे खिलाड़ियों के भविष्य और खेल की गरिमा को ध्यान में रखते हुए इस मामले में उचित कदम उठाएं।

आईटीआई कौशल कॉलेज में आम महोत्सव का आयोजन,

बिभा संवाददाता

रांची। कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत संचालित प्रेझा फाउंडेशन के आईटीआई कौशल कॉलेज, नगड़ीटोली, रांची में शनिवार को आयोजित आम महोत्सव 2026 आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर झारखंड सरकार के पर्यटन विभाग के निदेशक श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने कॉलेज परिसर का दौरा किया और विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित पाक-कला, नवाचार एवं उद्यमिता की सराहना की।

कॉलेज आगमन पर निदेशक का स्वागत संस्थान के नेतृत्व, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा किया गया। उन्होंने कॉलेज के बेसिक ट्रेनिंग किचन, बेकरी एवं कन्फेक्शनरी प्रयोगशाला, बल्क किचन, स्टूडियो किचन, प्रशिक्षण रेस्तरां, कक्षाओं एवं छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनके उत्साह, अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यावहारिक कौशल की प्रशंसा की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आम महोत्सव 2026 रहा, जिसकी संकल्पना एवं आयोजन पाक-कला विभाग के विद्यार्थियों ने स्वयं किया। महोत्सव में विद्यार्थियों ने तोरपा क्षेत्र से प्राप्त जैविक आमों से तैयार विभिन्न व्यंजन एवं उत्पाद प्रदर्शित किए, जिनमें केक, मिठाइयाँ, पेय पदार्थ, कन्फेक्शनरी उत्पाद तथा अन्य मूल्य संवर्धित खाद्य सामग्री शामिल थीं।

नमन प्रियेश लकड़ा ने इस पहल को पाक-कला शिक्षा, उद्यमिता, स्थानीय उत्पादों के संवर्धन एवं सतत ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड की समृद्ध खाद्य परंपराएँ, जनजातीय खानपान, जैविक उत्पाद और सांस्कृतिक विरासत राज्य में पाक-पर्यटन को बढ़ावा देने तथा स्थानीय समुदायों के लिए नए रोजगार एवं आजीविका के अवसर सृजित करने की अपार संभावनाएँ रखती हैं।

इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधन ने कौशल विकास, उद्योग सहभागिता, छात्र प्लेसमेंट, उद्यमिता संवर्धन एवं सामुदायिक सहभागिता से संबंधित अपनी विभिन्न पहलों की जानकारी दी। निदेशक ने वंचित एवं ग्रामीण युवतियों को रोजगारोन्मुख कौशल प्रदान करने में आईटीआई कौशल कॉलेज की भूमिका की सराहना करते हुए इसे झारखंड सरकार के समावेशी विकास के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण संस्थान बताया।

कार्यक्रम के अंत में निदेशक को उनकी प्रेरणादायी उपस्थिति एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद के लिए विशेष रूप से निर्मित तीन त्रि-आयामी स्मृति-चिह्न भेंट किए गए। इस अवसर पर कॉलेज ने झारखंड में पाक-पर्यटन, स्थानीय खाद्य विरासत एवं सतत पर्यटन पहलों को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग के साथ सहयोग को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में फाउंडेशन की ओर से अश्विन प्रसाद, कॉलेज के डायरेक्टर शाकेश सिंह, सौरभ, अभिषेक एवं अन्य सदस्यों ने शिरकत की।

सावन सिंधारा उत्सव 9 अगस्त को

बिभा संवाददाता

रांची : श्री जीण माता प्रचार समिति रांची के कार्यसमिति सदस्यों सह आम सदस्यों की एक बैठक रविवार को मारवाड़ी भवन में बुलाई गई। इस बैठक में आगामी 9 अगस्त 2026 को स्थानीय मारवाड़ी भवन हरमू में मां श्री जीण भवानी के सावन सिंधारा उत्सव को मनाने का निर्णय किया गया एवं इसकी तैयारी पर सदस्यों के साथ चर्चा-परिचर्चा हुई। समिति ने गायिका के लिए गुजरात की प्रसिद्ध गायिका दीदी आशा वैष्णव पुरुलिया की भजन गायिका दीदी शीतल कटारुका को बुलाने का निर्णय लिया गया। समिति ने मां श्री जीण भवानी के सिंधारा उत्सव को विशाल रूप में मनाने के लिए चौषठ योगिनी का कार्यक्रम तथा अन्य झांकी प्रस्तुत करने का भी फैसला लिया। इस बैठक में अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष विजय पालड़ीवाल, सचिव नारायण विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष बजरंग सोमानी, सह सचिव प्रदीप शर्मा, संदीप अग्रवाल, संदीप शर्मा, सविता शर्मा, नेहा शर्मा, शीतल अग्रवाल, कविता सोमानी, सुनीता मित्तल, निधि विजयवर्गीय,एकता शर्मा, नेहा सिंघानिया आदि सदस्य उपस्थित थें।

नकली ब्रांडेड सामान बनाने वाले बड़े गिरोह का भंडाफोड़, गोदाम संचालक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

कसमार : कसमार थाना क्षेत्र के तेलमुंगा ब्लॉक चौक स्थित एक गोदाम में पुलिस व कंपनियों की अधिकृत जांच टीम ने संयुक्त छापेमारी कर नकली ब्रांडेड उत्पाद बनाने और बेचने वाले बड़े गिरोह का पदार्फाश किया। मौके से गोदाम संचालक गौतम कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है और भारी मात्रा में नकली सामान बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार की गई कार्रवाई में बरामद सामान में नकली पतंजलि व फॉर्च्यून ब्रांड के सरसों तेल की बोतलें, घरेलू उपयोग का क्लीनर हार्पिक, व सर्फ एक्सेल जैसे डिटर्जेंट के रैपर, हजारों प्लास्टिक रैपर, खाली बोतलें, विभिन्न केमिकल, पैकिंग मशीनें तथा तैयार व अर्द्धनिर्मित नकली उत्पाद शामिल हैं। गोदाम से बड़ी संख्या में पैकिंग सामग्री व लेबल भी जब्त किए गए हैं।

गिरोह सस्ते व घटिया गुणवत्ता वाले तेल व अन्य केमिकल का उपयोग कर इसे नामी कंपनियों के लेबल व पैकिंग में भरता था और बाजार में उच्च दाम पर बेचता था।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि नकली सामान का नेटवर्क शहर और आसपास के जिलों तक फैला हुआ हो सकता है।

गोदाम संचालक गौतम कुमार से पूछताछ जारी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधि की ओर से दर्ज शिकायत के आधार पर कसमार थाना में प्राथमिकी भी दर्ज की गई है और पूरे नेटवर्क की तह तक जाने के लिए छानबीन तेज कर दी गयी है। पकड़े गए माल की गुणवत्ता परीक्षण के लिए संबंधित कंपनियों के लैब और स्थानीय फूड/ड्रग विभाग को भेजा जाएगा।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि इस तरह के नकली उत्पाद उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं और बाजार में भ्रांतिप्रेरक तरीके से बेचकर आर्थिक लाभ उठाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को संदिग्ध पैकिंग या कम दाम पर ब्रांडेड उत्पाद मिलें तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।

पुलिस ने आगामी दिनों में और गिरफ्तारियों की संभावना जताई है और इस मामले में विस्तृत पूछताछ व फॉरेंसिक जांच के बाद सार्वजनिक रुप से और जानकारी देने का आश्वासन दिया है।

नर्रा में लूटपाट के बाद बाइक में आग, पुलिस की जांच जारी

बिभा संवाददाता

बोकारो (चंद्रपुरा)। बोकारो के चंद्रपुरा प्रखंड के नर्रा पंचायत के निवासी महेश महतो के पुत्र के साथ सोमवार रात एक गंभीर अपराध हुआ। जानकारी के अनुसार पीड़ित चंद्रपुरा स्थित एक एटीएम से नकदी निकालकर घर लौट रहे थे, तभी छेरवाटांड़ के पास अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और नकद रुपए छीन लिये।

मौके पर मौजूद जानकारी के अनुसार, लुटेरों ने पीड़ित का मोबाइल भी छीन कर तोड़ दिया और उसकी अपाचे बाइक (रजिस्ट्रेशनः जे एच 09बी एन 5734) पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। बदमाश घटना के बाद मौके से फरार हो गए। आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों ने जलती बाइक की सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही चंद्रपुरा थाना की टीम मौके पर पहुंची और खाद्य-सुरक्षा उपाय अपनाते हुए अग्निशमन एवं पुलिस जांच शुरू कर दी। पुलिस ने प्राथमिक रूप से घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य एकत्रित किए और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने तथा अज्ञात आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। पुलिस अधिकारीयों ने बताया कि पीड़ित का स्वास्थ्य सामान्य है और मामले की आगे की जांच चल रही है। स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त है। उन्होंने क्षेत्र में बढ़ती चोरी-चकारी और लूट की घटनाओं पर नाराजगी जताई और पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग की। चंद्रपुरा थाना ने घटनास्थल के आस-पास गश्त बढ़ा दी है और संभावित संदिग्धों की दबिश जारी है।

संक्षिप्त खबरें

डीएवी सेक्टर-4 में वृक्षारोपण अभियान का उत्साहपूर्ण आयोजन

बोकारो(बिभा) । डीएवी स्कूल -4, में आषाढ़ मास की रिमझिम वर्षा के बीच प्रकृति को और अधिक हरा-भरा एवं समृद्ध बनाने के उद्देश्य से भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों , विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण तथा हरित भविष्य के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एस. के. मिश्रा ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ‘वृक्ष केवल प्रकृति की शोभा ही नहीं बढ़ाते, बल्कि समस्त जीव-जगत के जीवन का आधार हैं। आज जब पर्यावरणीय चुनौतियाँ लगातार बढ़ रही हैं, तब प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह केवल एक पौधा लगाए ही नहीं, बल्कि उसके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प ले। प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनशीलता ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य प्रदान करेगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

बोकारो(बिभा) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बोकारो नगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत मंडल प्रशिक्षण वर्ग रविवार, 12 जुलाई की शाम को संपन्न हो गया। 11 जुलाई से चल रहे इस गहन प्रशिक्षण शिविर की अध्यक्षता बोकारो नगर अध्यक्ष विशाल गौतम ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के महामंत्री लाल बाबू ने कुशलता से संभाला। भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, सक्रिय सदस्य और समर्पित कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। दो दिनों के कार्यक्रम के दौरान कुल आठ सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रदेश और जिला स्तर के वरिष्ठ वक्ताओं ने कार्यकताओं को वैचारिक तथा सांगठनिक मजबूती से जोड़ने वाले विषयों पर मार्गदर्शन दिया। आठवें सत्र के समापन के बाद युवा मोर्चा महामंत्री लाल बाबू ने प्रशिक्षण वर्ग की समाप्ति की औपचारिक घोषणा की। आयोजकों ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर ने कार्यकताओं में नई ऊर्जा और समर्पण की भावना पैदा की है, जो पार्टी को आगामी राजनीतिक तथा सामाजिक कार्यों में और अधिक सशक्त, गतिशील और प्रभावी बनाएगा। आयोजन समिति की ओर से कहा गया कि भविष्य में ऐसे और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर मैदान पर संगठनात्मक मजबूती और जनसंपर्क को और प्रबल किया जाएगा।

मुंगो में भव्य लाठी खेल प्रतियोगिता, युवाओं ने दिखाए करिश्माई करतब

बोकारो(बिभा) : यादें हुसैन कमेटी मुंगो की ओर से रविवार को कार्बला के समीप मैदान में भव्य लाठी खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसने भारी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन पूर्व मंत्री व बाल संरक्षण आयोग की प्रदेश अध्यक्ष बेबी देवी, झामुमो जिला प्रवक्ता गोरी शंकर महतो, झामुमो प्रखंड सचिव गुलाम सरवर व समाजसेवी रऊफ हुसैन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। प्रतियोगिता में के एम सी क्लब भर्रा बस्ती (बोकारो), नौजवान अंजुमन इस्लामिया कमेटी कोलबंडी, अंजुमन नुरे एलाही पथुरिया (बोकारो), यादें हुसैन घटियारी चंद्रपुरा सहित आसपास के गांवों के लाठी प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर खिलाड़ियों ने कई हैरतअंगेज करतब दिखाए, जिन पर दर्शकों ने जोरदार तालियों से प्रतिक्रिया दी। आयोजन स्थल पर मुंगो और आस-पास के गांवों से परिवार, युवा और बुजुर्गों की अच्छी-खासी भीड़ जमा रही। प्रतियोगिता के दौरान खेल के साथ ही पारंपरिक उत्साह का माहौल बना रहा और मैदान में भाईचारे की भावना साफ झलकती रही। मुख्य अतिथि बेबी देवी ने कहा कि यादें हुसैन कमेटी का यह प्रयास प्रशंसनीय है। उन्होंने बताया कि लाठी खेल हमारी संस्कृति और विरासत का अहम हिस्सा है और आज के समय में युवाओं को मोबाइल से दूर होकर ऐसे खेलों से जुड़ना चाहिए। इस तरह के आयोजनों से आपसी एकता और भाईचारा भी बढ़ता है, इसलिए कमेटी को आगे भी नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहने चाहिए ताकि युवा पीढ़ी में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़े ।कार्यक्रम के अंत में अंगतुक अतिथियों ने विजेताओं व उपविजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों ने भी आयोजन और प्रतिभागियों की प्रशंसा की।

शादी का झांसा, गर्भपात और प्रताड़ना से तंग युवती ने फाँसी लगाकर की आत्महत्या

भाई की शिकायत पर प्रेमी समेत छह पर मामला दर्ज

बिभा संवाददाता

गोमिया (बोकारो) : साईनाथ यूनिवर्सिटी के पास चंदवे में किराये के मकान में रहने वाली एक युवती ने कथित प्रेम प्रसंग, शारीरिक प्रताड़ना और मानसिक तनाव से तंग आकर शुक्रवार सुबह फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान निशा कुमारी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पिठौरिया थाना पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत पर प्रेमी व उसके परिजनों समेत छह लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाई की शिकायत के मुताबिक, गोमिया प्रखंड के करमटिया गाँव निवासी साहिल कुमार चौहान ने बताया कि निशा साईनाथ यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के बाद वहीं कार्यरत थी और चंदवे में किराये के मकान में रहती थी। शिकायत में कहा गया है कि वर्ष 2021 से निशा और कमल किशोर हाजरा का प्रेम संबंध था। शिकायत में आरोप है कि कमल ने शादी का झांसा देकर समय-समय पर शारीरिक संबंध बनाए और बाद में गर्भपात भी करवाया गया।

परिवार का दावा है कि जब निशा को अपने प्रेमी की दूसरी जगह शादी तय होने की जानकारी मिली तो 27 जून को वह महगामा (गोड्डा) स्थित अपने घर पहुंच कर शादी की गुहार लगाई। शिकायत में आरोप है कि वहां पर प्रेमी तथा उसके पिता, भाई और अन्य परिजनों ने निशा के साथ मारपीट की, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोप है कि कथित तौर पर नशीला पदार्थ खिलाकर उसे बस से रांची भेज दिया गया, जिसमें रास्ते में उसकी तबीयत बिगड़ी और उसे बोकारो के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार ने बताया कि अस्पताल से लौटने के बाद भी आरोपी पक्ष ने निशा से संपर्क तोड़ लिया और उसका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगी। शुक्रवार की सुबह चंदवे स्थित किराये के मकान में उसने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पिठौरिया थाना द्वारा दर्ज प्राथमिकी में कमल किशोर हाजरा, उनके पिता, माता, चचेरे भाई अमन तथा चचेरी बहनें अन्नू और मिन्नू को नामजद किया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। थाना इंचार्ज ने बताया कि साक्ष्य और अस्पताल की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा

बिभा संवाददाता

बोकारो। जिले के कुल 10 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। सभी केंद्रों पर सुरक्षा, विधि-व्यवस्था एवं परीक्षा संचालन की सतत निगरानी की गई।

परीक्षा में कुल 5,910 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 5,464 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 446 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित दिशा-निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित कराया गया। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच, सुरक्षा व्यवस्था तथा आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो सकी।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने नए रोटरी वर्ष की पहली साप्ताहिक बैठक धूमधाम से मनाई

बिभा संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी की रोटरी वर्ष 2026-27 की प्रथम साप्ताहिक बैठक 11 जुलाई को उत्साह और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। समारोह की शुरूआत रोटेरियन संध्या राज और डॉ. राजदीप द्वारा रंग-बिरंगे पार्टी पॉपर्स से क्लब अध्यक्ष रोटेरियन पूनम त्रेहन और उनकी टीम के भव्य स्वागत से हुई। अध्यक्ष रोटेरियन पूनम त्रेहन ने सदस्यों का अभिवादन करते हुए नए रोटरी वर्ष की अपनी कार्ययोजना और प्राथमिकताओं से सभी को अवगत कराया। उन्होंने क्लब के आगामी सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों पर जोर देते हुए सदस्यता विस्तार, स्वास्थ्य व शिक्षा से जुड़े अभियानों और युवा सशक्तिकरण को अपनी प्राथमिकता बताया।

इस अवसर पर बोकारो जनरल अस्पताल के पूर्व निदेशक डॉ. मानक लाल चौरड़िया तथा बोकारो स्टील प्लांट की मुख्य महाप्रबंधक नीता बा को औपचारिक रूप से रोटरी परिवार में शामिल किया गया। दोनों नए सदस्यों ने संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की उम्मीद जताई।

बैठक का एक भावनात्मक क्षण तब आया जब क्लब ने अपने दिवंगत रोटेरियनों की पत्नियों—कृष्णा कक्कड़, उमा सेठ, पुष्पा शर्मा, माला त्रिपाठी और बीना गुप्ता—को उनकी रोटरी परिवार से निरंतर जुड़ाव और योगदान के सम्मान स्वरूप ऑनरेरी रोटेरियन की सदस्यता प्रदान की। इस सम्मान-प्रदान से उपस्थित सदस्यों ने भावभीनी प्रतिक्रिया दी।

बैठक में सामान्य से अधिक संख्या में सदस्य उपस्थित रहे, जो नए रोटरी वर्ष के प्रति उनकी उत्सुकता और प्रतिबद्धता का परिचायक थीं। कार्यक्रम का समापन रोटेरियन संध्या राज और डॉ. राजदीप द्वारा आयोजित शानदार फेलोशिप के साथ हुआ।

टांगटोना पंचायत भवन में किशोरियों व युवा महिलाओं के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण आयोजित

बिभा संवाददाता

कसमार (बोकारो): सहयोगिनी संस्था की ओर से कसमार प्रखंड के टांगटोना पंचायत भवन में किशोरियों एवं युवा महिलाओं के लिए जीवन कौशल (लाइफ स्किल) प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संवाद और निर्णय लेने की क्षमता विकसित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

डिग्री के साथ जीवन कौशल भी जरूरीः प्रशिक्षक मनोहर कुमार महतो ने कहा कि आज के दौर में सिर्फ डिग्री काफी नहीं है। युवाओं को डिजिटल साक्षरता, क्रिटिकल थिंकिंग और समस्या समाधान जैसे कौशलों से लैस होना होगा ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें।

संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने जीवन कौशल के 10 प्रमुख आयामों (जैसे आत्म-जागरूकता, तनाव प्रबंधन, रचनात्मक सोच आदि) पर प्रकाश डाला। उन्होंने किशोरियों से बाल विवाह और लैंगिक भेदभाव जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक रहने की अपील की।

प्रशिक्षण के दौरान रोल प्ले, समूह चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता, समय प्रबंधन और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। संस्था की एनिमेटर रेखा देवी ने बताया कि सहयोगिनी संस्था कसमार प्रखंड की 4 पंचायतों (दुगार्पुर, बागदा, टांगटोना और खैराचातर) के 19 गांवों में महिलाओं और किशोरियों के सामाजिक सशक्तिकरण व स्वास्थ्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

दिन दहाड़े सिटी थाना क्षेत्र से सोने की चेन झपट कर दो बाइक सवार फरार

बोकारो(बिभा): बोकारो के सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर 2 सी के स्ट्रीट संख्या 9 के क्वार्टर नंबर 1011 निवासी शैलेंद्र यादव उर्फ मुन्ना यादव के गले से सोने की चेन झपट कर भाग निकला. घटना रविवार को दिन करीब तीन बजे की है, जब बाइक सवार दो बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया. घटना की सूचना पर पुलिस ने शहर में नाकेबंदी कर बाइक तथा बदमाशों की खोज आरंभ कर दी. ग्लेमर बाइक में सवार से बदमाश - घटना के संबंध में शैलेन्द्र यादव ने बताया कि वो सड़क पर पैदल चल रहें थे. तभी बाइक सवार बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया. इनमें से एक हेलमेट पहने हुए था, जबकि दूसरा टोपी लगाए था. स्थानीय थाना पुलिस ने कहा कि बाइक की पहचान कर ली गई है, जल्द ही दोनों बदमाश पुलिस के शिकंजे में होंगे. शहर में नाकेबंदी कर बाइक और सवार दोनों की तलाश तेज कर दी गई है.

एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर' पुरस्कार से सम्मानित हुए बीएसएल के उत्कृष्ट अधिकारी

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से 'एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड स्कीम' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के निदेशक प्रभारी उपस्थित थे. कार्यक्रम में संयंत्र के अधिशासी निदेशक, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरीय अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

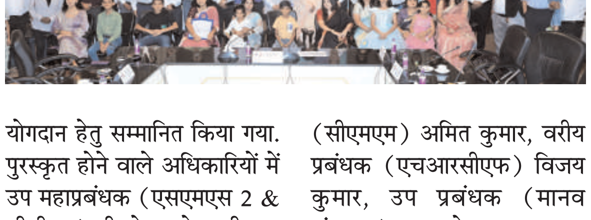

समारोह के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र एवं माइंस के कुल नौ अधिकारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया. पुरस्कृत होने वाले अधिकारियों में उप महाप्रबंधक (एसएमएस 2 & सीसीएस) श्री सोवन गोस्वामी, उप महाप्रबंधक (बीएनपीटी) श्याम उज्जवल मेडडा, सहायक महाप्रबंधक (एचएसएम) राकेश कुमार भारद्वाज, सहायक महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट) अनमोल कुमार, वरीय प्रबन्धक (सीएमएम) अमित कुमार, वरीय प्रबंधक (एचआरसीएफ) विजय कुमार, उप प्रबंधक (मानव संसाधन) एस.के. पात्रा, उप-प्रबंधक (ईएमडी) शुभम कौशिक और सहायक प्रबंधक (टेक्निकल सेल) केतन अरोड़ा शामिल हैं. निदेशक प्रभारी ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों एवं उनके परिजनों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके द्वारा प्रदर्शित कार्य-कुशलता की सराहना की. उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि यह संगठन की सामूहिक प्रगति और कार्य-संस्कृति को बेहतर बनाने के लिए एक सशक्त प्रेरणा स्रोत भी है।

विदित हो कि 'एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड' का मुख्य उद्देश्य उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि, लागत नियंत्रण तथा नवाचार के क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित करना है। सभी पुरस्कृत अधिकारियों ने भविष्य में भी अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में इसी ऊर्जा और उत्कृष्टता के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

उपायुक्त के आश्वासन पर विस्थापित अप्रेंटिस संघ ने गेटबंदी का आंदोलन स्थगित किया

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा लिखित आश्वासन मिलने के बाद विस्थापित अप्रेंटिस संघ एवं अन्य विस्थापित संगठनों ने आज घोषित शांतिपूर्ण आंदोलन को स्थगित कर दिया। संघ ने बताया कि उपायुक्त ने 17 अगस्त 2026 को उच्चस्तरीय त्रिपक्षीय वार्ता कराने का वचन प्रदान किया है।

विस्थापित अप्रेंटिस संघ के प्रतिनिधियों और स्थानीय विस्थापित नेताओं के साथ उपायुक्त के आवास पर हुई बैठक में इस आश्वासन पर सहमति बनी। बैठक के बाद शाम 05:00 बजे अक्लू राम महतो स्मृति भवन (विस्थापित स्टेडियम, महुआर) में आयोजित आपातकालीन बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि उपकरण व संयोजन के तहत 13 जुलाई 2026 को बोकारो स्टील प्लांट पर प्रस्तावित सम्पूर्ण गेटबंदी—शांतिपूर्ण आंदोलन—तुरंत प्रभाव से स्थगित किया जाता है। विस्थापित अप्रेंटिस संघ ने स्पष्ट किया कि उपायुक्त महोदय के प्रति उनका विश्वास, मान-सम्मान और आदर बना रहेगा, परंतु यदि उनकी मांगे समय पर सुनी व संजोई नहीं जातीं, तो संघ एवं अन्य विस्थापित संगठन भविष्य में पुनः बोकारो स्टील प्लांट पर संपूर्ण गेटबंदी करने का संकल्प दोहराएंगे।

आपात बैठक में प्रमुख रूप से सुनील कुमार, चंद्रकांत कुशवाहा, सुरेंद्र कुमार महतो, अजय महतो, रघुनाथ महतो, विक्रम कुमार, प्रदीप कुमार, मासूम, अजय, संतोष, कामरान, बबलू, छोटेलाल, आड़ी दीगर, सागर महली, राजू तथा अन्य नेता और सदस्य उपस्थित थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि त्रिपक्षीय वार्ता में विस्थापितों की रोजगार, मुआवजा तथा पुनर्वास संबंधी मांगों पर निर्णायक चर्चा होनी चाहिए। संघ ने संवाद के दौरान प्रशासन से आग्रह किया कि वार्ता पारदर्शी ढंग से हो और उसमें स्टील प्लांट प्रशासन एवं संबंधित विभागों के सक्षम अधिकारी उपस्थित रहें।

चाईबासा चेम्बर को मिलेगा स्थायी कार्यालय के लिए भूखंड : मंत्री

बिभा संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा में आयोजित चाईबासा चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पंचम वृहद रक्तदान और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में परिवहन एवं राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुवा ने चेम्बर के लिए स्थायी कार्यालय निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि चेम्बर व्यापारिक हितों के साथ-साथ समाजसेवा के क्षेत्र में भी लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। स्थायी कार्यालय बनने से संस्था की सामाजिक और व्यावसायिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और व्यापारियों को एक सशक्त मंच प्राप्त होगा।

रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन मंत्री दीपक बिरुवा, उपायुक्त मनीष कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष एवं चाईबासा चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष नितिन प्रकाश, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहमन टूटी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) पूजा कुमारी, नगर परिषद उपाध्यक्ष विकास शर्मा, डॉ. सौम्य सेनगुप्ता, डॉ. अजय अग्रवाल, चेम्बर अध्यक्ष संजय चौबे सहित अन्य अतिथियों ने किया। मौके पर अतिथियों का पौधा और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

शिविर में कुल 105 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जबकि 287 लोगों ने विभिन्न प्रकार की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान 52 इच्छुक लोगों को हीमोग्लोबिन की कमी, उच्च या निम्न रक्तचाप और अन्य स्वास्थ्य कारणों से रक्तदान की अनुमति नहीं दी गई। चिकित्सकों ने बताया कि यह निर्णय रक्तदाता और रक्त प्राप्त करने वाले दोनों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए नया जीवन साबित हो सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित रक्त की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

चेम्बर अध्यक्ष संजय चौबे ने स्वागत भाषण में कहा कि संस्था व्यापारिक गतिविधियों के साथ सामाजिक दायित्वों का भी लगातार निर्वहन कर रही है। उन्होंने रक्तदान जैसे जनहित के अभियानों में समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

अमझरिया घाटी में लोहे के पाइप से लदी ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, चालक की मौत, उप चालक घायल

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवा। चंदवा रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग एनएच-75 पर चंदवा थाना क्षेत्र के अमझरिया घाटी में रविवार को लोहे के पाइप से लदी एक ट्रक बी आर 24 जीबी 9111 दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में ट्रक चालक की केबिन में दबकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक चालक की पहचान राम सेवक पाल उर्फ भोला पाल पिता स्व. अकलू पाल ग्राम बसना विश्रामपुर पलामू जबकि उप चालक की पहचान सूरज कुमार सोनभद्र उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। जबकि ट्रक के केबिन में दबे चालक के शव को निकालने का प्रयास जारी था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक राउरकेला (ओडिशा) से उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की ओर लोहे के पाइप लेकर जा रही थी। अमझरिया घाटी में एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने के दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना के दौरान ट्रक में लदे भारी लोहे के पाइप आगे की ओर खिसक गए, जिससे चालक केबिन में ही दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही चंदवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। चालक के शव को ट्रक से बाहर निकालने के लिए क्रेन की सहायता ली गई। हादसे के कारण कुछ समय तक एनएच-75 पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

उपायुक्त ने किया जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ

खेल से निखरती है प्रतिभा, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता : उपायुक्त हेमंत सती

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : कर्जन ग्राउंड स्थित बैडमिंटन इंडोर स्टेडियम में रविवार को जिला खेल कार्यालय, हजारीबाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ उपायुक्त हेमंत सती ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर उपायुक्त ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया।इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि खेल केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम ही नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का भी सशक्त जरिया हैं। उन्होंने कहा कि जिले में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर प्रदान करती हैं। खेल के माध्यम से युवा न केवल अपने जिले बल्कि राज्य और देश का भी नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से पूरी निष्ठा, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की।जिला खेल कार्यालय द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग के साथ-साथ सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग के एकल एवं युगल मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं क्षेत्रों से बड़ी संख्या में खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। खिलाड़ियों में प्रतियोगिता को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

संक्षिप्त खबरें

4वीं जूनियर एवं सब-जूनियर जिला तैराकी चैंपियनशिप 2026 सफलतापूर्वक संपन्न

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग तैराकी संघ के तत्वावधान में 4वीं जूनियर एवं सब-जूनियर जिला तैराकी चैंपियनशिप का सफल आयोजन रविवार को द अनंता बाय द हिल, कन्हरी, हजारीबाग स्थित स्विमिंग पूल परिसर में किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए युवा तैराकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग से कुल 90 तैराकों तथा बालिका वर्ग से 25 तैराकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन विभिन्न आयु वर्गों एवं स्पधाओं में किया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन का परिचय दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल थे। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। पुरस्कार वितरण एवं पदक समारोह प्रातः 11:00 बजे आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रद्धानंद सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता तैराकों को मेडल पहनकर सम्मानित किया गया। तैराकी संघ के अध्यक्ष अजमेरा ने अपने संबोधन में कहा कि हजारीबाग के तैराक लगातार राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक अर्जित कर जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। इस चैंपियनशिप के सफल संचालन में तकनीकी टीम में सचिव प्रहलाद सिंह, मनु कुमार राणा, सत्यम कुमार, गणपति राम, बाबूलाल राम, ऋषभ रविदास, ऋतिक राणा, गौरव कुमार राणा, बेंजामिन बरोई, रविंद्र कुमार, कुमकुम कुमारी , , तथा मोहम्मद जीशान सहित अन्य अधिकारियों ने प्रतियोगिता सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मंच का संचालन प्रहलाद सिंह ने की।

उड़ान ट्रेड फेयर 4.0 के अंतिम दिन उमड़ी ग्राहकों की भारी भीड़

हजारीबाग(बिभा) : जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑगेर्नाइजेशन (जीतो) लेडीज विंग, हजारीबाग द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके हुनर को पहचान दिलाने तथा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय उड़ान ट्रेड फेयर 4.0 के अंतिम दिन रविवार को ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से देर शाम तक शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शनी स्थल पहुंचे और विभिन्न स्टॉलों पर जमकर खरीदारी की। महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, परिधान, ज्वेलरी, होम डेकोर, लाइफस्टाइल एवं अन्य आकर्षक उत्पादों को लोगों ने खूब सराहा। आगंतुकों ने महिला उद्यमियों के नवाचार और उनके हुनर की खुलकर प्रशंसा की। कई स्टॉलों पर दिनभर ग्राहकों की लंबी कतारें लगी रहीं। पूरे परिसर में उत्साह और रौनक का माहौल देखने को मिला। बच्चों से लेकर महिलाओं और युवाओं तक सभी ने मेले का भरपूर आनंद लिया।उड़ान ट्रेड फेयर जैसी प्रदर्शनी महिलाओं के आत्मविश्वास और उद्यमशीलता को नई पहचान देने का माध्यम बन रही है।

प्रांतिय मारवाड़ी महिला सम्मेलन कि प्रथम कार्यकारणी बैठक 16 को

रामगढ़(बिभा): झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा आयोजित प्रथम कार्यकारिणी बैठक 16 जुलाई 26 को रामगढ़ शाखा के आतिथ्य में मिस्का बैंक्विट हॉल रामगढ़ में होना निश्चित हुआ है। रामगढ़ जिला मारवाड़ी महिला शाखा के आतिथ्य में आयोजित प्रांतीय कार्यक्रम कि जानकारी देते हुए आज एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए अरुणा जैन संरक्षिका, रिद्धि जैन अध्यक्ष, प्रिया अग्रवाल सचिव व मीनू मोदी कोषाध्यक्ष ने बताया कि प्रांतीय कार्यकारिणी कि इस बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्षा रेखा राठी व विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव बबिता बगड़िया सहित तीन पुर्व राष्ट्रीय अधयक्षा, दस पुर्व प्रांतीय अधयक्षा सहित 55 जिला व शाखाओं कि अध्यक्षा व मंत्री सहित 150-200 बहनें उपस्थित रहेंगी। कार्यकारणी कि बैठक कि अध्यक्षता प्रभा पाडिया व सचिव प्रतिवेदन मनीषा मित्तल द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम को रामगढ़ मारवाड़ी महिला समाज कि घड़कन पुर्व राष्ट्रीय अधयक्षा अरुणा जैन के निर्देशन तथा रामगढ़ जिला मारवाड़ी महिला सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित किया जा रहा है। जिसकी तैयारियां जिला शाखा की सभी बहनें सफलता पूर्वक आयोजन में लगी है।

विधायक प्रकाश राम ने किया ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा, सुनीं जनता की समस्याएं

बिभा संवाददाता

लातेहार /बालूमाथ: विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रकाश राम ने रविवार को बालूमाथ प्रखंड की चेताग पंचायत के चेताग,ओल्हेपाट एवं दिरिदाग गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों का कुशलक्षेम जाना और उनकी समस्याओं, सुझावों तथा जनसरोकार से जुड़े विभिन्न मुद्दों को गंभीरता से सुना। दौरे के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य स्थानीय समस्याओं एवं विकास संबंधी मांगों को विधायक के समक्ष रखा।विधायक प्रकाश राम ने सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने और प्राथमिकता के आधार पर उनका शीघ्र एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि जनता से सीधा संवाद करना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान कराना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वे लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं से रूबरू हो रहे हैं, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए।उन्होंने कहा, मेरे लिए जनता सर्वोपरि है। विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक की आवाज सुनना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान कराना मेरी प्राथमिकता है। जनता का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। इसी विश्वास के साथ मैं लातेहार विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करता रहूंगा। ग्रामीणों ने विधायक के गांव पहुंचकर सीधे उनकी समस्याएं सुनने की पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि लंबित विकास कार्यों में जल्द प्रगति होगी।दौरे के दौरान मंडल अध्यक्ष अखिलेश भोक्ता गजेन्द्र हिमांशु कृष्णा यादव अनवर अंसारी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर विधायक से चर्चा की।

रक्तदान शिविर को लेकर झारखंड सेवा समिति ने चलाया जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

रामगढ़: झारखंड सेवा समिति द्वारा आगामी 14 जुलाई को नया बस स्टैंड के निकट स्थित छावनी जनरल अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें रामगढ़ छावनी परिषद, सदर अस्पताल रामगढ़ जमालटा रामगढ़ और मेदांता हॉस्पिटल रांची की ओर से सहयोग किया जा रहा है। रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए रविवार को झारखंड सेवा समिति द्वारा सुभाष चौक के निकट जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। ताकि शिविर में अधिक से अधिक संख्या में लोग पहुंचे और जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करें। अभियान का उद्देश्य जिन्हें रक्त की जरूरत होती है उन्हें मदद करना है। जागरूकता अभियान का नेतृत्व कर रहे झारखंड सेवा समिति के अध्यक्ष अमित सिन्हा ने कहा कि वर्तमान दौर में कई जरूरत मंद लोगों को समय पर रक्त नही मिल पाने के लिए उनका असमय देहांत हो जाता है। इसलिए हमारी समिति ने ऐसे जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए 14 जुलाई को छावनी जनरल अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया है ताकि हम जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त संग्रह कर उनकी मदद कर सकें। उन्होंने बताया कि रक्तदान शिविर का शुभारंभ 14 जुलाई को सुबह 10:00 बजे से होगा। बताया कि रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि झारंखड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, विशिष्ट अतिथि रामगढ़ विधायक ममता देवी, छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी विवेक सिंह मौजूद रहेंगे।

टोरी रेलवे ओवरब्रिज की मांग को लेकर आजसू का धरना आज

लातेहार/चंदवा: टोरी रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को लेकर सोमवार को आजसू पार्टी द्वारा टोरी में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। पार्टी ने इस आंदोलन को जनहित का मुद्दा बताते हुए चंदवा प्रखंड वासियों, सामाजिक संगठनों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों से भारी संख्या में शामिल होने की अपील की है। आजसू नेताओं का कहना है कि टोरी रेलवे फाटक पर लगने वाले भीषण जाम के कारण मरीजों, छात्रों और व्यापारियों को रोज भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। ओवरब्रिज का निर्माण क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। पार्टी का लक्ष्य इस धरने के माध्यम से सरकार और संबंधित विभाग तक जनता की आवाज पहुंचाना और इस लंबित मांग को जल्द से जल्द पूरा कराना है।

कुजू ओपी क्षेत्र में दो सड़क दुघर्टना एक गंभीर

बिभा संवाददाता

रामगढ़: रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र के पेंकी कर्मा चौक के पास उसे वक्त अफरा तफरी मच गई जब एक तेज रफ्तार कर जिसका नंबर जेएच01जीडी 8319 पेड़ से जा टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जबकि कार में बैठे पांच लोग बाल-बाल बच गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रांची से हजारीबाग जा रही कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। लोगों ने आशंका जताई की ड्राइवर को झपकी आने से यह हादसा हुआ। घटनास्थल पर पुलिस पहुंच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला और रामगढ़ के सदर अस्पताल भेजा, स्थानीय जेएलकेएम नेत्री सह उपाध्यक्ष रूपा महतो ने बताया कि एक तेज रफ्तार कर अचानक पेड़ से टकरा गई और देखते ही देखते वहां भीड़ जमा हो गई हम लोगों ने सबसे पहले घायलों को बाहर निकाल और फिर पुलिस को सूचना दी। हालांकि ज्यादा चोट किसी को नहीं लगी है परंतु बड़ा हादसा टल गया।

पुलिस ने मौके पर क्षतिग्रस्त गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया है और थाना ले आई है। घायल की पहचान प्राचीन निवासी अनिल कुमार दुबे के रूप में हुई है। पुलिस हर बिंदुओं पर जांच कर रही है कि आखिर हादसा एक्सीडेंट कैसे हुआ।

वही दूसरी घटना रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र में श्री राम चौक पर सड़क दुर्घटना हुई है जहां मोटरसाइकिल सवार को एक ट्रेलर ने पीछे से धक्का मार दिया जिसमें मोटरसाइकिल सवार तुलेश्वर महतो मामूली रूप से घायल हो गए जबकि उसकी पत्नी फलासो देवी गंभीर रूप से घायल हुई है जहां डॉक्टर ने रांची रिम्स रेफर कर दिया है। मोटरसाइकिल सवार रामगढ़ से बड़कागांव जा रहे थे।

सिद्धचक्र महामंडल विधान के तीसरे दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था, भक्तिमय माहौल में संपन्न हुए धार्मिक अनुष्ठान

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: दिगंबर जैन मंदिर, बड़म बाजार में परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनि श्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित आठ दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान के तीसरे दिन रविवार को पाद प्रक्षालन का पावन अनुष्ठान श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया।

मंदिर परिसर सुबह से ही भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। मंत्रोच्चार, भक्ति गीतों एवं जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने पूजन, अर्घ्य समर्पण, शांतिधारा एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। पाद प्रक्षालन के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूज्य मुनिराजों के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को धन्य महसूस किया।

इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान में अपार शक्ति समाहित है। यह विधान आत्मशुद्धि, आत्मकल्याण एवं कर्मों की निर्जरा का प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने कहा कि सच्ची श्रद्धा, विश्वास एवं भक्ति भाव से इस विधान में सहभागी बनने वाले श्रद्धालुओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं तथा आत्मिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।उन्होंने धर्म, संयम, सदाचार एवं आत्मचिंतन को जीवन का आधार बताते हुए कहा कि धर्म को व्यवहार में उतारना ही मानव जीवन की वास्तविक सफलता है। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से विधान में सहभागिता कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया।आठ दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान के अंतर्गत प्रतिदिन पूजन, अभिषेक, शांतिधारा, धार्मिक प्रवचन एवं भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्म आराधना कर रहे हैं।

देवघर सदर अस्पताल का स्वास्थ्य मंत्री ने किया औचक निरीक्षण

राज्य सरकार बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध : स्वास्थ्य मंत्री

बिभा संवाददाता

देवघर। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रविवार को देवघर सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर साफ-सफाई, दवा उपलब्धता, उपचार व्यवस्था और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री ने भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देवघर सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जल्द ही राज्य के अन्य जिलों से चिकित्सकों की तैनाती देवघर में की जाएगी, जिससे विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं और अधिक सुलभ हो सकें।

उन्होंने कहा कि यह दौरा पूरी तरह औचक निरीक्षण था, जिसका उद्देश्य अस्पताल की वास्तविक स्थिति का आकलन करना था। मंत्री ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

राजकीय श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जल्द ही इस संबंध में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने अब तक की तैयारियों पर संतोष जताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वास्थ्य सेवाओं सहित सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त रखी जाएं, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और देवघर जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन स्थल पर चिकित्सा सुविधाओं को और सशक्त बनाया जाएगा।

मौके पर सिविल सर्जन डॉ रमेश कुमार, उपाधीक्षक डॉ सुषमा वर्मा, कांग्रेस नेता अवधेश प्रजापति, डॉ अनूप सिन्हा सहित अस्पताल के चिकित्सक, कर्मी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अवैध होर्डिंग्स हटाने के लिए नगर निगम का 72 घंटे का अल्टीमेटम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग नगर निगम द्वारा नगर निगम क्षेत्र में बिना अनुमति स्थापित किए गए अनाधिकृत एवं असुरक्षित विज्ञापन होर्डिंग्स, यूनिपोल तथा अन्य विज्ञापन संरचनाओं के विरुद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में नगर निगम ने 10 जुलाई को आम सूचना जारी करते हुए संबंधित व्यक्ति, फर्म एवं विज्ञापन एजेंसियों को 72 घंटे के भीतर सभी अवैध संरचनाएं स्वयं हटाने का निर्देश दिया है।

नगर निगम ने बताया कि 08 जुलाई 2026 को आयोजित बोर्ड बैठक में यह जानकारी प्राप्त हुई कि पीटीसी चौक, भारत माता चौक, इमली कोठी, शिमला रेस्ट हाउस के सामने, झील के समीप तथा नगर निगम क्षेत्र के अन्य प्रमुख एवं संवेदनशील स्थानों पर सक्षम प्राधिकार की अनुमति, स्वीकृति एवं निगम में आवश्यक पंजीकरण के बिना बड़े पैमाने पर रात के अंधेरे में अवैध विज्ञापन होर्डिंग्स एवं यूनिपोल स्थापित किए गए हैं। इनमें से कई संरचनाएं सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए लगाई गई हैं, जिससे आम नागरिकों की जान-माल को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। नगर निगम के संज्ञान में यह भी आया है कि एक असुरक्षित एवं अनाधिकृत होर्डिंग संरचना की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो चुका है। ऐसे में भविष्य में किसी भी अप्रिय दुर्घटना की आशंका को देखते हुए तत्काल कार्रवाई आवश्यक हो गई है। इसके अतिरिक्त, इन अवैध विज्ञापन संरचनाओं के कारण नगर निगम को राजस्व की भी क्षति हो रही है।

नगर निगम ने सभी संबंधित व्यक्ति, फर्म एवं विज्ञापन एजेंसियों को निर्देश दिया है कि सूचना प्राप्त होने की तिथि से 72 घंटे के भीतर अपने-अपने सभी अनाधिकृत होर्डिंग्स, यूनिपोल एवं अन्य विज्ञापन संरचनाओं को स्वयं हटाकर अनुपालन प्रतिवेदन नगर निगम के समक्ष प्रस्तुत करें। यदि किसी पक्ष को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह निर्धारित अवधि के भीतर अपना कारण स्पष्ट करते हुए लिखित जवाब प्रस्तुत कर सकता है।

चेन्नई में बजेगा बिग बैश का बिगुल भारत ऑस्ट्रेलिया खेल साझेदारी का नया अध्याय

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम दिन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ और पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्थालेकर भी मौजूद रहे। इसी मंच से दोनों नेताओं ने भारत ऑस्ट्रेलिया स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन रोडमैप भी लॉन्च किया जिसके माध्यम से खेल विज्ञान खेल अवसंरचना खेल व्यापार पर्यटन निवेश और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों में खेल कूटनीति का एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित टी-20 प्रतियोगिता बिग बैश लीग (बीबीएल) का उद्घाटन मुकाबला इस वर्ष 12 दिसंबर को चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब किसी विदेशी फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग का आधिकारिक मैच भारत की धरती पर आयोजित किया जाएगा। यह फैसला केवल क्रिकेट आयोजन भर नहीं बल्कि दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास आर्थिक सहयोग और खेल आधारित साझेदारी का प्रतीक माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम दिन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ और पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्थालेकर भी मौजूद रहे। इसी मंच से दोनों नेताओं ने भारत ऑस्ट्रेलिया स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन रोडमैप भी लॉन्च किया जिसके माध्यम से खेल विज्ञान खेल अवसंरचना खेल व्यापार पर्यटन निवेश और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

बिग बैश लीग पिछले डेढ़ दशक से ऑस्ट्रेलिया की सबसे लोकप्रिय टी-20 प्रतियोगिता रही है। अब तक इसके सभी मुकाबले केवल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होते रहे हैं। ऐसे में चेन्नई में उद्घाटन मैच का आयोजन इस लीग के इतिहास का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय विस्तार माना जा रहा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में कदम रखने से लीग को नई पहचान और व्यापक दर्शक वर्ग मिलेगा। भारतीय दर्शकों की क्रिकेट के प्रति दीवानगी और विशाल प्रसारण बाजार को देखते हुए यह फैसला व्यावसायिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चेन्नई को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए चुनना भी अपने आप में विशेष महत्व रखता है। चेपॉक स्टेडियम भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदानों में गिना जाता है। यहां के दर्शक खेल भावना और क्रिकेट की गहरी समझ के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। ऐसे वातावरण में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच उद्घाटन मुकाबला दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक यादगार अवसर बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट केवल खेल नहीं बल्कि साझा जुनून है। उन्होंने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड हर भारतीय के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि इस मैदान से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कई ऐतिहासिक मुकाबलों की यादें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उनकी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की मुलाकात होती है तब क्रिकेट दोनों नेताओं के बीच संवाद और मित्रता का माध्यम बन जाता है।

मोदी ने यह भी कहा कि भारत में किसी भी खेल लीग का आयोजन उसे करोड़ों दर्शकों तक पहुंचा देता है। यही कारण है कि दुनिया की कई खेल संस्थाएं भारत के विशाल खेल बाजार की ओर आकर्षित हो रही हैं। बिग बैश लीग का भारत आना इसी बदलते वैश्विक खेल परिदृश्य का प्रमाण है। इससे भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को विश्व स्तरीय विदेशी लीग का अनुभव अपने देश में मिलेगा जबकि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को भी नए व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे।

दोनों देशों ने खेलों को आर्थिक विकास और सांस्कृतिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम भी माना है। भारत जहां वर्ष 2030 में कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है वहीं वर्ष 2036 के ओलंपिक आयोजन की मेजबानी के लिए भी प्रयासरत है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया वर्ष 2032 के ब्रिस्बेन ओलंपिक की मेजबानी करेगा। ऐसे में खेल अवसंरचना प्रशिक्षण तकनीक और आयोजन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भी खुलकर सराहना की। उन्होंने स्टीव वॉ की मानसिक दृढ़ता और लिसा स्थालेकर के हरफनमौला प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि महान खिलाड़ी केवल प्रतिभा से नहीं बल्कि अनुशासन सही सोच और लगातार मेहनत से बनते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से इन दिग्गजों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी इस घोषणा को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि पहली बार बिग बैश लीग ऑस्ट्रेलिया से बाहर आयोजित होगी और भारत इसका सबसे उपयुक्त स्थान है। उन्होंने कहा कि चेन्नई में होने वाला मुकाबला केवल क्रिकेट मैच नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया महोत्सव की शुरूआत भी होगा जिसमें खेल संस्कृति व्यापार और पर्यटन से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क और भी मजबूत होगा।

खेल सहयोग के साथ दोनों देशों ने आर्थिक और सामरिक संबंधों को भी नई गति दी है। प्रधानमंत्री मोदी और एंथनी अल्बनीज की बैठक में रक्षा व्यापार शिक्षा ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों सहित अनेक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत को ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम आपूर्ति संबंधी समझौते को भी आगे बढ़ाया गया। इसके अलावा कृषि और व्यापार से जुड़े मुद्दों पर भी सकारात्मक बातचीत हुई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच कृषि उत्पादों पर शुल्क और व्यापार नियमों में संभावित बदलाव पर भी चर्चा की संभावना जताई जा रही है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी न्यूजीलैंड रवाना हो गए हैं।

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री वहां की सरकार के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे और लगभग चालीस हजार भारतीय मूल के लोगों को संबोधित भी करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार निवेश शिक्षा कृषि और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देना है। इससे पहले इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया की यात्राओं के दौरान भी भारत ने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका का प्रभाव अब खेल जगत में भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। पहले जहां विदेशी खिलाड़ी केवल भारतीय प्रीमियर लीग में भाग लेने भारत आते थे वहीं अब विदेशी लीग भी भारत में अपने मुकाबले आयोजित करने के लिए उत्सुक हैं। यह भारत की खेल अर्थव्यवस्था मीडिया बाजार और दर्शकों की अपार शक्ति का परिणाम है। आने वाले वर्षों में यदि अन्य अंतरराष्ट्रीय लीग भी भारत में अपने मुकाबले आयोजित करती हैं तो इससे भारतीय खेल उद्योग को नई ऊंचाइयां मिल सकती हैं। चेन्नई में बिग बैश लीग का उद्घाटन मुकाबला केवल एक क्रिकेट मैच नहीं बल्कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्वास साझेदारी और साझा भविष्य की नई शुरूआत का प्रतीक है। यह आयोजन दोनों देशों के खेल संबंधों को नई दिशा देगा और यह संदेश भी देगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं बल्कि देशों को जोड़ने वाली सबसे प्रभावशाली कड़ी भी है। आने वाले समय में यह साझेदारी खेल संस्कृति व्यापार और जनसंपर्क के अनेक नए अवसरों का द्वार खोल सकती है।

संपादकीय

परमाणु बम बनाएगा ईरान!

युद्ध का तनाव इतना बढ़ चुका है कि ईरान परमाणु बम बनाने की सोचने लगा है। वह परमाणु अप्रसार सन्धि (एनपीटी) से भी बाहर आ सकता है। फिलहाल ऐसी संभावनाएं और आशंकाएं जताई जा रही हैं, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ इन्हें ही परमाणु बम बनाने का आधार मान रहे हैं। रूस ने भी कई बार बयान दिया है कि हालात ईरान को एटम बम बनाने को बाध्य कर रहे हैं। इस संदर्भ में रक्षा विशेषज्ञ ईरान की तुलना उत्तर कोरिया से कर रहे हैं। उत्तर कोरिया 1985 में एनपीटी का सदस्य था। फिर भी उसने रहस्यमयी परमाणु परीक्षण किए और छोटे-छोटे बम भी बना लिए। उसने 2003 में एनपीटी को छोड़ दिया। आज वह सरेआम विनाशक मिसाइलों के परीक्षण कर रहा है। उसके पास कितने परमाणु बम हैं, उसका सत्यापित हिसाब किसी के पास भी नहीं है, लेकिन अमरीका और यूरोपीय देश उससे आशंकित रहते हैं। क्या ईरान युद्ध ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है कि ईरान ह्यउत्तर कोरियाह्न बन सकता है? वैसे ईरान के पास करीब 440 किग्रा. संवर्धित यूरेनियम बताया जाता है। यह संवर्धन 60 फीसदी से अधिक है, जिससे छोटे एटम बम बनाए जा सकते हैं! जब तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण कर रही थी, उसके आधार पर अब भी आकलन किए जा रहे हैं कि ईरान ने परमाणु बम नहीं बनाया है। दिवंगत सुप्रीम लीडर खामेनेई भी घोषित रूप से परमाणु बम बनाने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन मौजूदा सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई की इस बाबत सोच अभी तक अस्पष्ट है। ईरान के सबसे बड़े और प्रमुख परमाणु केंद्र ह्यनतांजह्न सहित फोर्डो और इस्फहान परमाणु केंद्रों में यूरेनियम संवर्धन अब भी जारी है, ऐसी खबरें आती रही हैं। ये जमीन के बहुत नीचे और सुरक्षित परमाणु केंद्र हैं, जिन्हें अमरीका और इजरायल अभी तक नष्ट करने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी सेना ने जिस बुशहर परमाणु प्लांट के निकट अभी हवाई हमले, बम विस्फोट किए हैं, वह ईरान का एकमात्र सक्रिय परमाणु बिजलीघर है। इस 1000 मेगावाट के संयंत्र को जर्मनी ने बनाना शुरू किया था, लेकिन वह अधूरा छोड़ कर भाग गया। फिर रूस ने इसे अंतिम रूप दिया। यह ईरान का सर्वाधिक संवेदनशील परमाणु प्लांट है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बिजली संयंत्रों और महत्वपूर्ण पुलों पर हमले करने का ऐलान किया है। बीते गुरुवार को अमरीकी हमले में उन रेल पुलों को तबाह किया गया है, जो तेहरान और मशहद को जोड़ते हैं। मशहद में ही खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किया गया है। अमरीकी हमलों में पहली बार चाबहार बंदरगाह के ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर और आईआरजीसी के इमाम अली बेस को निशाना बनाया गया है। जाहिर है कि नुकसान भी हुआ है। इस बंदरगाह को विकसित करने में भारत ने भी 1400 करोड़ रुपए का निवेश कर रखा है, लिहाजा हमारा भी नुकसान हुआ है। बहरहाल बीते दिनों एक खबर आई थी कि बुशहर में ही करीब 2100 किग्रा. प्लूटोनियम का भंडार है।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्त्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

नेतन्याहु के मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे ट्रंप?

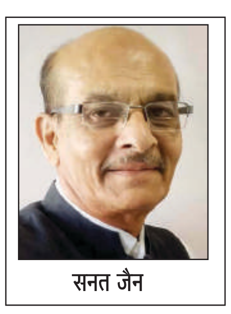
सनत जैन

28 फरवरी को इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर व्यापक हमले किए, जिसके बाद से पूरा मध्य पूर्व इस सैन्य संघर्ष की चपेट में आ गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता बदल जाएगी। मोसाद और इजराइल की नेतन्याहू सरकार ने जिस तरह से ईरान में सत्ता पलटने की कोशिश की थी, ईरान में आंदोलन बड़े पैमाने पर हो रहे थे। इसी बीच ईरान पर हमला किया गया। इजराइल और अमेरिका ने कभी सोचा भी नहीं था कि ईरान उन्हें इस तरह से जवाब देगा। अमेरिका और इजराइल की जो सबसे बड़ी गलती थी, उसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या तथा स्कूल में किए गए हमले में 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत ने युद्ध के सारे समीकरण बदल दिए। मोसाद, अमेरिका और इजराइल के खिलाफ ईरान की जनता भड़क गई। ईरान के रणनीतिकारों ने इसे अपने अस्तित्व का संकट मानकर जिस तरह से रूस और चीन के साथ-साथ होर्मूज स्टेट को अपना हथियार बनाया, उसने तमाम दावों को गलत साबित कर दिया। जिस तरह से मोसाद का सफाया ईरान से किया गया, अरब देशों में अमेरिका के जो सैन्य ठिकाने बने थे ईरान ने अपने जवाबी हमले में उन्हें नष्ट किया। इसकी कल्पना कभी भी अमेरिका और इजराइल ने नहीं की थी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में जिस तरह का नरसंहार कर रहे थे, उनके ऊपर भ्रष्टाचार के भारी आरोप लगे हुए थे। नेतन्याहु ने स्वयं को बचाने के लिए जिस तरह से अमेरिका का उपयोग किया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने मकडजाल में फंसाया, उसके बाद से अमेरिका बुरी तरह से फंसता चला गया। पिछले 4 महीने में अमेरिका ने तीन बार युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। हर बार इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कारण कोई भी बातचीत परिणाम तक नहीं पहुंच सकी है। अब तो यह साफ दिखने लगा है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इजराइल में कुछ महीने पश्चात चुनाव होने जा रहे हैं। अमेरिका के कुछ राज्यों में चुनाव अगले कुछ महीनो में होना है। दोनों ही नेताओं की लोकप्रियता में बड़ी तेजी के साथ कमी आई है और दोनों ही अपने अस्तित्व की लड़ाई को लड़ रहे हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपना आखिरी ब्रह्मास्त्र चल दिया है। इस ब्रह्मास्त्र में उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी हत्या का भय दिखाकर युद्ध के मैदान से भागने के स्थान पर डटकर मुकाबला करने की सलाह दी है। यह ब्रह्मास्त्र उन्होंने चला है, जिसका असर भी डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर होता हुआ नजर आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह कथन कि उन्होंने 1000 मिसाइल ईरान की तरफ तैनात कर दी हैं, यदि उनकी हत्या होती है तो इसके लिए ईरान जिम्मेदार होगा और ऐसे में उसे पूरी तरफ खत्म कर दिया जाएगा। इसी तरह ईरान ने भी अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दे दी है कि वह अपने सर्वोच्च नेता की हत्या का बदला लेंगे। अपराधियों की पूरी सूची उन्होंने तैयार कर रखी है। ईरान की जनता ने जिस तरह से इमाम हुसैन की शहादत का बदला लिया था ठीक उसी तरह का बदला इन हत्यारों से लेगी। जिसके कारण पश्चिम एशिया में एक बार फिर से युद्ध का संकट बढ़ गया है। ईरान और अमेरिका एक दूसरे के ऊपर लगातार हमले कर रहे हैं।

युद्ध विराम को लेकर जो एक शांति का वातावरण बनता हुआ दिख रहा था वह एक बार फिर अशांति की ओर परिवर्तित हो रहा है। यदि यह युद्ध हुआ तो सारी दुनिया के देशों पर इसका असर पड़ेगा। अंततः युद्ध कभी किसी समस्या का हल नहीं होता, इसके लिए शांति-वार्ता के साथ बीच का रास्ता निकालना ही समझदारी होगी।

सात पुश्तों के लिए काली कमाई जोड़ कर बैठे हैं भ्रष्टाचारी अधिकारी!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में भ्रष्टाचार लाइलाज बीमारी बन रहा है जिससे आम आदमी को रोजाना दो चार होना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2025 के अनुसार, भारत 91वें स्थान पर है।इस सूची में 182 देशों को शामिल किया गया था, जिसमें भारत को 100 में से 39 अंक मिले हैं। 0 अंक का अर्थ अत्यधिक भ्रष्ट और 100 अंक का अर्थ पूर्णतः पारदर्शी या ईमानदार होता है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत की स्थिति में पिछली रैंकिंग के मुकाबले पांच स्थानों का सुधार हुआ है।

आपको बता दें कि देश के सिस्टम से जुड़े भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के पास भ्रष्टाचार व पद का दुरुपयोग कर जमा की गयी अकूत चल अचल संपत्ति का भंडार है। भारत में भ्रष्टाचारी अधिकारियों की धर-पकड़ और उनसे अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को जब्त (राजसात) करने के लिए बेहद कड़े कानूनी प्रावधान और सक्रिय जांच एजेंसियां काम कर रही हैं। हाल ही में जुलाई 2026 में उत्तर प्रदेश विजिलेंस और कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा की गई बड़ी छापेमारी इस बात का जीवंत उदाहरण हैं, जहां भ्रष्ट अधिकारियों के गुप्त लॉकरों से करोड़ों रुपये नकद और किलो के हिसाब से सोना बरामद किया गया है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग (विजिलेंस टीम) ने जुलाई 2026 में आगरा के पूर्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस टीम ने उनके लखनऊ स्थित अलीगंज आवास पर छापेमारी कर करीब रू.35 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति का खुलासा किया है, जिसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी जांच और कार्रवाई को तेज कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग की छापेमारी में उनके घर के कोने-कोने से भारी मात्रा में घर के विभिन्न हिस्सों में पैकेटों में छिपाकर रखे गए रू.1.62 करोड़ नकद मिले।लगभग 13 किलोग्राम सोना और 9 किलोग्राम चांदी (बिस्किट, बार और आभूषण के रूप में) जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब रू.20 करोड़ आंकी गई है। लखनऊ, नोएडा, बाराबंकी और रायबरेली में कई मकानों, भूखंडों (प्लॉट्स), फ्लैटों और कृषि भूमि से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत रू.13 करोड़ के आसपास है।बैंक खातों, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और पोस्ट ऑफिस स्कीमों में रू.1 करोड़ से अधिक के निवेश के दस्तावेज मिले। इसके अलावा दो लग्जरी कारें इनोवा और आइ20 और एक रिवॉल्वर भी बरामद की गई है। रू.300 की घूस की शिकायत से खुला राज इस विशाल साम्राज्य का पदार्फाश साल 2020 में हुई एक छोटी सी शिकायत से शुरू हुआ था। ललित कुमार जब कानपुर में तैनात थे, तब उन पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए रू.300 की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। तत्कालीन परिवहन आयुक्त की अनुमति के बाद एंटी-करप्शन और विजिलेंस विभाग ने उनकी गोपनीय जांच शुरू की, जिससे उनकी आय से अधिक संपत्ति के इस बड़े मामले की परतें खुलती चली गईं। ललित कुमार अक्टूबर 2025 में आगरा से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हुए थे।

इस से छह दिन पूर्व 4 जुलाई को अकोला अकोला में हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने किरण पुरुषोत्तम चौधरी सह-जिला निबंधक तथा मुद्रांक जिलाधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की' उनके खिलाफ रू.10,000 रिश्वत लेने का मामला दर्ज होने के बाद उनके जलगांव स्थित आवास पर छापेमारी की गई, जहां से रू.2.94 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति बरामद हुई है' किरण पुरुषोत्तम चौधरी, तत्कालीन अतिरिक्त जिला रजिस्ट्रार और स्टाम्प ड्यूटी अधिकारी (श्रेणी-क), अकोला महारा एसीबी ने उन्हें 26 जून को ?10,000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था'बरामद की गई जलगांव स्थित घर पर छापेमारी कर रू.1.53 करोड़ से अधिक नकद रू.60 लाख के सोने के बिस्किट व आभूषण तथा अन्य कीमती धातुएं' लगभग रू.62 लाख की बेनामी संपत्ति के कागजात'लगभग रू.2.94 करोड़'यह जब्ती महाराष्ट्र के नासिक, अकोला और जलगांव की एसीबी टीमों द्वारा संयुक्त रूप से की गई है'

इसी सप्ताह तेलंगाना के हैदराबाद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज में तैनात डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस संकीरेड्डी भीम रेड्डी को लगभग रू.300 करोड़ की अवैध बेनामी संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम ने अधिकारी के तेलंगाना और कर्नाटक स्थित कुल 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। शुरूआती जांच में करीब रू.300 करोड़ मूल्य की बेनामी संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। अधिकारी के ठिकानों से 2 किलोग्राम सोने के आभूषण और 20 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। छापेमारी के दौरान उनके घर से ?3.60 लाख और एक अन्य ठिकाने से रू.40 लाख कैश मिला। रिश्तेदारों और बेनामियों के नाम पर 50 एकड़ से अधिक कृषि भूमि, व्यावसायिक भूखंड, कई लग्जरी फ्लैट और आलीशान विला के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनके बैंक खातों में लगभग रू.19.91 लाख जमा पाए गए हैं। भ्रष्ट आचरण और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में गिरफ्तारी के बाद एसीबी कोर्ट ने आरोपी डीएसपी भीम रेड्डी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में चंचलगुड़ा केंद्रीय जेल भेज दिया है।

25 फरवरी 2026 तीस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए खनन विभाग के उप निदेशक देवव्रत महांति की गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस की छापेमारी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।भुवनेश्वर स्थित उनके फ्लैट से 4 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की गई ।इसके अलावा, महांति के कार्यालय की दराज और उनके पास से 1.20 लाख रुपये नकद भुवनेश्वर के पहाल क्षेत्र में लगभग 2400 वर्गफुट में बना एक भव्य दो मंजिला मकान, करीब 130 ग्राम सोना जब्त किया है।

उधर 9 जून 2026 भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने रोड्स एंड बिल्डिंग्स विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ जे. मोहन नाइक और उनके रिश्तेदारों से जुड़ी कई प्रॉपर्टीज पर एक साथ छापे मारे। उन पर आय के ज्ञात स्त्रोतों से कहीं ज्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप है।

यह तलाशी हैदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों सहित लगभग 15 जगहों पर की गई। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों को सोने के बिस्किट, गहने, चांदी की चीजें, कैश और प्रॉपर्टी से जुड़े कई दस्तावेज मिले हैं। शुरूआती अनुमानों के अनुसार, जांच के दायरे में आई कुल संपत्ति की मार्केट वैल्यू 100 करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकती है।

ये तो सिर्फ बानगी नमूना भर है देश भर में करीब एक सौ सरकारी कर्मचारी अधिकारीयों के कब्जे से आय से अधिक जुटाई गयी करोड़ों अरबों की संपति मिल रही है। एक एक अधिकारी ने सौ से तीन चार सौ करोड़ तक की अवैध संपत्ति जुटाने का काम किया है जिस से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार किस हद तक बढ़ गया है।

केन्द्र में भारतीय जनतापार्टी की सरकार केन्द्र और विभिन्न प्रदेशों में आयी, भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टालरेंस का नारा तो रहा लेकिन स्थितियों में कोई विशेष अन्तर नहीं आया। इसके लिए सब कुछ डिजिटल आनलाइन करने की कवायद हुई वह चाहे टेंडर हो या अन्य जनउपयोगी सुविधाएं लेकिन राजस्व से लेकर कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं है। डबल इंजन की सरकार भी इससे मुक्त नहीं कर पायी है। भ्रष्टाचार के बारे जारी होने वाली ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 182 देशों की रिपोर्ट में भारत 91 वें स्थान पर है। यह संस्था सरकार संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की स्थिति का आकलन करती है और उसके आधार पर रैंकिंग तय करती है।यदि इस रैंक को न भी मानें तो भी आम आदमी से लेकर खास आदमी तक इससे प्रभावित है।सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भ्रष्टाचार समाप्त होने के बजाय निरन्तर बढ़ता ही जा रहा है। सार्वजनिक जीवन में अब इसे रिश्वत , घूस के बजाय सुविधाशुल्क और प्रथा के रूप में अपनाया जा चुका हैं। सिर्फ जीरो टालरेंस का नारा देने से भ्रष्टाचार समाप्त नहीं हो सकता है। निचले स्तर से लेकर उच्चस्तर पर कदम पर भ्रष्टाचार की विषबेल फैल रही हैं। पिछले दिनों एक हाइकोर्ट जज के आवास के कमरे में आग लगने पर नोटों से भरे बोरों का जलते देखा जाना और उस पर सटीक कारवाई नहीं किया जाने से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार और यहां तक कि न्यायपालिका भी पर्याप्त गंभीर नहीं है। जाहिर है कि देश की उन्नति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए और आम चुनाव का मुद्दा भी भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग ही होना चाहिए क्योंकि पुलिस पटवारी से लेकर ऊंची न्याय की कुर्सियों तक भ्रष्टाचार की जड़ें देश को खोखला कर रहीं हैं और देश की तरक्की में बाधा उत्पन्न कर रहीं हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

श्री हनुमानजी को खुश करने के शुभ उपाय

हनुमानजी की पूजा मंगलवार, त्रयोदशी, चतुर्दशी और खास दिनों होती है। हिन्दू धर्म के सबसे जाग्रत और सर्वशक्तिशाली देवताओं में एकमत्र हनुमानजी की कृपा जिस पर बरसरना शुरू होती है उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। दस दिशाओं और चारों युग में उनका प्रताप है। आओ जानते हैं कि उन्हें किस तरह प्रसन्न किया जा सकता है।

- हनुमान चालीसा : प्रतिदिन हनुमान चालीसा पढें। वह भी एक ही जगह बैठकर।
- तीन कोनों वाला दीपक : प्रतिदिन हनुमानजी के समक्ष तीन कोनों वाला दीपक जलाएं। दीपक में चमेली का तेल हो।
- चौला चढ़ाएं : जब भी इच्छा हो हनुमानजी को चौला चढ़ाएं। इसमें जनेऊ, लंगोट, सिंदूर, तुलसी की माला, ध्वज, चमेली का तेल, लाल फूल आदि सामग्री होती है।
- हनुमानजी का जाप करें : ऊँ श्री हनुमंते नम: का प्रतिदिन 108 बार जाप करें या साबरमंत्र को सिद्ध करें।
- श्रीराम का जाप करें : प्रतिदिन श्रीराम जी के नाम का विधिवत जाप करें।
- सुंदरकाण्ड पढ़ें : माह में एक बार सुंदरकांड और बजरंगबाण का पाठ करें।
- भोग लगाएं : हनुमानजी को मंगलवार, शनिवार या हनुमान जयंती पर पंच मेवा, केसरिया बूंदी लड्डू, इमरती, बेसन के लड्डू, चूरमा, रोट, मालपुआ या मलाई-मिश्री के लड्डू का भोग लगाएं।
- हनुमान पूजा : प्रत्येक मंगलवार को व्रत रखकर विधिवत रूप से हनुमानजी की पूजा करें। यदि आप घोर संकट से घिरे हैं या आप हनुमानजी की पूर्ण भक्ति करना चाहते हैं तो फिर आपको मांस, मदिरा और सभी तरह का व्यवसन त्याग कर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए प्रतिदिन विधि-विधान से हनुमानजी की पूजा या उनके मंत्र या नाम का जप करना चाहिए। हनुमानजी के साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण और जानकी माता की भी पूजा अच्छे से करें।
- पान का बीड़ा : अपने सुनी होगी एक प्रचलित लोकोक्ति 'बीड़ा उठाना'। इसका अर्थ होता है- कोई महत्वपूर्ण या जोखिमभरा काम करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेना। यदि आपके जीवन में कोई घोर संकट है या ऐसा काम है जिसे करना आपके बस का नहीं है, तो आप अपनी जिम्मेदारी हनुमानजी को सौंप दें। इसके लिए आप मंगलवार के दिन किसी मंदिर में पूजा-पाठ करने के बाद उन्हें पान का बीड़ा अर्पित करें। रसीला बनारसी पान चढ़ाकर मांग लीजिए मनचाहा वरदान।
- गुड़-चने का प्रसाद : हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद तो अक्सर चढ़ाया ही जाता है। यह मंगल का उपाय भी है। इससे मंगल दोष मिटता है। यदि आप कुछ भी चढ़ाने की क्षमता नहीं रखते या किसी और कारण से चढ़ा नहीं पाते हैं तो सिर्फ गुड़ और चना ही चढ़ाकर हनुमानजी को प्रसन्न कर सकते हैं। हर मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। इससे आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। हालांकि आजकल गुड़ की जगह चिरौंजी ज्यादा मिलती है लेकिन चने के साथ गुड़ का ही संयोग होता है।

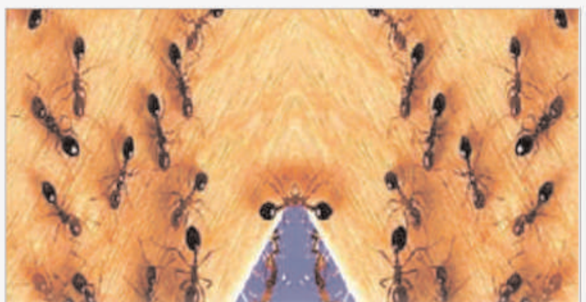

छोटी-छोटी काली चींटियां किस्मत के बड़े बड़े दरवाजे खोल देती हैं

हर घर में कई बार थोड़ी-बहुत चींटियां दिखाई पड़ती हैं। कुछ लाल तो कुछ काली नजर आती ही है। ये चींटियां खासकर खाने के सामान के इर्द-गिर्द अधिक दिखाई पड़ती हैं। आपको बता दें कि घर में लाल चींटी और काली चींटी अलग-अलग बातों का संकेत देती हैं। आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ खास जानकारी, जिसमें आप जानेंगे कि छोटी-छोटी दिखाई देने वाली काली चींटियां कैसे आपकी किस्मत के बड़े-बड़े दरवाजे खोल सकती हैं।

- अगर आपके घर में काली चींटियां आ रही हैं तो सुख और ऐश्वर्य वाला समय आने के संकेत देती हैं।
- काली चींटियों को शकर या आटा खिलाना शुभ होता है। इससे पितृ देव प्रसन्न होते हैं।
- अगर चावल के भरे बर्तन से चींटियां निकल रही हैं तो यह शुभ संकेत है। कुछ ही दिनों में धन वृद्धि हो सकती है। यह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होने का संकेत है।
- वास्तु की मानें तो काली चीटियों में भगवान श्रीहरि विष्णु का वास माना जाता है। अत: घर में काली चींटियां निकलना एक तरह जीवन में खुशहाली तथा सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत माना जाता है।
- पूर्व दिशा से चींटियां आ रही हैं तो सकारात्मक सूचना आपके घर आ सकती है।
- पश्चिम दिशा से चींटियां आ रही हैं तो यात्रा के योग बन सकते हैं।
- काली चींटियां उत्तर दिशा से आती हैं तो धन के लिहाज से शुभ संकेत होते हैं।
- दक्षिण दिशा से आ रही हों तो मंगलकारी सूचना मिल सकती है।
- घर में रखें हुए गोल्ड की चीजों के आसपास यदि काली चींटियां निकलते दिखे तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है, इसका अर्थ आपको नए आभूषण प्राप्त होने का संकेत समझा जाता है।
- काली चींटियां भौतिक सुख वाली चीजों के लिए शुभ मानी जाती है।

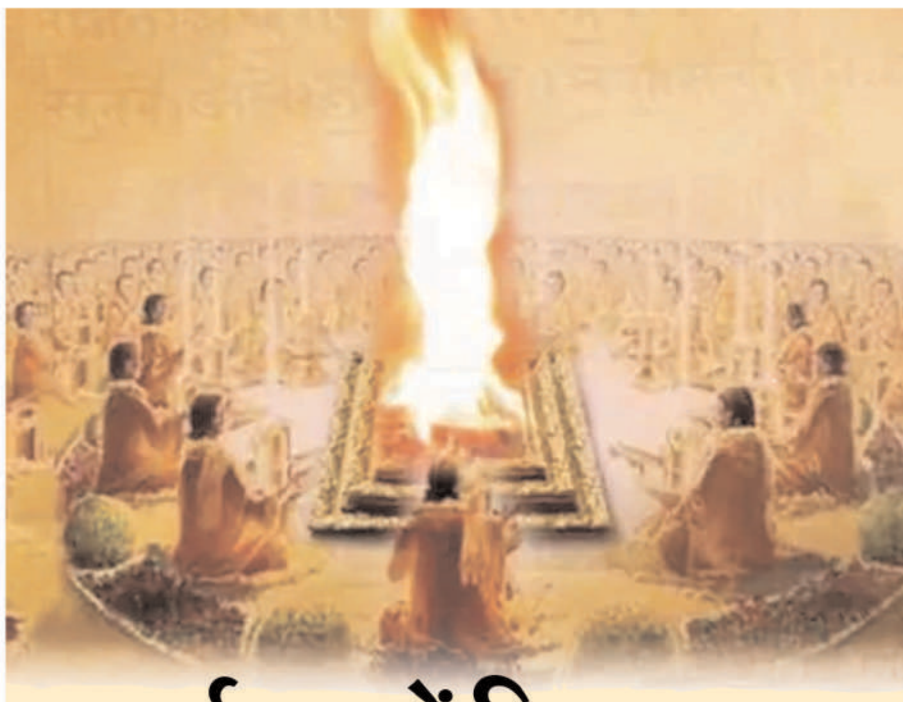

वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है

हिन्दू धर्म में ब्रह्मांड और समय को लेकर जो वृहत्तर धारणा है इसी के आधार पर पौराणिक इतिहास को प्रतिष्ठित और अनुष्ठानों को संपन्न किए जाने का क्रम प्रचलित रहा है। आओ पढ़ते हैं एक विशेष लेख को जिसके माध्यम से आप जान पाएंगे कि वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है।

वैदिक ऋषि मण्डल के अनुसार वर्तमान सृष्टि पंच मण्डल क्रम वाली है। यह है- 1. चन्द्र मंडल, 2.पृथ्वी मंडल, 3.सूर्य मंडल, 4.परमेष्ठी मंडल और 5.स्वायम्भू मंडल। ये उत्तरोत्तर यानि एक के बाद दूसरे मण्डल का चक्कर लगा रहे हैं। जैसे चन्द्र पृथ्वी के, पृथ्वी सूर्य के, सूर्य परमेष्ठी के, परमेष्ठी स्वायम्भू की परिक्रमा करते हैं।

- चन्द्र द्वारा पृथ्वी की एक परिक्रमा- एक मास।
- पृथ्वी द्वारा सूर्य की एक परिक्रमा- एक वर्ष।
- सूर्य की परमेष्ठी (आकाश गंगा) की एक परिक्रमा- एक मन्वन्तर।
- परमेष्ठी (आकाश गंगा) की स्वायम्भू (ब्रह्मलोक) की एक परिक्रमा- एक कल्प।
- स्वायम्भू मंडल ही ब्रह्मलोक है। स्वायम्भू का अर्थ स्वयं (भू) प्रकट होने वाला। यही ब्रह्माण्ड का उद्गम स्थल या केंद्र बिंदु माना जाता है।

अभी हम ''ब्रह्मा के 51वें वर्ष के 1 (पहले) दिन के 7वें मन्वन्तर के 28वें महायुग के चौथे युग (कलियुग)'' में मौजूद हैं।

हमारे पूर्वजों ने जहां खगोलीय गति के आधार पर काल का मापन किया, वहीं काल की अनंत यात्रा और वर्तमान समय तक उसे जोड़ना तथा समाज में सर्वसामान्य व्यक्ति को इसका ध्यान रहे इस हेतु एक अद्भुत व्यवस्था भी की थी, जिसकी ओर साधारणतया हमारा ध्यान नहीं जाता है।

हमारे यहां में कोई भी कार्य होता हो चाहे वह भूमिपूजन हो, वास्तुनिर्माण का प्रारंभ हो, गृहप्रवेश हो, जन्म, विवाह या कोई भी अन्य मांगलिक कार्य हो, वह करने के पहले कुछ पूजन संस्कार विधि करते हैं। उसमें सबसे पहले संकल्प कराया जाता है। यह संकल्प मंत्र यानी अनंतकाल से आज तक की समय और स्थान की स्थिति बताने वाला मंत्र है। इस दृष्टि से इस मंत्र के अर्थ पर हम ध्यान देंगे तो बात स्पष्ट हो जाएगी।-

संकल्प मंत्र में कहते हैं.

ऊँ अस्य श्री विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्राहृणां द्वितीये परार्धे।

अर्थात : महाविष्णु द्वारा प्रवर्तित अनंत कालचक्र में वर्तमान ब्रह्मा की आयु का द्वितीय परार्ध। वर्तमान ब्रह्मा की आयु के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। श्वेत वाराह कल्पे कल्प यानि ब्रह्मा के 51वें वर्ष का पहला दिन है।

श्री वैवस्वतमन्वंतरे- अर्थात ब्रह्मा के दिन में 14 मन्वंतर होते हैं। उसमें सातवां मन्वंतर वैवस्वत मन्वंतर चल रहा है।

अष्टाविंशतितमे कलियुगे- एक मन्वंतर में 71 चतुर्युगी होती हैं, उनमें से 28वीं चतुर्युगी का कलियुग चल रहा है।

कलियुगे कलि प्रथमचरणे- कलियुग का प्रारंभिक समय है।

कलिसंवते या युगाब्दे- कलिसंवत या युगाब्द वर्तमान में 5104 चल रहा है।

जम्बु द्वीपे, ब्रह्मावर्त देशे, भरत खंडे- देश प्रदेश का नाम

अमुक स्थाने- कार्य का स्थान
अमुक संवत्सरे- संवत्सर का नाम
अमुक अयने- उत्तरायन/दक्षिणायन
अमुक ऋतौ- वसंत आदि छह ऋतु हैं
अमुक मासे- चैत्र आदि 12 मास हैं
अमुक पक्षे- पक्ष का नाम (शुक्ल या कृष्ण पक्ष)
अमुक तिथौ- तिथि का नाम
अमुक वासरे- दिन का नाम
अमुक समये- दिन में कौन सा समय

उपरोक्त में अमुक के स्थान पर क्रमश: नाम बोलने पड़ते हैं। जैसे अमुक स्थाने में जिस स्थान पर अनुष्ठान किया जा रहा है उसका नाम बोल जाता है। उदहारण के लिए मालव मण्डले (स्थाने), शरद ऋतौ आदि।

इस तरह अमुक व्यक्ति- अपना नाम, फिर पिता का नाम, गोत्र तथा किस उद्देश्य से कौनसा काम कर रहा है, यह बोलकर संकल्प करता है। इस प्रकार जिस समय संकल्प करता है, सृष्टि आरंभ से उस समय तक का स्मरण सहज व्यवहार में भारतीय पद्धति में इस व्यवस्था के द्वारा आया है।

दोष नहीं है मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली

भले ही कुछ लोग मांगलिक होने को लेकर बड़ा हव्वा बनाते हों लेकिन शास्त्रों के अनुसार मांगलिक होना कोई चिंता की वजह नहीं है। यदि आपके पुत्र या पुत्री की कुंडली मांगलिक है, तो घबराएं नहीं, शास्त्रों में मंगल दोष दूर करने के उपाय लिखित में उपलब्ध हैं। मांगलिक विचार का निर्णय बारीकी से किया जाना चाहिए क्योंकि शास्त्रों में मांगलिक दोष निवारण के तरीके उपलब्ध हैं। शास्त्र वचनों के जिस श्लोक के आधार पर जहां कोई कुंडली मांगलिक बनती है, वहीं उस श्लोक की परिहार (काट) के कई प्रमाण हैं। ज्योतिष और व्याकरण का सिद्धांत है कि पूर्ववर्ती कारिका से परवर्ती कारिका (बाद वाली) बलवान होती है। दोष के सम्बंध में परवर्ती कारिका ही परिहार है। इसलिए मांगलिक दोष का परिहार मिलता हो तो जरूर विवाह का फैसला किया जाना चाहिए। परिहार नहीं मिलने पर भी यदि मांगलिक कन्या का विवाह गैर मांगलिक वर से करना हो तो शास्त्रों में विवाह से पूर्व घट विवाह का प्रावधान है। मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली से भयभीत होने की जरूरत नहीं है। यह दोष नहीं है बल्कि इसी मंगल के प्रभाव से जातक कर्मठ, प्रभावशाली, धैर्यवान तथा सम्मानीय बनता है।

घट विवाह है प्रभावी उपाय

कन्या की कुंडली में मांगलिक दोष का परिहार नहीं हो रहा हो तो उपाय के रुप में कन्या का प्रथम विवाह/सात फेरे किसी घट (घड़े) या वृक्ष के साथ कराए जाने का विधान है। इस प्रकार के उपाय के पीछे तर्क यह है कि मंगली दोष का मारक प्रभाव उस घट या वृक्ष पर होता है, जिससे कन्या का प्रथम विवाह किया जाता है। वर दूसरा पति होने के कारण उस प्रभाव से सुरक्षित रह पाता है। घट विवाह शुभ विवाह मुहूर्त और शुभ लग्न में पुरोहित द्वारा सम्पन्न कराया जाना चाहिए। कन्या का पिता पूर्वाभिमुख बैठकर अपने दाहिने तरफ कन्या को बिठाएं। कन्या का पिता घट विवाह का संकल्प ले। नवग्रह, गौरी गणेशादि का पूजन, शांतिपाठ इत्यादि करे। घट की षोडषोपचार से पूजा करें। शाखोच्चार, हवन, सात फेरे और विवाह की अन्य रस्म निभाएं। बाद में कन्या घट को उठाकर हृदय से सटाकर भूमि पर छोड़ दे जिससे घट फूट जाए। इसके बाद देवताओं का विसर्जन करें और ब्राह्मण को दक्षिणा दें। बाद में चिरंजीवी वर से कन्या का विवाह करें।

क्यों हो रहा है विवाह में विलंब

विवाह में विलंब होने के कई कारण होते हैं। उनमें से एक कारण कुंडली के ग्रहों को भी माना जाता है। कहते हैं कि जीवन में विवाह के योग बनते हैं परंतु जब वे किसी कारणवश टल जाते हैं तो फिर दूसरी बार योग बनने में समय लगता है। आओ जानते हैं कि विवाह के योग कब कब बनते हैं।

विवाह के योग : ज्योतिष मान्यता के अनुसार विवाह के योग उम्र के 27, 29, 31, 33, 35 व 37वें वर्ष में बनते कर दिया जाता था। लड़की की कुंडली में गुरु और पुरुष की कुंडली में शुक्र बनाता है विवाह के योग।

कैसे होता है विवाह में विलंब

- कई बार व्यक्ति विवाह करने से यूं ही इनकार कर देता है कि अभी नहीं करना विवाह। कई बार अच्छे रिश्ते के चक्कर में योग भी को टाल दिया जाता है। ऐसे भी होता है कि करियर के चक्कर में भी वह विवाह नहीं करता है।
- ज्योतिष मानता है कि मांगलिक होना, पितृदोष होना या काल सर्पदोष होना भी विवाह में विलंब का एक कारण है।
- कहते हैं कि जब सूर्य, मंगल या बुध लग्न या लग्न के स्वामी पर दृष्टि डालते हों और गुरु 12वें भाव में बैठा हो तो भी विवाह में देरी होती है।
- प्रथम या चतुर्थ भाव में मंगल हो और सप्तम भाव में शनि हो तो व्यक्ति की विवाह के प्रति उदासीनता के भाव रहते हैं।
- प्रथम भाव, सप्तम भाव में और बारहवें भाव में गुरु या शुभ ग्रह योग कारक न हो और चंद्रमा कमजोर हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- सप्तम भाव में शनि और गुरु की युति तो शादी देर से होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि दोनों में से कोई एक ग्रह हो तो भी विवाह में अड़चन आती है।
- सप्तम भाव में बुध और शुक्र की युति हो तो भी विवाह तय होने में काफी अड़चने आती रहती है, जिसके चलते विवाह में विलंब हो जाता है।
- चंद्र की राशि कर्क से गुरु सप्तम हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- सप्तम में त्रिक भाव का स्वामी हो, कोई शुभ ग्रह योगकारक नहीं हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं या विवाह देर से होता है।
- यदि गुरु कमजोर या नीच का होकर बैठा हो, शत्रु भाव में या शत्रुओं के साथ बैठा हो तब भी विवाह में अड़चने आती हैं।

जल्दी शादी करके के उपाय

- मंगल दोष है तो उसका उज्जैन के मंगलनाथ में उपाय करें। कुंभ विवाह करें।
- पितृदोष या कालसर्पदोष हैं तो उसका नासिक का त्र्यंबकेश्वर में जाकर उपाय करें।
- सप्तम भाव का दोष है तो उपके उपाय करना चाहिए।
- लड़कों को शुक्र के उपाय करना चाहिए और लड़कियों को गुरु के उपाय करना चाहिए।
- शनिवार को पीपल की पूजा करें।
- गुरुवार को केले के युगल जोड़ों की पूजा करें।
- ग्यारह शुक्रवार को माता पार्वती या दुर्गाजी के मंदिर में श्रीफल व चुनरी को अर्पित करें।
- पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष की 108 परिक्रमा करें।
- गाय को घी की रोटी में गुड़ लपेटकर खिलाएं और हल्दी के पानी में आलू को उबालकर उसे ठंडा करके गाय को खिलाएं।
- गुरुवार और शुक्रवार को व्रत करें।
- अपने माथे पर केसर, हल्दी या चंदन का तिलक लगाएं।
- शुक्रवार के दिन दही स्नान करें, फिटकरी का कुल्ला करके सोएं।

कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में मदद करते हैं ये शुभ चिन्ह

इस त्योहार यदि आपको अपने घर में खुशियों का आगमन चाहिए, तो आपको हमारे शास्त्रों में बताए गए कुछ शुभ चिन्हों की जानकारी जरूर होनी चाहिए। ये ऐसे चिन्ह हैं जिन्हें यदि आपने घर के मुख्य द्वार पर लगा लिया, तो आपके घर में खुशियों को आने से कोई नहीं रोक सकेगा।

हमारे शास्त्रों में ऐसे कई चिन्हों का वर्णन किया गया है जिन्हें घर के मुख्य द्वार पर लगाने से सुख-समृद्धि बनी रहती है। यह चिन्ह घर आने वाली कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में हमारी मदद करते हैं। आइए जानते हैं, ऐसे ही कुछ चिन्हों के बारे में, जिन्हें आपको अपने द्वार पर लगाना चाहिए।

स्वस्तिक

मुख्य द्वार पर स्वस्तिक बनाने से हमारे आसपास से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।

शुभ-लाभ

शास्त्रों के अनुसार, गणेशजी प्रथम पूज्य देवता हैं और शुभ व लाभ को उनका पुत्र माना गया है। इसीलिए शुभ-लाभ लिखना धनात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। स्वस्तिक के साथ जब सिन्दूर से शुभ-लाभ लिखा जाता है, तब घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

श्रीगणेशजी

घर के मुख्य द्वार पर गणेशजी का चित्र लगाने से गणेशजी की कृपा बनी रहती है और धनधान्य की कमी नहीं होती।

पंचमुखी हनुमान

यदि आपका मुख्य द्वार दक्षिण मुखी है, तो दरवाजे पर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र लगाकर शुभता बढ़ाई जा सकती है।

सीएम योगी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में किया पौधरोपण, 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके बाद वे गोरखपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर सीएम राज्य में महा वृक्षारोपण 2026 अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसके तहत पूरे यूपी में 35 करोड़ पौधे लगाने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। गोरखपुर में एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत साल 2026 के इस अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के लॉन्च के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण और धरती के महत्व को समझाया। सीएम योगी ने कहा कि यह धरती मां के प्रति आभार जताने का एक बहुत बड़ा और शानदार प्रयास है। धरती मां हम सभी को एक अच्छा और अनुकूल पर्यावरण देती हैं और आगे बढ़ने का मौके देती है। वह हमें जिंदा रखने के लिए अनाज और फल पैदा करती हैं। वह हमारे पीने के लिए पानी देती हैं और हमारी सभी जरूरतों को पूरा करती हैं।

ताज होटल में बम होने की फर्जी सूचना से मचा हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। दुनियाभर में मशहूर मुंबई की प्रतिष्ठित ताज होटल में बम रखे जाने की एक फर्जी सूचना ने रविवार तड़के पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर ला दिया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दावा किया कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम ने ताज होटल में बम लगवाया है। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। कई घंटों की जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिलने पर पुलिस ने कॉल को फर्जी करार दिया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया, कि देर रात करीब 12-13 बजे नवी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में यह फोन कॉल प्राप्त हुआ था। कॉल करने वाले ने दावा किया कि दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित ताज होटल में बम लगाया गया है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए कोलाबा पुलिस, मुंबई क्राइम ब्रांच और बम निरोधक दस्ते की टीमें तुरंत होटल पहुंचीं और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करते हुए होटल परिसर के विभिन्न हिस्सों की गहन तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान होटल के कमरों, सार्वजनिक क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों की सावधानीपूर्वक जांच की गई, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक सामग्री या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने इसे अफवाह फैलाने के उद्देश्य से किया गया फर्जी कॉल बताया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने फोन कॉल का स्रोत नवी मुंबई के तुर्भे क्षेत्र में चिन्हित किया है। पुलिस का कहना है कि कॉल करने वाले की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम रवाना की गई है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हो सकी। उल्लेखनीय है कि टाटा समूह के स्वामित्व वाला ताज महल पैलेस होटल देश के सबसे प्रतिष्ठित होटलों में गिना जाता है। वर्ष 2008 के 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान यह होटल आतंकवादियों का प्रमुख निशाना बना था, जिसमें कई लोगों की जान गई थी। इसी कारण होटल की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ रखी जाती है और किसी भी प्रकार की धमकी या संदिग्ध सूचना मिलने पर सुरक्षा एजेंसियां तत्काल उच्च स्तर की सतर्कता बरतती हैं।

सुप्रीम कोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी, चार साल मे चार्जशीट नही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में महाराष्ट्र सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायालय ने कहा, घटना के चार वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी है। जो आपराधिक न्याय व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है,जांच में इतनी असामान्य देरी क्यों हुई। कोन इसके लिए जिम्मेदार है, अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है। न्यायालय ने टिप्पणी की, समयबद्ध जांच और शीघ्र चार्जशीट न्याय व्यवस्था की मूल आवश्यकता है। अनावश्यक विलंब से पीड़ित और आरोपी दोनों के अधिकार प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को मामले की प्रगति संबंधी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए जांच में तेजी लाने और लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जज इतने नाराज थे कि उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर स्थिति जल्द ही नहीं बदली तो वह सरकार को बेनकाब कर देंगे।

16 से शुरू होगी जगन्नाथ रथ यात्रा, आयोजन को सफल बनाने तैयारियों में जुटा प्रशासन

पटना(एजेंसी)। 16 जुलाई से शुरू हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार, पुलिस प्रशासन, सेवायतों और लोगों के प्रयासों से इस भव्य आयोजन को सफल बनाने की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा को तीन विशाल लकड़ी के रथों में विराजमान कर श्रद्धालु गुंडिचा मंदिर तक खींचकर ले जाएंगे। जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुक्षद्रा एक हफ्ते तक रहते हैं। फिर उसके बाद जगन्नाथ मंदिर लौट आते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जगन्नाथ मंदिर, पुरी के सेवायत दैतापति भबानी दास महापात्रा ने कहा कि रथ यात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी पक्ष एकजुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दैतापति परिवार, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के सभी लोग महाप्रभु की कृपा से इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। भगवान जगन्नाथ स्वयं इस रथ यात्रा का मार्गदर्शन और आशीर्वाद देते हैं।

उन्होंने सीएम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम स्वयं तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। साथ ही पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए बताया कि यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर अब तक 20 से 30 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। महापात्रा ने विश्वास जताया कि इस वर्ष की रथ यात्रा ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भक्तों, सेवायतों, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के नागरिकों के सामूहिक सहयोग और मिले-जुले प्रयासों को दिखाती है। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ मंदिर में इस दिव्य और भव्य उत्सव की सभी तैयारियां पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी हैं।

पंजाब कांग्रेस में बगावत: बागियों को नहीं मना पाए बघेल

12 विधायकों और तीन सांसदों के साथ चन्नी ने दिखाई ताकत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में बगावत के सुर और तेज हो गए हैं। आलाकमान की कोशिशें नाकाम हो गई हैं। मोरिंडा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गुट के नाराज नेताओं ने चंडीगढ़ में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। बघेल इन नेताओं को मनाने विधायक राणा गुरजीत सिंह के आवास पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें नाराज नेताओं की ताकत का सामना करना पड़ा। बैठक के बाद भी बगावत के सुर शांत नहीं हुए। बघेल ने नेताओं को भरोसा दिया कि उनकी भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराया जाएगा। ऐसे में पंजाब कांग्रेस की इस अंदरूनी खींचतान को खत्म करने की जिम्मेदारी अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पाले में पहुंच गई है। नाराज नेताओं ने एक सुर में कहा कि उन्हें मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग का नेतृत्व कतई स्वीकार नहीं है।

नेताओं ने कहा कि उन्हें पंजाब में कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौतावादी) नेता नहीं चाहिए। विधानसभा चुनाव जीतना है तो प्रदेश संगठन का नेतृत्व ऐसे नेता के हाथ में होना चाहिए, जो सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ सके। नेताओं ने बघेल से साफ कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब में बड़ा और सर्वस्वीकार्य चेहरा हैं।

कई बार फैसले वापस लेने पड़ते हैं: रंधावा

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि उनकी प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व राज्य सरकार के खिलाफ अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा रहा। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने अपनी बात प्रभारी भूपेश बघेल के सामने रख दी है और उनसे आग्रह किया है कि वह नेताओं की भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराएं। कई बार परिस्थितियों के अनुसार हाईकमान को अपने फैसले वापस लेने पड़ते हैं। यदि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनानी है तो इस फैसले पर भी पुनर्विचार करना होगा। हम कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकते।

तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे: चन्नी

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रभारी भूपेश बघेल के साथ बातचीत हो गई है। सभी नेताओं ने अपने मन की बात उनके सामने रख दी है। अब फैसला हाईकमान को करना है। उन्होंने कहा कि अब तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे, यानी आगे पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे।

मैं कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं: वड़िंग

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने उनका नाम नहीं लिया। वह और रंधावा पिछले साढ़े चार वर्षों से साथ काम कर रहे हैं। यदि दोनों में से कोई कॉम्प्रोमाइज्ड होता तो इतनी लंबी राजनीतिक साझेदारी संभव नहीं होती। उन्होंने कहा कि वह भी मानते हैं कि पंजाब में कांग्रेस कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकती।

ओमान तट पर व्यावसायिक जहाज पर हुए ईरानी हमले का भारत ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए कथित ईरानी हमले का भारत ने कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि जहाज पर मौजूद 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नाविक लापता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक ओमान स्थित भारतीय दूतावास पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रहा है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने कहा कि लापता भारतीय नागरिक का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि हम ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारा दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और बचाव अभियान पर करीबी नजर रखे हुए है। भारत ने बचाव अभियान में सहयोग के लिए ओमान सरकार और स्थानीय अधिकारियों का आभार माना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब होर्मुज और ओमान के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है। बतादें हाल के दिनों में व्यापारिक जहाजों पर हमलों की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना वैश्विक समुदाय की साझा जिम्मेदारी है और निर्दोष नागरिकों और व्यापारिक जहाजों पर हमले किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं।

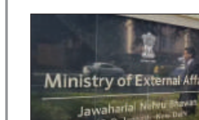

बीजेपी नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर सरकार को गिराने की कोशिश कर रही: उमर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 से 30 करोड़ रुपए तक की पेशकश की गई है।

श्रीनगर के हजरतबल में अपनी दादी बेगम अकबर जोहरा की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उनके विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पैसे और मंत्री पद का लालच काम नहीं आया, तो भाजपा बंद दरवाजों के पीछे विधायकों से कह रही है कि वे उनके साथ आ जाएं और वे उन्हें राज्य का दर्जा दिला देंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक विशिष्ट घटना का जिक्र करते हुए दावा किया कि जम्मू क्षेत्र के नेशनल कांफ्रेंस के एक विधायक ने खुद उन्हें इसकी जानकारी दी। विधायक के अनुसार, भाजपा के एक पदाधिकारी और उच्चतम न्यायालय के एक वकील ने उनसे समर्थन मांगा और इसके बदले में 20 से 30 करोड़ रुपये, एक मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने का वादा किया।

अपनी पार्टी के सहयोगियों और विधायकों पर पूरा भरोसा जताते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस का कोई भी विधायक खुद को नहीं बेचेगा। उन्होंने कहा कि एक भी ऐसा विधायक नहीं है जो 20 करोड़ या 100 करोड़ रुपये के लिए भी अपनी ईमानदारी बेच दे, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें अल्लाह को जवाब देना है। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वे पिछले दरवाजे से सत्ता हासिल करने की कोशिश न करें।

इस सम्मेलन के बाद, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भी अपनी पार्टी को तोड़ने की कोशिशों की बात स्वीकार की और कहा कि ऐसी कोशिशें अतीत में भी की जा चुकी हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन सब बातों से निराश न हों।

बांग्लादेश में आतंकी प्रशिक्षण शिविर होने के दावे से बढ़ी चिंता

-चिकन नेक को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी के दावों से रणनीतिक बहस हुई तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविरों और भारत के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी लकी बिष्ट के दावों के बाद सुरक्षा संबंधी चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, इन दावों की भारत सरकार या किसी आधिकारिक एजेंसी की ओर से फिलहाल पुष्टि नहीं की गई है।

दरअसल लकी बिष्ट ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दावा किया कि बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्रों में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविर संचालित हो रहे हैं, जहां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके सहयोगियों की भूमिका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वर्ष 2025 में पाकिस्तान की आईएसआई के प्रमुख आसिम मलिक ने बांग्लादेश यात्रा के दौरान इन कथित शिविरों का गुप्त दौरा किया था। इन दावों के समर्थन में कोई आधिकारिक साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पूर्व रॉ अधिकारी ने रंगपुर, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स, सिलहट और नेत्रोकोना क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इन इलाकों में विभिन्न चरमपंथी संगठनों से जुड़े तत्व सक्रिय हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे आम तौर पर चिकन नेक कहा जाता है, पश्चिम बंगाल में स्थित भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भू-भाग है। यह संकरा गलियारा देश के पूर्वोत्तर के आठ राज्यों-अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा-को शेष भारत से जोड़ता है। सबसे संकरे हिस्से में इसकी चौड़ाई लगभग 22 किलोमीटर है, जिसके कारण इसे सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों से संपर्क बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में इस क्षेत्र से जुड़े किसी भी सुरक्षा दावे का मूल्यांकन आधिकारिक खुफिया सूचनाओं और सरकारी जांच के आधार पर ही किया जाना चाहिए। फिलहाल बांग्लादेश में कथित आतंकी शिविरों और उनके भारत की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी से ध्यान भटकाने बीजेपी यूसीसी का मुद्दा उठा रही

-शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने कहा-बीजेपी बाबर जनता पार्टी बन गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गर्मा गई है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) इस मुद्दे को लेकर बीजेपी के खिलाफ खुलकर मैदान में आ गई है। शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र में राम रक्षा आंदोलन चला रही है, वहीं पार्टी के प्रमुख नेताओं ने बीजेपी के खिलाफ जमकर बयानबाजी की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर बीजेपी पर हमला बोला। आदित्य ने कहा है कि हम भगवान राम को बीजेपी से बचा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि बीजेपी अब बाबर जनता पार्टी बन गई है। आदित्य ने आरोप लगाया है कि बीजेपी राम मंदिर में हुई लूट से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी इस मुद्दे से देश का ध्यान भटकाने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठा रही है। आदित्य ने कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने यूसीसी को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इसके गुण-दोष के आधार पर बहस होनी चाहिए। हम इसका समर्थन करेंगे। आदित्य ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और कई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की।

रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर में हुई लूट की निष्पक्ष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना चाहिए। बता दें शिवसेना के राम रक्षा आंदोलन की शुरुआत पिछले दिनों पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दादर के हनुमान मंदिर से की थी। इस मौके पर मंदिर आंदोलन में बालासाहेब ठाकरे की भूमिका को याद करते हुए उन्होंने चढ़ावा चोरी को हिंदू आस्था के साथ विश्वासघात बताया था।

नरोत्तम मिश्रा ने ऐसा क्या कह दिया कि उमा भारती ने की सराहना

-दतिया उपचुनाव के लिए भाजपा के घोषित प्रत्याशी को रार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की खुले मन से सराहना की है। वहीं उन्होंने दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा से घोषित प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को जीत का आशीर्वाद भी दे दिया है।

दरअसल भाजपा प्रत्याशी घोषणा को लेकर नरोत्तम मिश्रा समर्थकों ने विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया था। जो आगे चलकर हिंसक हो गया। इसी बीच शीर्ष नेतृत्व के दखल के बाद नरोत्तम मिश्रा ने पार्टी प्रत्याशी के नामांकन में शामिल होने का ऐलान किया, जिसे उमा भारती ने संगठनात्मक मर्यादा और राजनीतिक परिपक्वता का आदर्श उदाहरण बताया है। यहां बताते चलें कि इन दिनों उमा भारती वृंदावन प्रवास पर हैं। वहीं से उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने उन्हें फोन कर चुनाव में जीत का आशीर्वाद मांगा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन्हें पूरे मन से विजय का आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

इसी के साथ ही उमा भारती ने अपनी पोस्ट में नरोत्तम मिश्रा का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्याशी की घोषणा के बाद उन्होंने नरोत्तम मिश्रा को यह कहते सुना कि वे आशुतोष तिवारी के नामांकन में शामिल होंगे। उन्होंने इस कदम को लोकतांत्रिक मूल्यों और पार्टी अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि यही किसी बड़े नेता की पहचान होती है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि वह नरोत्तम मिश्रा का अत्यंत सम्मान करती हैं और उनके प्रति स्नेह रखती हैं। उन्होंने कहा कि जो बात वह स्वयं कहना चाहती थीं, उसे नरोत्तम मिश्रा ने अपने व्यवहार से पहले ही सिद्ध कर दिया। उनके अनुसार, यह नरोत्तम मिश्रा के बड़प्पन और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि दतिया उपचुनाव में भाजपा ने पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के स्थान पर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। टिकट की घोषणा के बाद कुछ समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने और पथराव की घटना भी हुई, जिसमें पुलिस अधीक्षक सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। हालांकि, इसके बाद पार्टी नेतृत्व ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया है, जिसका असर भी नजर आया है।

फिल्म सतलुज में किए गए दावों के समर्थन में प्रमाण सार्वजनिक करें मेकर्स

-केंद्रीय राज्यमंत्री बिट्टू ने कहा-प्रमाण सही पाए गए तो माफी मांगने को तैयार

चंडीगढ़(एजेंसी)। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म सतलुज को लेकर फिल्म निर्माताओं पर सवाल उठाते हुए उनसे फिल्म में किए गए कुछ दावों के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म में दिखाए गए तथ्यों के पर्याप्त सबूत नहीं हैं, तो दर्शकों के सामने उन्हें ऐतिहासिक सत्य के रूप में पेश करना उचित नहीं है। बिट्टू ने विशेष तौर पर फिल्म में कथित तौर पर दर्शाए गए 25 हजार लापता या अवैध रूप से दाह-संस्कार किए गए शवों के दावे पर आपत्ति जताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिट्टू का कहना है कि यदि इस आंकड़े के समर्थन में आधिकारिक रिकॉर्ड या ठोस दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऐसे प्रमाण सामने आते हैं तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात वापस लेने और माफी मांगने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास से जुड़े विवादित मामलों को बिना ठोस सबूत के दिखाना सही नहीं है। उनके मुताबिक पंजाब के आतंकवाद के दौर की कहानी दिखाते समय सभी पक्षों को बराबर जगह मिलनी चाहिए।

बिट्टू ने कहा कि फिल्म में आतंकवाद का सिर्फ एक पक्ष दिखाया गया है, जबकि निर्दोष लोगों, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों और मजदूरों की हत्याओं को उतनी अहमियत नहीं दी गई, जितनी दी जानी चाहिए थी। बिट्टू ने यह भी सवाल उठाया कि फिल्म में आतंकवाद के दौरान मारे गए निर्दोष लोगों और पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों के बलिदान को कितना दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म मेकर्स से कहा कि अगर उनके पास 25 हजार शवों के दावे के सबूत हैं तो उन्हें सामने लाएं। अगर सबूत नहीं हैं, तो इस दावे पर पंजाब के लोगों से माफी मांगे।

चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल किया, भारत अभी कई साल दूर

-इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल कर लिया है। इसके साथ ही वह उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो दोबारा इस्तेमाल होने वाले लॉन्च सिस्टम पर काम कर रहे हैं। वहीं इसरो के दोबारा इस्तेमाल होने वाले नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल की डेमो-फ्लाइट में अभी कई साल और लगेंगे। चीन ने हैनान तट के पास वर्टिकल पावर्ड डिसेंट के बाद अपने लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट के पहले चरण के बूस्टर को वापस हासिल कर लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी के हवाले से बताया कि इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद है। इस कामयाबी से ग्लोबल लीडर्स के साथ अंतर कम तो हुआ है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्पेस-एक्स अभी भी इस मामले में बेंचमार्क बना हुआ है; इसने करीब एक दशक से फाल्कन-9 बूस्टर को लगातार रिकवर करके दोबारा इस्तेमाल किया है, जिससे लॉन्चिंग की लागत और तौर-तरीके पूरी तरह बदल गए हैं। ब्लू ओरिजिन भी अपने भारी-भरकम न्यू ग्लेन रॉकेट के लिए दोबारा इस्तेमाल होने वाले पहले चरण पर काम कर रहा है। चीन की यह कामयाबी दिखाती है कि दोबारा इस्तेमाल होने वाले ऑर्बिटल लॉन्च सिस्टम अब सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कमर्शियल और लूनर प्रोग्राम चलाने वाली बड़ी स्पेस ताकतों के लिए यह एक जरूरी क्षमता बनती जा रही है।

स्पेस एजेंसी की ताजा जानकारी के विश्लेषण से पता चलता है कि एनजीएलवी का विकास शुरू हो गया है। एनजीएलवी को आंशिक रूप से दोबारा इस्तेमाल होने वाला, इंसानों को ले जाने में सक्षम और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक लॉन्चर बताया गया है। इस तीन-स्टेज वाले व्हीकल को लो-अर्थ ऑर्बिट तक 30 टन तक का पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है और इसके दो वेरिएंट की योजना है। इसरो ने बताया कि पहले स्टेज को वर्टिकल लैंडिंग और दोबारा इस्तेमाल के जरिए रिकवरी के लिए कॉन्फ़िगर किया जाएगा। यह रिकवरी का तरीका मोटे तौर पर फाल्कन-9 जैसा ही है, जिसे सबसे पहले अपनाया गया था और अब चीन भी इसी रास्ते पर चल रहा है।

बंद घरों में चोरी करने वाला गिरोह गिरफ्तार, पांच आरोपी दबोचे, चोरी का सामान बरामद

आईपीएस अधिकारी के पैतृक घर में चोरी का खुलासा, पांच माह पुरानी दूसरी वारदात भी कबूली; एसी कंप्रेसर, पंखे और एल्युमिनियम फ्रेम बरामद

बिभा संवाददाता

बरहरवा । बरहरवा थाना पुलिस ने बंद घरों में चोरी करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी का सामान भी बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने न केवल हालिया चोरी की घटना स्वीकार की, बल्कि करीब पांच माह पहले रतनपुर में एक बंद मकान में चोरी करने की बात भी कबूल की है। पुलिस के अनुसार, 5 जुलाई को थाना क्षेत्र के छाताडंगाल गांव स्थित रॉनी सुदीप कुजुर के घर में चोरी हुई थी। इस मामले में उनके लिखित

आवेदन पर 8 जुलाई को बरहरवा थाना में कांड संख्या 177/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों के निर्देश पर बरहरवा पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित कर जांच शुरू की गई। वहीं 11 जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी पोल्ट्री उर्फ लक्ष्मण यादव को गिरफ्तार किया। साथ ही उसकी निशानदेही और स्वीकारोक्ति के आधार पर नंदन साह, प्रकाश साह, सोहन कुमार यादव और राहुल कुमार साह को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सभी आरोपियों ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। वहीं आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी कि गई एल्युमिनियम खिड़की फ्रेम, चार सिलिंग फैन और एक एसी का कंप्रेसर बरामद कर जब्त किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ में यह भी स्वीकार किया कि करीब पांच माह पहले रतनपुर निवासी खुशबू कुमारी के बंद घर में भी चोरी की थी। पुलिस का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इनका संबंध अन्य चोरी की घटनाओं से भी है या नहीं। कहा नंदन साह का रांगा थाना कांड संख्या-78/23 व लक्ष्मण यादव उर्फ पोल्ट्री बरहरवा थाना कांड संख्या 417/19 का आपराधिक मामलों इतिहास रहा है। वहीं छापेमारी दल में बरहरवा इंस्पेक्टर संतोष कुमार के अलावे पुअनि अनिल कुमार यादव, सुदामा सिंह, सअनि राजनाथ साव, रंजय कुमार यादव सहित पुलिस बल शामिल थे।

साइबर अपराधी फर्जी फेसबुक व इंस्टाग्राम आईडी बनाकर लोगों से कर रहे है ठगी का प्रयास

बिभा संवाददाता

उधवा । आज के डिजिटल युग में मोबाइल लोगों का अहम हिस्सा बन गया है। सोशल मीडिया पर साइबर अपराधियों का ठगी का जाल लगातार बढ़ता जा रहा है। साइबर अपराधी आम लोगों,जनप्रतिनिधियों और सरकारी कर्मियों के नाम से फर्जी फेसबुक व इंस्टाग्राम आईडी बनाकर लोगों को ठग रहे है। ऐसे में लोगों को जागरूक होने की सख्त जरूरत है। जानकारी के मुताबिक साइबर अपराधी सबसे पहले किसी व्यक्ति की प्रोफाइल फोटो और जानकारी चुराकर उसी नाम से फेसबुक व इंस्टाग्राम नया आईडी बनाते है। इसके बाद उसके दोस्तों और रिश्तेदारों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर विश्वास जीतते है। साइबर अपराधी के द्वारा मैसेज के माध्यम से बताया जाता है कि मैं अस्पताल में हूं मुझे पैसों की बहुत जरुरत है। मैं घर लौटकर पैसा लौटा दूंगा। इसके बाद उनके द्वारा यूपीआई

स्केनर भेज देते है। कुछ लोग बिना फोन किए उनके कहने पर पैसा भेज देते है। कभी-कभी अपने को बैंक अधिकारी बताकर बैंक खाते को ई-केवाईसी कराने के नाम पर लोगों के मोबाइल पर फोन करके ओटीपी मांगते है। उनके द्वारा बोला जाता है कि ओटीपी नहीं देने पर आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा। इसके अलावा विभिन्न प्रकारों के माध्यम से साइबर अपराधी भोले-भाले लोगों को अपनी जाल में फंसाते है। वहीं लोगों के द्वारा पैसे ट्रांसफर होते ही अपराधी आईडी डिलीट कर देते है और नंबर ब्लॉक कर देते है। ऐसे में लोगों को साइबर के खिलाफ जागरूक होने की जरुरत है।

संक्षिप्त खबरें

राजमहल स्वास्थ्य व्यवस्था पर सिविल सर्जन का कड़ा रुख, कम प्रदर्शन पर नोटिस; सुधार नहीं तो होगी सेवा समाप्ति

राजमहल(बिभा)। स्वास्थ्य सेवाओं में जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने राजमहल प्रखंड के स्वास्थ्य कर्मियों को स्पष्ट संदेश दिया कि अब लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। रविवार को अनुमंडल अस्पताल के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने आयुष्मान केंद्रों सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कम प्रदर्शन करने वाले केंद्रों के अधिकारियों एवं कर्मियों को मौके पर ही स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने चेतावनी दी कि अगले माह तक कार्यों में संतोषजनक सुधार नहीं होने पर संबंधित कर्मियों की सेवा समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मियों को 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं के लिए तैयार रहने तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में आयुष्मान केंद्रों की कार्यप्रणाली, योजनाओं की प्रगति और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। डॉ. पासवान ने कहा कि आयुष्मान केंद्र ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए यहां किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने नियमित क्षेत्र भ्रमण कर लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. जितेंद्र भगत, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, जिला डाटा प्रबंधक तौसीफ अहमद सहित प्रखंड के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सहिया, सहिया साथी एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की इस सख्त समीक्षा बैठक को राजमहल प्रखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और कार्य संस्कृति में जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विद्यार्थी सप्ताह के समापन पर मेधा का सम्मान, 150 से अधिक छात्र-छात्राओं को मिला प्रोत्साहन

साहेबगंज(बिभा) । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताहव्यापी विद्यार्थी सप्ताह का रविवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहेबगंज में प्रतिभा सम्मान समारोह के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के 150 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक एवं अन्य उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही सप्ताहभर आयोजित भाषण, चित्रकला, वाद-विवाद, संगीत तथा कला एवं शिल्प प्रतियोगिताओं के विजेताओं और प्रतिभागियों को भी प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान किए गए। वहीं समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं परिषद गीत से हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक अजय ने कहा कि विद्यार्थी जीवन केवल अंक प्राप्त करने का नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रभाव विकसित करने का महत्वपूर्ण दौर है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा ने कहा कि अभाविप केवल छात्र हितों की आवाज उठाने वाला संगठन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण की सोच को भी मजबूत करता है। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों को भविष्य का नेतृत्वकर्ता बताते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। वहीं नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थी सप्ताह के दौरान नगर के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओं को विद्यार्थियों का उत्साहजनक सहयोग मिला। परिषद आगे भी विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देने के लिए ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। मौके पर प्रदेश छात्रा सह प्रमुख निधि सिंह, विभाग संयोजक संजय दत्ता, जिला प्रमुख प्रो. चंद्रशेखर परमानिक, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश साह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी एवं परिषद कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह का समापन वंदे मातरम और भारत माता की जय के उद्घोष के साथ हुआ।

कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर होगी सख्त कार्रवाई : सिविल सर्जन

बिभा संवाददाता

उधवा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा में रविवार को सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान की अध्यक्षता में स्वास्थ्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मातृ-शिशु स्वास्थ्य, सहिया प्रोत्साहन, एचएमआईएस, एएनसी, आरडीके जांच समेत कई बिंदुओं पर समीक्षा हुई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के दर्जनों सीएचओ,एएनएम,सहिया साथी एवं संबंधित कर्मी उपस्थित थे। बैठक के दौरान प्रोत्साहन राशि और पीबीआई को लेकर सिविल सर्जन श्री पासवान ने कहा कि सहिया को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि की समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि गलत तरीके से प्रोत्साहन राशि उठाने वाली सहिया पर कार्रवाई होगी। वहीं सीएचओ को निर्देश देते हुए कहा कि पीबीआई का लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले सहियाओं को चिन्हित करें एवं लक्ष्य में कमी पाए जाने पर संबंधित सीएचओ पर भी कार्रवाई की बात कही। बैठक में गर्भवती महिलाओं का व्यक्तिगत रजिस्टर खोलने,वाउचर की जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डायरिया,मलेरिया,डेंगू की समीक्षा करते हुए सभी स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्क रहने की बात कही। विधायक व सांसद से क्षेत्र के लिए एंबुलेंस उपलब्ध कराने का अनुरोध करने का भी निर्देश दिया गया। आरडीके कीट जांच के मामले में आतापुर,अमानत,कलाबाड़ी, राधानगर,श्रीधर दियारा में जांच बहुत कम पाए जाने पर फटकार लगाई गई। साथ ही चांदशहर,चौकीढाब,बेगमगंज,जोंका , पलासगाछी,प्राणपुर में तो आरडीके कीट जांच शुरू नहीं होने की कारण जाना। बैठक में कई सहिया साथी एवं कर्मी अनुपस्थित पाए गए। उनसे स्पष्टीकरण पूछा गया। इसके अलावा कई बिंदुओं पर बारीकी से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। मौके पर अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. गुफरान आलम,डॉ सैय्यद सद्दाम,बीपीएम अनिल पाल,एलटी अतुल कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

घरेलू विवाद में मारपीट मामले में आरोपित गिरफ्तार,भेजा गया जेल

राधानगर/उधवा । राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत अंतर्गत केवटपाड़ा गांव में घरेलू विवाद को लेकर पति ने अपनी पत्नी व पुत्र के साथ मारपीट कर जख्मी कर दिया। मामले को लेकर पीड़िता पत्नी प्रतिमा देवी ने राधानगर थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें बताई है कि बीते 10 जुलाई की शाम अपने घर में बुद्धिजीवी लोगों की उपस्थिति में घरेलू विवाद की सुलह करने के लिए बैठक हो रहा था। इस बीच पति अनिल चौधरी ने गुस्से में उनके पुत्र के सिर में लाठी-डंडे से मारकर जख्मी कर दिया। आरोप है कि पीड़िता के साथ भी मारपीट की गई। उधर,राधानगर पुलिस ने पीड़िता के बयान पर थाना कांड संख्या 244/26 सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपित अनिल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। उसे रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

आरपीएफ ने फरक्का एक्सप्रेस में लावारिस बैग से 100 पाउच व्हिस्की किया बरामद

बिभा संवाददाता

बरहरवा। फरक्का एक्सप्रेस में अवैध शराब की तस्करी पर नजर रखते हुए आरपीएफ ने शनिवार रात बड़ी मात्रा में लावारिस शराब बरामद की। बरहरवा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की जांच के दौरान एक जनरल कोच की सीट के नीचे पड़े लावारिस बैग से ऑफिसर्स चॉइस एलीट व्हिस्की के 180-180 मि.ली. के 100 पाउच मिले। बरामद शराब की कुल मात्रा 18 लीटर तथा अनुमानित कीमत 14 हजार रुपये आंकी गई है। जिसकी जानकारी आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने देते हुए बताया कि मेरे नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक बी.एन. टुडू और कांस्टेबल आकाशदीप नायक गाड़ी संख्या 15733 अप फरक्का एक्सप्रेस में अवैध शराब की रोकथाम के लिए सघन जांच अभियान चला रहे थे। रात करीब 8:45 बजे ट्रेन के बरहरवा स्टेशन पहुंचने पर जनरल कोच संख्या एसईआर-257537 की एक सीट के नीचे संदिग्ध प्लास्टिक का बैग मिला। साथ ही कहा कि आरपीएफ ने कोच में मौजूद यात्रियों से बैग के संबंध में कई बार पूछताछ की, लेकिन किसी ने उस पर अपना दावा नहीं किया। इसके बाद बैग की तलाशी लेने पर उसमें पश्चिम बंगाल ब्रांड की ऑफिसर्स चॉइस एलीट व्हिस्की के 100 पाउच बरामद हुए। कहा लावारिस हालत में शराब मिलने पर आरपीएफ ने बीएनएसएस-2023 के प्रावधानों के तहत जब्ती की कार्रवाई करते हुए शराब को सुरक्षित अभिरक्षा में आरपीएफ पोस्ट, बरहरवा में जमा कराया। मामले की आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग साहेबगंज को सूचना दे दी गई है।

कम बारिश से निपटने की तैयारी: तालझारी में गांव-गांव पहुंचेगा बिरसा डिजिटल कृषि रथ

बिभा संवाददाता

तालझारी । बदलते मौसम और कम वर्षा की चुनौती से जूझ रहे किसानों को नई खेती की तकनीकों से जोड़ने के लिए तालझारी प्रखंड परिसर में रविवार से बिरसा डिजिटल कृषि रथ का भ्रमण शुरू हो गया। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), साहेबगंज की पहल पर शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य किसानों को कम पानी में होने वाली लाभकारी फसलों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है। वहीं रथ का शुभारंभ तालझारी के अंचलाधिकारी राम सुमन प्रसाद, जनप्रतिनिधियों और प्रखंड कर्मियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले दिन कृषि रथ ने तालझारी, सगडभंगा, भतभंगा संताली और वृंदावन पंचायतों का दौरा कर किसानों से संवाद किया। वहीं अभियान के दौरान किसानों

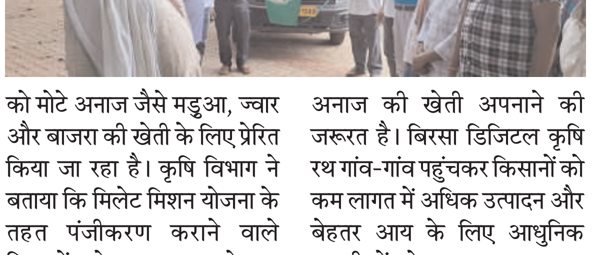

को मोटे अनाज जैसे मडुआ, ज्वार और बाजरा की खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कृषि विभाग ने बताया कि मिलेट मिशन योजना के तहत पंजीकरण कराने वाले किसानों को एक हजार से 15 हजार रुपये तक प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही कम वर्षा की स्थिति में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों, आधुनिक कृषि तकनीकों और उपलब्ध सरकारी सब्सिडी की भी जानकारी दी जा रही है। वहीं अंचलाधिकारी राम सुमन प्रसाद ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और घटती वर्षा को देखते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के साथ मोटे अनाज की खेती अपनाने की जरूरत है। बिरसा डिजिटल कृषि रथ गांव-गांव पहुंचकर किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन और बेहतर आय के लिए आधुनिक तकनीकों से अवगत कराएगा। मौके पर प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी भगन हांसदा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जोसेफ हेम्ब्रम, प्रखंड सचिव मुहम्मद जहांगीर अंसारी, आत्मा के प्रतिनिधि राजीव सिन्हा, पौधा संरक्षण केंद्र के ओम प्रकाश पंडित, जेएसएलपीएस की एफडीओ रिंकी कुमारी, कृषक मित्र, वार्ड सदस्य, किसान एवं प्रखंडकर्मी उपस्थित रहे।

ई-कोर्ट फाइलिंग को लेकर अधिवक्ताओं व अधिवक्ता लिपिकों को दिया गया प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। व्यवहार न्यायालय साहेबगंज में न्यायिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए रविवार को अधिवक्ताओं एवं अधिवक्ता लिपिकों के लिए ई-कोर्ट ई-फाइलिंग प्रणाली पर एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिवक्ताओं को ऑनलाइन माध्यम से मुकदमा दायर करने की प्रक्रिया से अवगत कराना और उन्हें नई डिजिटल व्यवस्था के लिए तैयार करना था। वहीं मास्टर ट्रेनर अमरेंद्र कुमार मोहंती ने बताया कि झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण के माध्यम से अधिवक्ताओं को ई-फाइलिंग की पूरी प्रक्रिया समझाई गई। उन्होंने

कहा कि अब न्यायालयों में ऑनलाइन केस फाइलिंग व्यवस्था लागू की जा रही है, इसलिए सभी अधिवक्ताओं को ई-कोर्ट फाइलिंग ऐप डाउनलोड कर अपने नाम से पंजीकरण करना आवश्यक होगा। इसके बाद वे अपने मोबाइल से ही आवश्यक दस्तावेज एवं वाद ऑनलाइन न्यायालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। साथ ही राजमहल के मास्टर ट्रेनर विकास कुमार एवं ओम प्रकाश सिंह ने ई-फाइलिंग से संबंधित तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी तथा अधिवक्ताओं की शंकाओं का समाधान भी किया। वहीं प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ के सचिव विजय कुमार कर्ण, अधिवक्ता देव नारायण यादव, गौतम प्रसाद सिंह उर्फ दारा, मुनीलाल मंडल, लालबाबू यादव, सुनील कुमार, बालमुकुल पंडित, नवीन निर्माण, अरुण कुमार सिन्हा, विवेक कुमार, जितेंद्र मालाकार, सुभाष गुप्ता, बम-बम, ज्योति ओझा, राहुल रितेश सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम के समापन पर जिला अधिवक्ता संघ के सचिव विजय कुमार कर्ण तथा अधिवक्ता देव नारायण यादव ने भी ई-फाइलिंग व्यवस्था को समय की आवश्यकता बताते हुए सभी अधिवक्ताओं से इसे अपनाने की अपील की।

साहेबगंज में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के जरिए नागरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन का होगा अभ्यास

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में रविवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में सिविल डिफेंस एयर रेड ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज के सफल आयोजन को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं उपायुक्त ने बताया कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय के दिशा-निदेर्शों के आलोक में 15 जुलाई बुधवार को जिले में व्यापक स्तर पर सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल एवं एयर रेड ब्लैकआउट अभ्यास

आयोजित किया जाएगा। इस अभ्यास का उद्देश्य किसी भी हवाई हमले खतरे अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थिति में नागरिकों की सुरक्षा, प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया तथा विभिन्न एजेंसियों के समन्वय की प्रभावशीलता का परीक्षण करना है। साथ ही उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में आपदा एवं आपात परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का जागरूक एवं प्रशिक्षित होना आवश्यक है। यह मॉक ड्रिल नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा संकट की घड़ी में सही निर्णय लेने की क्षमता को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। कहा जिले में यह अभ्यास संध्या महाविद्यालय साहेबगंज, प्रखंड कार्यालय परिसर साहेबगंज तथा साहेबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में अपराह्न 4:00 बजे से अपराह्न 9:00 बजे के बीच आयोजित किया जाएगा, जहाँ विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों का वास्तविक वातावरण तैयार कर राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से मॉक ड्रिल संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभ्यास के दौरान नागरिकों को सायरन प्रणाली, सुरक्षित स्थानों तक निकासी, प्राथमिक उपचार, राहत एवं बचाव कार्य तथा आपदा के समय अपनाए जाने वाले आवश्यक सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी।

मौके पर अपर समाहर्ता विजय कुमार, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

मॉक ड्रिल की प्रमुख गतिविधियां

वहीं हवाई हमले की चेतावनी के संकेत स्वरूप सायरन का संचालन। निर्धारित अवधि के लिए ब्लैकआउट अभ्यास, जिसके दौरान नागरिकों से बिजली, इन्वर्टर एवं कृत्रिम प्रकाश स्रोतों का उपयोग नहीं करने का अनुरोध किया जाएगा। चिन्हित सुरक्षित स्थानों तक नागरिकों की निकासी प्रक्रिया का व्यावहारिक अभ्यास। जिला पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस तथा स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय सहभागिता। रियल-टाइम मॉनिटरिंग हेतु शैडो कंट्रोल रूम की स्थापना। ड्रोन एंव विडियोग्राफी के माध्यम से ब्लैकआउट एवं संपूर्ण अभ्यास की निगरानी व संपूर्ण मॉक ड्रिल की वीडियो रिकॉर्डिंग।

चिन्हित स्थल जहां मॉक ड्रिल होगा

प्रखंड कार्यालय साहेबगंज 4 बजे अपराह्न, संध्या कॉलेज साहेबगंज 4 बजे अपराह्न व साहेबगंज रेलवे स्टेशन 8 बजे अपराह्न को रखा गया है। साथ ही उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मॉक ड्रिल के सफल संचालन हेतु जिला कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा तथा कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार विभिन्न माध्यमों से किया जाए, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस अभ्यास में सहभागिता कर सकें और आपदा प्रबंधन संबंधी आवश्यक जानकारियों से लाभान्वित हों।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली और अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों पूर्व पुरुष कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व महिला कप्तान अंजुम चोपड़ा को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। इनके साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को भी इस सम्मान से नवाजा गया। यह घोषणा शनिवार को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित एक भव्य समारोह में की गई।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ये सम्मान उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन और योगदान से क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा, 'सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन ने अपने-अपने देशों का शानदार नेतृत्व किया है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होकर उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।'

क्रिकेट जगत का बड़ा सम्मानः भारत के लिए गर्व का पल

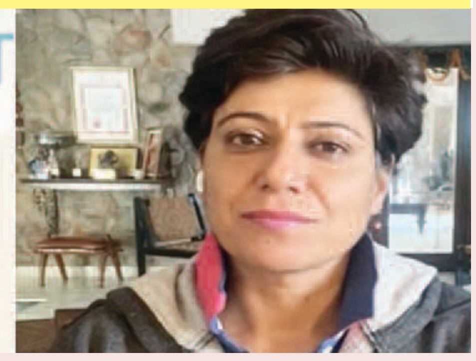

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर सौरव गांगुली ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके क्रिकेट करियर के सबसे खास पलों में से एक है। गांगुली ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहेगा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य रहा है और अब इस तरह सम्मानित होना बेहद विशेष अनुभव है।' उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार जताते हुए कहा कि यह किसी भी क्रिकेटर के लिए सर्वोच्च सम्मान है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी क्रिकेट की सेवा करते रहने की इच्छा व्यक्त की।

भारतीय क्रिकेट को नई दिशा देने वाले कप्तान

सौरव गांगुली ने ऐसे समय भारतीय टीम की कमान संभाली थी जब मैच फिक्सिंग विवाद के कारण भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। उनकी आक्रामक कप्तानी और युवा खिलाड़ियों पर भरोसे ने टीम इंडिया को नई पहचान दिलाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गांगुली ने लगभग 15 वर्षों में 18,575 रन बनाए और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे।

अंजुम चोपड़ा ने जताई खुशी

पूर्व भारतीय महिला कप्तान और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर अंजुम चोपड़ा ने कहा कि बचपन से ही उनका सपना भारत के लिए खेलने का था और आज क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच सम्मानित होना उनके लिए बेहद गर्व की बात है।उन्होंने कहा, 'भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना उन सभी लोगों के प्रयासों का सम्मान है जिन्होंने मेरे करियर को आकार देने में योगदान दिया। मैं उन सभी की आभारी हूं।'अंजुम चोपड़ा ने भारत के लिए 12 टेस्ट, 127 वनडे और 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह महिला वनडे क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी बनी थीं।

अर्जेंटीना छठी बार सेमीफाइनल में

स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया, एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे, अब इंग्लैंड से मुकाबला

कैंसस, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ।मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।

अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।

स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्यॉय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था। इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

इंग्लैंड 8 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा

नॉर्वे का सफर समाप्त, हालैंड नहीं कर पाए गोल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में को इंग्लैंड ने नॉर्वे को हराकर 8 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। जूड बेलिंगहैम ने एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में गोल करके इंग्लैंड को नॉर्वे पर 2-1 से जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड 2018 सेमीफाइनल में पहुंचा था। इंग्लैंड के लिए दोनों गोल बेलिंगहैम ने किए। उन्होंने पहले हाफ के आखिर में पहला गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

रियल मैड्रिड के स्टार के इस फुटबॉल वर्ल्ड कप में साथी खिलाड़ी हैरी केन के बराबर छह गोल हो गए हैं। वह फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के 8-8 गोल से पीछे हैं। बेलिंगहैम ने राउंड ऑफ 16 में 2 गोल किए थे, जिससे इंग्लैंड ने सह-मेजबान मेक्सिको को हराया था। 1966 वर्ल्ड कप का जीतने वाले इंग्लैंड का सेमीफाइनल में अर्जेंटीना या स्विट्जरलैंड से सामना होगा।

एंड्रियास श्जेल्डरुप ने 36वें मिनट में नॉर्वे के लिए गोल किया। 6 फुट 5 इंच के स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड की करिश्माई प्रदर्शन के दमपर नॉर्वे की टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और दुनिया को हैरान कर दिया। मैनचेस्टर सिटी के स्टार खिलाड़ी हालैंड ने इस टूर्नामेंट में सात गोल किए थे। क्वार्टर फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ कि वह वर्ल्ड कप में गोल नहीं कर पाए। एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ में जॉर्जन स्ट्रैंड लार्सन ने उनकी जगह ली। नॉर्वे 56वें मिनट में लगभग 2-1 से आगे हो गया था जब कॉर्नर किक के बाद टोरब्योर्न हेगेम ने गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को छकाते हुए रिबाउंड शॉट लगाकर गोल किया। वीडियो रिव्यू के बाद बॉक्स में हालैंड के फाउल के कारण गोल को नामंजूर कर दिया गया।

इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

1600 दिन की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम की फरवरी 2022 से चली आ रही टी20 क्रिकेट की नंबर-1 बादशाहत भी समाप्त हो गई। इंग्लैंड ने सीरीज 4-0 से अपने नाम करते हुए आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जबकि भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया।

इस हार का असर सिर्फ मैच या सीरीज तक सीमित नहीं रहा। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के बाद भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा बैठा। भारतीय टीम करीब 1600 दिनों तक दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम रही, लेकिन अब यह स्थान इंग्लैंड ने अपने नाम कर लिया। इंग्लिश टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर न सिर्फ सीरीज में क्लीन स्वीप किया, बल्कि टी20 क्रिकेट में नई नंबर-1 टीम बनने का गौरव भी हासिल कर लिया।

वैभव को बाहर करना नहीं आया काम

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। उनकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए। तेज स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने के बावजूद, वैभव अपनी तीन पारियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की गेंदों से मिलने वाले अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पाए। सैमसन को वैभव की जगह पांचवें टी20 मैच में मौका दिया गया, लेकिन उनका बल्ला इस मैच में भी नहीं चला। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।

इस वजह से करना पड़ा हार का सामना

1. **शीर्ष क्रम की नाकामी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बुरी तरह से फेल रहा। अभिषेक शर्मा ने शुरुआती दो टी20 में रन बनाए, लेकिन अगले तीन मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा। संजू सैमसन रनों के लिए संघर्ष करते नजर आए, तो वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में मिले तीन मौकों को भुनाने में पूरी तरह से नाकाम रहे। शीर्ष क्रम की नाकामी का असर मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर साफतौर पर नजर आया।
2. **खोखला नजर आया मध्य क्रम:** टीम इंडिया का मध्य क्रम इस टी20 सीरीज में पूरी तरह से खोखला नजर आया। ईशान किशन सीरीज के आखिरी टी20 मैच को छोड़कर बाकी चार मुकाबलों में रनों के लिए जूझते दिखाई दिए। यही हाल तिलक वर्मा का रहा। खुद कप्तान श्रेयस अय्यर भी अपने नाम के अनुरूप निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।
3. **लगातार बल्लेबाजी क्रम से छेड़छाड़ पड़ी भारी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ करना महंगा पड़ा। तिलक वर्मा और शिवम दुबे के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया। तीसरे टी20 में तो तिलक और शिवम से ऊपर बल्लेबाजी के लिए अक्षर पटेल तक को भेजा गया। अक्षर पटेल की भी एक स्थान पक्का नजर नहीं आया।
4. **तेज गेंदबाज रहे विफल:** इंग्लैंड की मददगार परिस्थितियों में भारतीय तेज गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पांच मुकाबलों में सिर्फ चार विकेट ही निकाल सके और उनकी इकोनॉमी 9.47 की रही। ऐसा ही कुछ हाल हर्षित राणा का भी रहा, जिन्होंने 10 की इकोनॉमी से रन देने के बाद महज तीन विकेट निकाले। प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ एक ही विकेट चटका सके और उनकी इकोनॉमी भी 9 के ऊपर की रही। युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 10.72 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। इंग्लैंड में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी साफतौर पर खली। प्रिंस यादव के लिए तो टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर की शुरुआत ही बेहद निराशाजनक रही है। वह अंबाती रायुडू के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने शुरुआती चारों टी20 मैच गंवाए हैं। प्रिंस को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू का मौका मिला था।
5. **अय्यर की खराब कप्तानी:** श्रेयस अय्यर की कप्तानी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहद साधारण नजर आई। गेंदबाजों के फेरबदल के साथ-साथ फील्डिंग सेटअप में अय्यर बुरी तरह फेल नजर आए। कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी पर भी कुछ हद तक दिखाई दिया। इसके साथ ही वह हेड कोच गौतम गंभीर संग मिलकर सही टीम संयोजन उतारने में भी नाकाम रहे। अय्यर की कप्तानी पर भी लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं। अय्यर पहले ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने शुरुआती सात टी20 मुकाबले गंवाए हैं।

क्या बीसीसीआई लेगा कड़ा फैसला?

गौतम गंभीर जब से भारतीय टीम के मुख्य कोच बने हैं, तभी से टीम का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा है। भारत ने गंभीर के नेतृत्व में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। लेकिन टेस्ट प्रारूप में उसका प्रदर्शन निरंतर खराब रहा है। भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज में हार मिली थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी भारत ने गंवा दी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। अब तक सीमित ओवर में भारत का दबदबा नजर आ रहा था, लेकिन पहले आयरलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार ने टी20 टीम में भी कमियों को उजागर करके रख दिया है। आने वाले दिनों में भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और फिर सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेलों में भी उतरना है। जिस हिसाब से टीम खेल रहे हैं, उसके लिए आने वाले दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हम सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। यह भी खबर है कि टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है और उनके कार्यकाल को विस्तार नहीं दिया जाएगा। जाहिर है कि गंभीर और श्रेयस भी बोर्ड के रडार पर होंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि लगातार दो हार के बाद क्या बीसीसीआई कोई कड़ा फैसला लेगा या इसी कोचिंग स्टाफ और टीम को वापसी के लिए थोड़ा और समय देगा।

अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान का हुआ निधन, फुटबॉल जगत में शोक

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। एएफए ने एक बयान में कहा, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन अपने अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के जरिए एंटोनियो उबाल्डो रैटीन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। वे अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के इतिहास के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक और अर्जेंटीना फुटबॉल के आइकन थे, जिनका 89 साल की उम्र में निधन हो गया। रैटीन 1966 में इंग्लैंड में हुए विश्व कप में अर्जेंटीना के कप्तान थे और एक ऐसी घटना के मुख्य पात्र थे जो हमेशा के लिए विश्व फुटबॉल की यादों में बस गई।

विश्वकप के बीच बुरी खबर, अफ्रीका के एडम्स का निधन

जोहानिसबर्ग। फीफा विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने वाले मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खेल, कला एवं संस्कृति मंत्री गेटन मैकेंजी ने की। एडम्स मौजूदा फीफा विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल थे। एडम्स ने दक्षिण अफ्रीका को पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके निधन के कारण का अभी खुलासा नहीं हुआ हैमैकेंजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गहरे सदमे और भारी मन से मुझे यह जानकारी मिली कि मामेलोडी सनडाउन्स और बाफाना बाफाना के मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल ने अपने सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है और पूरा देश उनके परिवार, साथियों तथा लाखों प्रशंसकों के साथ शोक में डूबा है। जेडन की मौत के कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। मैं मीडिया और आम जनता से अपील करता हूं कि वे संयम और संवेदनशीलता बरतें तथा किसी भी तरह की अटकलों से बचें।

सात संगीन मामलों का आरोपी नक्सली राजेन्द्र साहू गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दहशत का पर्याय बना पीएलएफआई नक्सली के विरुद्ध पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिसमें कई संगीन आपराधिक मामलों में फरार चल रहे आरोपी राजेन्द्र साहू उर्फ राजेन्द्र साव उर्फ मास्टर को पिस्तौल और छह गोली के साथ उसके गाँव गम्हरिया से शनिवार को गिरफ्तार किया है। जिसके उपर तोरपा थाना क्षेत्र में दो बड़े आपराधिक घटना को अंजाम दे चुका है। जबकि कर्रा थाना क्षेत्र में भी गाड़ियों पर आगजनी और लेवी वसूली के मामले है। वहीं खूँटी व मुरहू थाना क्षेत्र में भी राजेन्द्र ने दस्ता के अन्य लोगों के साथ मिलकर तीन घटनाओं को अंजाम दिया है। जिसपर पुलिस को इसका तलाश था। इतने में पुलिस

अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तोरपा विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित छापामारी दल ने मुरहू थाना क्षेत्र के गम्हरिया गाँव में छापेमारी कर आरोपी को दबोच लिया। उसकी निशानदेही पर एक देशी पिस्तौल के साथ छह जिंदा गोलियां बरामद की गईं।

पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि, राजेन्द्र साहू के विरुद्ध वर्ष 2017 से अब तक हत्या, लूट, अवैध हथियार रखने और हिंसक वारदातों सहित कुल सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2017 में मुरहू थाना कांड संख्या 71/2017 में हत्या, आपराधिक साक्ष्य छिपाने और आर्म्स एक्ट के तहत आरोपी बनाया गया था। इसके बाद वर्ष 2020 में मुरहू थाना कांड संख्या 82/2020 में लूट और अपराध से संबंधित संपत्ति रखने के मामले में उसका नाम सामने आया। वर्ष 2026 में उसके खिलाफ लगातार कई मामले दर्ज हुए। 24 मार्च को तोरपा थाना कांड संख्या 19/2026 में जानलेवा हमला और अवैध हथियार रखने, 2 मई को कर्रा थाना कांड संख्या 31/2026 में हिंसक वारदात, अवैध हथियार और सीएलए एक्ट, 6 मई को कर्रा थाना कांड संख्या 33/2026 में आपराधिक गिरोह और हथियार रखने, 9 मई को खूँटी थाना कांड संख्या 65/2026 में अवैध हथियार रखने तथा 18 मई को तोरपा थाना कांड संख्या 28/2026 में जानलेवा हमले और आर्म्स एक्ट के तहत आरोपी बनाया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए उसके आपराधिक नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार, कर्रा थाना प्रभारी राजू कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

ब्रह्माकुमारी विवि ने किया नशा मुक्त प्रतिज्ञा अभियान का शुभारंभ

रांची। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल प्रभाग और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को संचालित नशा मुक्त भारत अभियान हरमू रोड स्थित चौधरी बागान सेवा केंद्र में 10 करोड़ नशा मुक्त प्रतिज्ञा महाअभियान के साथ शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गोविंदराम कटारुका विद्यालय की प्रधानाचार्या शिप्रा ने कहा कि युवाओं का उज्ज्वल भविष्य शिक्षा के साथ उत्तम संस्कार और स्वस्थ जीवनशैली पर निर्भर करता है। बढ़ती नशे की प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर चुनौती है, जिससे जनजागरूकता के माध्यम से ही प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। जवाहर नवोदय विद्यालय के उपप्रधानाचार्य प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि आज नशा युवाओं को गुलाम बना रहा है। इससे मुक्ति के लिए मानसिक जागरूकता आवश्यक है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने बताया कि अभियान के तहत देश के 372 जिलों में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से 10 करोड़ लोगों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

बजरंग दल खूंटी ने कई गाँवों में पौधा लगाकर अभियान का किया शुरूवात

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने पौधारोपण अभियान का रविवार को शुरूआत किया है। वहीं जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो के नेतृत्व में सेवा सप्ताह के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम करके अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के प्रथम चरण में विश्व जागृति मिशन आदिवासी पब्लिक स्कूल, कुंजला सहित विभिन्न स्थानों पर 250 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। इसके अलावा खूँटी के सोसोटोली में 20 तथा कर्रा प्रखंड के कुदलुम गाँव में भी 20 पौधे लगाए गए। जिसमें फलदार और इमारती लकड़ी के वृक्ष के पौधे लगाए गए। वहीं बताया गया कि आने वाले दिनों में पूरे जिले में चरणबद्ध तरीके से 2000 से अधिक वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, समाज और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी युवाओं एवं नागरिकों से ‘एक व्यक्तिझएक पौधा’ का संकल्प लेने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बजरंग दल सेवा कार्यों के माध्यम से समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण जायसवाल ने भारतीय संस्कृति में वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं कर्रा प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख पवन सिंह राठौर ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधा लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में खूँटी प्रखंड सह संयोजक अभिषेक साहू, खूँटी नगर मिलन प्रमुख श्रीकांत कश्यप, कर्रा प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख पवन सिंह राठौर, ओम ठाकुर, मनोरंजन स्वांसी सहित विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

समाज के सुख समृद्धि के लिए माता विंध्याचल मंदिर पहुंचे शिवशंकर मिश्रा

खूँटी(बिभा) । जिले में जल जंगल जमीन की सुरक्षा के लिए सभी जगह आषाढ़ी पूजा अर्चना करना गाँव गांव में शुरू हो गया है। खेती के साथ अपनी जमीन जिसमें वर्षों वर्षों से अन्न उगाते आए हैं। वहीं अपने पूर्वजों की जमीन की सुरक्षा की कामना के लिए व समाज की सुख समृद्धि के लिए जनप्रिय वयोवृद्ध समाजसेवी शिवशंकर मिश्रा सपत्नीक पूजा अर्चना करने माँ विंध्याचल देवी के दर पर पहुंचे। उन्होंने सभी के सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि आषाढ़ माह में खेतों की पूजा होती है । उन्होंने कहा कि हम सभी किसान हैं और कृषि कार्य अपने भूमि पर ही करते आए हैं। इसकी सुरक्षा के लिए माता विंध्याचल से कामना किये। ताकि क्षेत्र के लोग सुखी सम्पन्न और शांतिप्रिय जीवन यापन कर सकें।

महर्षि मेंही आश्रम में सत्संग का आयोजन

खूँटी(बिभा) । महर्षि मेंही आश्रम मलियादा मुरहू में रविवार को विशेष सत्संग का आयोजन किया गया। जिसमें ऋषिकेश आश्रम के स्वामी गंगाधर जी महाराज ने कहा कि देव दुर्लभ शरीर पाकर भी यदि मनुष्य भगवद्भक्ति, सत्संग - ध्यान नहीं करता तो दुःख में पड़ जायेगा। चौरासी लाख योनियों में पड़कर कीट पतंग पशु -पक्षी -कृमि बन कष्ट पायेगा। ईश्वर का विधान भगवत भजन है। उन्होंने कहा कि मानव योनि कर्म प्रधान है, अपने अच्छे कर्मों से हम जीवन को सुखी और सम्पन्न बना सकते हैं। माता शबरी ने मतंग ऋषि से युक्ति लेकर भक्ति की, जिससे प्रभु राम स्वयं दर्शन देने पहुंचे। भगवान बुद्ध को 550जन्मों के पश्चात भगवत प्राप्ति हुई,मोक्ष मिला। संत मत सत्संग में ईर्ष्या खत्म कर प्रेम भाईचारा का मार्ग बताया गया है। भगवान शंकर और भस्मासुर की कथा सुनाकर, तथा राजा जनक अष्टावक्र मुनि के दृष्टांतों से सत्य और भक्ति के मार्ग को सरलतम शब्दों में बताया।मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए, शुभ कर्म और संतोष से सुख मिलता है। लाहिड़ी बाबा, दिगंबर बाबा,राम बाबा, गोपाल बाबा ने भी कहा कि संतों द्वारा बताए मार्ग पर चलकर मंत्र जप करते रहने से कभी कोई बाधा परेशानी नहीं होगी। कार्यक्रम में कोलकाता की मनीषा कटारिया एवं उनकी माता संतोष देवी अग्रवाल उपस्थित रहे और भंडारे का आयोजन किया। मौके पर डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी, संजय सत्संगी, नंदिनी देवी,मूचीराय मुंडा, मंगल मुंडा, विष्णु मुंडा, जगमोहन पुर्ति, सुखराम मुंडा, ध्रुवेन्द्र भास्कर, सुबोध मुखिया, जगन्नाथ मुंडा, रासबिहारी मुंडा, रामहरि साव, सुरेश पंडित, सनिका मुंडा,गोला मुंडा , हरिद्वार ठाकुर, बीरु कुमार, संतोष गुप्ता सूरजमल प्रसाद सहित अन्य उपस्थित रहे।

मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम कार्य जोरों पर , गांव-गांव में भरे जा रहे प्रपत्र

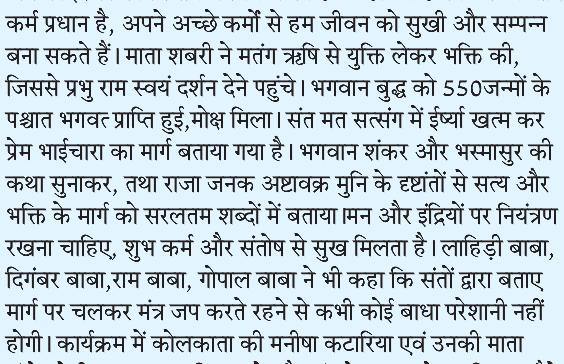

खूँटी(बिभा) । जिलेभर में मतदाता विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रगणना प्रपत्र भरने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें गाँव-गाँव में लोगों का उत्साह देखा जा रहा है। शहर हो या देहात, सभी गाँवों में लोग मतदाता पुनरीक्षण अभियान में हर लोग लगे हुए हैं। विशेष सुदूरवर्ती क्षेत्र में प्रगणना प्रपत्र भरने के लिए लोगों की भीड़ देखी जा रही है। इसी क्रम अड़की प्रखंड के विभिन्न सुदूरवर्ती इलाकों में लोग अपने अपने प्रपत्र भरने के लिए एकत्रित होते हैं। जहाँ प्रखंड विकास पदाधिकारी के निर्देश पर बुथ स्तरीय पदाधिकारी व अन्य सम्बंधित लोग कार्य में लगे हुए हैं। जिसमें एक दृश्य तिरला पंचायत के हड़मलामा गाँव जहाँ एक जगह जमा होकर लोगों ने ऑनलाइन पत्र भरा । जिन्होंने इस बात का ध्यान रखा कि प्रपत्र भरने में कहीं गड़बड़ी नहीं हो। इसलिए सभी ने एक-दूसरे से पूछ-पूछ कर फार्म भरे। वहीं बुथ स्तरीय पदाधिकारी कर्मचारी , सुपरवाइजर सभी लोगों ने लोगों का मदद किया।

रूढ़िवादी जनजातीय परंपरा, पड़हा व्यवस्था और पेसा कानून पर समन्वय बैठक

जनजातीय संस्कृति संरक्षण के लिए सरकार सख्ती से लागू करे कानून : भीम सिंह मुंडा

बिभा संवाददाता

खूँटी । अखिल भारतीय सरना समाज की अगुवाई में रविवार को खूँटी के जदुर अखरा में रूढ़िवादी जनजातीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पारंपरिक आदिवासी धर्म, संस्कृति, पड़हा व्यवस्था तथा पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर व्यापक चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय समाज की पुरातन परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए समाज को संगठित होकर कार्य करने की आवश्यकता है।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए भीम सिंह मुंडा ने कहा कि हमारी संस्कृति को विलुप्त करने में विदेशी ?पंथ को माननेवाले लोग करने लगे हैं। हमारी उपासना पद्धति ही केवल विलुप्त नहीं हो रहा है बल्कि हमारा अधिकारों का भी हनन हो रहा है।

बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टुटी ने कहा कि बाहरी प्रभावों के कारण पारम्परिक रुढ़िवादी जनजातीय धर्म-संस्कृति, पूजा-पद्धति, रहन-सहन और सामाजिक व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्वजों द्वारा स्थापित परम्पराएँ धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही हैं और समाज की सांस्कृतिक पहचान प्रभावित हो रही है। इस दौरान वक्ताओं ने सरकार से रुढ़िवादी जनजातीय परम्पराओं के संरक्षण, पड़हा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा पेसा कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की। साथ ही अनुसूचित जनजाति से संबंधित कानूनी व्यवस्था पर भी अपने विचार रखे।

लेचा भगत , कार्तिक सिंह मुंडा, फागू मुण्डा आदि ने कहा कि हमारी परम्परा और पूजा पद्धति ही हमारी पहचान है । जिसे इस नयी पीढ़ी को जानकारी देना होगा और जगाना होगा। अपने आप को जनजातीय कहने वाले कुछ लोग हमारे रिवाज में वृहस्पतिवार को होनेवाला पूजा अर्चना को भूलते जा रहे हैं। और वृहस्पतिवार को सूर्य , जल, पृथ्वी, वृक्ष , आदि की उपासना को छोड़ कर रविवार को अन्य जगह उपासना करने लगे हैं। विदेशी संस्कृति को अपनाकर आदिवासी कहना सही नहीं है। इसलिए समाज को जागरूक करना है और परम्परा को बरकरार रखना है।

बैठक में अखिल भारतीय सरना समाज के अध्यक्ष भीम सिंह मुंडा, सचिव लीलू पाहन, नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टुटी, प्रखंड प्रमुख छोटराय मुंडा, लेचा भगत, भोंज नाग, बासमती देवी, कार्तिक सिंह मुंडा, फागू मुंडा, मागो मुंडा, रेड़ा मुंडा, नौरी पूर्ति, रुकमिला सारु, मुचिराय मुंडा, सनिका धान, पितरुस मुंडा सहित खूँटी, मुरहू, तोरपा, अड़की, कर्रा, चम्पाबाहा, तारो, सिलादोन, मारंगहादा एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

श्रावण मेले की तैयारियों को लेकर बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति ने प्रशासन को सौंपा 13 सूत्री मांगपत्र

बिभा संवाददाता

खूँटी । आगामी श्रावण माह में बाबा आम्रेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति ने प्रशासन के समक्ष 13 सूत्री मांगपत्र रखा है। समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने बताया कि श्रावण मास में हजारों श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं, इसलिए मूलभूत सुविधाओं की समय रहते व्यवस्था किया जाना आवश्यक है।

मांगपत्र में बनई नदी पर स्थायी रूप से छालका डैम अथवा फिलहाल बोरी बांध निर्माण, बनई नदी से कतारी मोड़ तक सड़क किनारे झाड़ियों की सफाई एवं पेड़ों की छंटाई, नदी से मंदिर परिसर तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा नदी के पास लगे जर्जर ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग की गई है। इसके अलावा मंदिर परिसर और मेला मैदान के चापाकलों की मरम्मत, चलंत शौचालय, शुद्ध पेयजल के लिए वाटर एटीएम तथा श्रावण माह में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी मांग शामिल है।

समिति ने श्रावण माह के प्रत्येक रविवार, सोमवार एवं पूर्णिमा के आसपास मंदिर से एक किलोमीटर की परिधि में अवैध शराब और हड़िया की बिक्री पर रोक लगाने, प्रतिदिन साफ-सफाई, कूड़ा उठाव, नियमित फॉगिंग एवं ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव की व्यवस्था करने की मांग भी की है। इसके साथ ही मंदिर परिसर में कूड़ा उठाने के लिए ट्रॉली, 6535 फीट का चादरा शेड तथा दो हाईमास्ट लाइट लगाने की आवश्यकता भी बताई गई है।

महामंत्री मनोज कुमार ने कहा कि यदि इन मांगों पर समय रहते कार्रवाई की जाती है तो श्रावण माह में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और मेले का संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से हो सकेगा।

जनजातीय महिला पर गलत ग्रुप का खून चढ़ाने की बात पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाए सवाल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के बिमसार अस्पताल में ईलाजरत रही एक जनजातीय महिला बुधन देवी पर गलत ग्रुप का खून चढ़ाए जाने के मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा कर दिया है। शनिवार को खूंटी पहुँचे झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने रुढ़िवादी जनजातीय सामाजिक व्यवस्था पर परिसदन में लोगों से बात कर रहे थे। वहीं उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हुए सरकार को घेरा। जहाँ सरकार के विफलता से अस्पतालों पर बेलगाम होने की बात कही है। वहीं खूँटी में गलत ग्रुप का खून चढ़ाने जाने पर व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा करते हुए सरकार को घेरा है। राज्य में स्वास्थ्य उपचार पर लापरवाही और गलत कदम उठानेवलो पर कार्रवाई नहीं करने का भी आरोप लगाया है। जहाँ खूँटी में एक आदिवासी महिला

पर गलत ग्रुप का खून चढ़ाने को लेकर दुख व्यक्त किया। खूँटी पहुँचे मधु कोड़ा ने कहा कि पश्चिम सिंहभूम में भी गलत खून चढ़ाने से स्थिति खराब हो गयी। झारखंड की राजधानी राँची में टूटे पैर को ठीक करने के बजाए उसे भी मार डाला गया। जबकि पैसा भी अस्पताल ने ऐंठा। किसी पर कोई कार्रवाई नहीं। वहीं इस प्रकार खूँटी में एक जनजातीय गरीब किसान की बीवी का भी बिमसार अस्पताल में ईलाज किया जा रहा था। जहाँ गलत ग्रुप का खून चढ़ाने से उसका भी देहांत हो गया। लेकिन सरकार मौन है। यहाँ किसी प्रकार का कोई व्यवस्था ठीक नहीं है। इस पर उन्होंने सरकार पर पक्षपाती पूर्ण शासन व्यवस्था का आरोप लगाया है और कहा कि सरकार एक और किसी को मुआवजा देने की बात होती तो दे देती है लेकिन ऐसे मामलों पर सरकार मौन रहती है और कोई किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होती है। जोकि इस जनजाति गरीब परिवार को मुआवजा तुरंत दिलाना चाहिए। लेकिन अभी तक किसी प्रकार का उस दुखित परिवार के प्रति न तो सहानुभूति दिखाई गयी और न ही कार्रवाई की गयी। इससे स्पष्ट है कि सरकार पक्षपातीपूर्ण रवैया अपना रही है। इस दौरान, भीम सिंह मुंडा, रानी टुटी, छोटराय मुण्डा, लीलू पाहन, लेचा भगत, जगन्नाथ मुण्डा, रुकमिला सारु, नौरी पूर्ति आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, दोषियों को मिले कड़ी सजा: सांसद सुखदेव

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। देश भर में नीट पेपर लीक मामले को लेकर बढ़ते आक्रोश के बीच रविवार को रांची के मोराबादी स्थित बाबू वाटिका से युवा कांग्रेस ने छात्रों की गूंज अभियान के तहत विशाल मैराथन दौड़ का आयोजन किया। इस दौरान युवाओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर विरोध दर्ज कराया और पेपर लीक के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम में लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मैराथन दौड़ को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि नीट जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर लीक होना देश के लाखों मेहनती छात्र-छात्राओं के सपनों पर सीधा प्रहार है। वर्षों की मेहनत और संघर्ष को भ्रष्ट व्यवस्था ने क्षणभर में झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं

सकती। छात्रों की आवाज दबाने के बजाय सरकार को दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी है और जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक यह लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक जारी रहेगी। सांसद ने युवाओं से लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखने का आह्वान करते हुए कहा कि देश का भविष्य छात्रों के हाथों में है और उनके अधिकारों की रक्षा करना हर जिम्मेदार सरकार का कर्तव्य है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु ने कहा कि इस मैराथन का उद्देश्य सरकार तक छात्रों की पीड़ा पहुंचाना और नीट पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करना है। उन्होंने कहा कि देश का युवा अपने भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं करेगा। इसके बाद युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु, सांसद सुखदेव भगत, मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की, पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री सुबोध कांत सहाय तथा विधायक विकास कोंगाड़ी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ को रवाना किया। मैराथन में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकताओं और छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान पेपर लीक बंद करे छात्रों के साथ न्याय करो और शिक्षा बचाओ, भविष्य बचाओ जैसे नारों से पूरा मोराबादी गूंज उठा। कार्यक्रम में रांची नगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. किरण महतो, दीपू सिन्हा सहित युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, विभिन्न जिलों के अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बड़की चाँपी का 31वां वार्षिकोत्सव मनाया गया

बिभा संवाददाता

लोहरदगा । सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बड़की चाँपी का 31वां स्थापना दिवस एवं दादा-दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह रविवार (12 जुलाई 2026) को विद्यालय प्रांगण में बेहद उत्साहमय और भावुक वातावरण में संपन्न हुआ। भारतीय संस्कृति और आधुनिक शिक्षा के इस संगम में जहां एक ओर बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, वहीं दूसरी ओर घर के बुजुर्गों को 'देवतुल्य' सम्मान देकर नई मिसाल पेश की। कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के संरक्षक धनंजय प्रसाद, सचिव यदुनंदन तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, उपाध्यक्ष अनुपदेव पौराणिक, उपस्थित अभिभावकवृंद, मातृशक्ति एवं

प्रधानाचार्य मनोहर मोदी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अतिथियों ने भारत माता, ॐ और मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर, पुष्पार्चन किया और भारत माता की आरती उतारी। इसके बाद प्रधानाचार्य मनोहर मोदी ने सभी अतिथियों का परिचय कराया और उन्हें अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह का सबसे भावुक और मुख्य आकर्षण दादा-दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह रहा। विद्यालय के भैया-बहनों ने दीपों से सजी थाल लेकर अपने देवतुल्य दादा-दादी और नाना-नानी को तिलक लगाया, उनकी आरती उतारी और चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहाः ‘दुनिया की सबसे कीमती चीज किसी तिजोरी में नहीं, बल्कि हमारे बुजुर्गों के आशीर्वाद में होती है। जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान होता है, उस घर में खुशियां हमेशा मुस्कुराती हैं। विद्यालय के विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कक्षा 9वीं की छात्रा तनु कुमारी ने विद्यालय के गौरवशाली इतिहास का वर्णन किया। इसके बाद प्रधानाचार्य ने विद्यालय का वृत्त कथन (वार्षिक रिपोर्ट) प्रस्तुत करते हुए स्कूल की रूपरेखा और उपलब्धियों को सबके सामने रखा। संरक्षक धनंजय प्रसाद ने भावुक होते हुए कहा कि जिस विद्यालय की नींव 12 जुलाई 1995 को मात्र 7 भैया-बहनों के साथ रखी गई थी, आज वह 660 विद्यार्थियों के साथ एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने इस सफलता के लिए प्रधानाचार्य और आचार्यों की कड़ी मेहनत व कर्मठता की सराहना की।

भाजपा जिला समिति की मासिक बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

लोहरदगाः भाजपा जिला समिति की मासिक बैठक रविवार को जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष अजय कुमार पंकज की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री मनीर उरांव शामिल हुए। इस दौरान गत माह के संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा आगामी माह की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजय कुमार पंकज ने जिले में संचालित केंद्र सरकार की योजनाओं और प्रदेश संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से कहा कि उन्हें सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध, निष्ठापूर्वक और कर्मठता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने डिजिटल लर्निंग अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम और 'मन की बात' के आयोजन को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत सफल बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन के कार्यों के लिए सभी कार्यकताओं को अपने व्यक्तिगत समय में से कुछ समय पार्टी को भी देना होगा।

प्रदेश मंत्री मनीर उरांव ने संगठन द्वारा निर्धारित संपर्क अभियान, शक्ति केंद्रों की बैठकों और 'मन की बात' कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नगर परिषद अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल उरांव ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सही जानकारी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना कार्यकताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

चीन में तूफान 'बावी' का कहर, बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द, रेल सेवाएं प्रभावित

एजेंसी

बीजिंग। चीन के पूर्वी तट से टकराए टाइफून 'बावी' ने व्यापक तबाही मचाई है। तेज हवा और मूसलाधार बारिश के कारण देशभर में हजारों उड़ानें रद्द या विलंबित हो गई हैं, जबकि कई इलाकों में हाईस्पीड रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। हालात को देखते हुए चीनी प्रशासन ने बड़े पैमाने पर आपातकालीन इंतजाम किए हैं।

चीन की सरकारी मीडिया शिन्हुआ तथा अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, टाइफून 'बावी' शनिवार को पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत में पहुंचा, जिसके बाद दक्षिणी और पूर्वी चीन के कई हिस्सों में भारी बारिश शुरू हो गई। ट्रैवल एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म 'उमेट्रिप' के हवाले से बताया गया है कि रविवार के लिए निर्धारित 2,800 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं।

तूफान का असर शंघाई, नानजिंग, हांग्झू, वुहान, शेनयांग, डालियान और चेंगदू समेत कई बड़े शहरों पर पड़ा है। दक्षिण-पूर्वी फुजियान, झेजियांग, दक्षिणी गुआंग्शी और हैनान के हवाई अड्डों पर भी बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द की गई हैं। वहीं, बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट और बीजिंग डैक्सिंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खराब मौसम के कारण कई उड़ानों में देरी हुई।

पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत में शंघाई, हांग्झू और चांग्झू समेत 45 हवाई अड्डों ने तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया है। शंघाई पुडोंग और शंघाई होंगकियाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों की परिचालन क्षमता भी प्रभावित हुई है, जहां लगभग 30 प्रतिशत उड़ानें रद्द होने की आशंका जताई गई है।

रेल यातायात भी इससे अछूता नहीं रहा। कई क्षेत्रों में एहतियात के तौर पर हाईस्पीड ट्रेनों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

इस बीच, चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट और टाइफून के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, झेजियांग, उत्तरी फुजियान, दक्षिणी अनहुई, उत्तर-पूर्वी जियांग्शी, बीजिंग और हेबेई के कई हिस्सों में अगले 24 घंटों के दौरान भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। कुछ इलाकों में 250 से 500 मिलीमीटर, जबकि ताइवान के कुछ हिस्सों में 800 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है।

टाइफून के खतरे को देखते हुए चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने शंघाई, जियांग्सू, अनहुई, जियांग्शी और सिचुआन में बाढ़ एवं टाइफून नियंत्रण के लिए लेवल-4 आपातकालीन प्रतिक्रिया लागू कर दी है। वहीं, जल संसाधन मंत्रालय ने झेजियांग और फुजियान में बाढ़ नियंत्रण के लिए आपातकालीन स्तर को बढ़ाकर लेवल-3 कर दिया है। परिवहन मंत्रालय ने भी भारी बारिश के मद्देनजर उच्च स्तरीय आपातकालीन व्यवस्था लागू की है। प्रशासन ने तटीय इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, मछली पकड़ने वाली नौकाओं को बंदरगाहों में रोक दिया गया है और राहत शिविरों में लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की अपील की है।

राम के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा भ्रष्टाचारियों को बचाने में लगी है : राकेश सिन्हा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के बयान को ﺭतथ्यों से भागने और भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की हताश कोशिशﺭ करार दिया है।

राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह भगवान श्रीराम के नाम पर श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चढ़ावे की पवित्रता बचाना चाहती है या चढ़ावे में गड़बड़ी करने वालों को राजनीतिक संरक्षण देना चाहती है। कांग्रेस ने केवल इतना कहा है कि करोड़ों रामभक्तों की आस्था से जुड़े धन का पूरा हिसाब जनता के सामने आए और दोषियों को कठोर सजा मिले। यदि भाजपा को इससे तकलीफ हो रही है, तो उसकी मंशा पर गंभीर सवाल उठते हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा हर बार भ्रष्टाचार के आरोपों पर जवाब देने के बजाय कांग्रेस और इतिहास की आड़ लेती है। सच यह है कि यदि सब कुछ साफ था, तो उत्तर प्रदेश सरकार को जांच क्यों करानी पड़ी? कार्रवाई क्यों हो रही है? भाजपा पहले इन सवालों का जवाब दे।

सिन्हा ने कहा कि भगवान श्रीराम मर्यादा, सत्य और न्याय के प्रतीक हैं। उनके नाम पर राजनीति करने वाले लोग आज उन्हीं के मंदिर से जुड़े आरोपों पर सवाल पूछने वालों को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। यह रामभक्ति नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की राजनीति है।

उन्होंने कहा कि भाजपा को यह भ्रम छोड़ देना चाहिए कि भगवान श्रीराम पर केवल उसी का अधिकार है। श्रीराम पूरे देश की आस्था हैं, किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं। राम मंदिर में चढ़ाया गया प्रत्येक रुपया श्रद्धालुओं की अमानत है और उसकी एक-एक पाई का हिसाब देना मंदिर प्रशासन और सरकार की जिम्मेदारी है।

सिन्हा ने कहा कि भाजपा नेताओं को कांग्रेस को प्रमाणपत्र देने की आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस संविधान, जवाबदेही और पारदर्शिता की पक्षधर रही है और आगे भी रहेगी। जनता जानती है कि भाजपा जब भी भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और जनहित के मुद्दों पर घिरती है, तब धर्म की आड़ लेकर असली सवालों से भागने लगती है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि भाजपा वास्तव में निर्दोष है तो चढ़ावा प्रकरण की जांच उच्च स्तर पर पूरी पारदर्शिता के साथ कराए, पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक करे और दोषियों को राजनीतिक संरक्षण देने के बजाय कठोर दंड दिलाए। कांग्रेस रामभक्तों की आस्था के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेगी और इस मुद्दे पर जनता की आवाज बुलंद करती रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

डीएसपीएमयू में आज से जुलाई तक प्रथम चरण और 20 से द्वितीय चरण की होगी काउंसलिंग

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), रांची ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विभिन्न पारंपरिक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए प्रथम औपबंधिक प्रवेश सूची जारी कर दी है। सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रथम एवं द्वितीय चरण की काउंसलिंग सह नामांकन प्रक्रिया का विस्तृत कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के अनुसार, प्रथम चरण की काउंसलिंग एवं नामांकन प्रक्रिया 13 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक आयोजित की जाएगी, जबकि द्वितीय चरण की काउंसलिंग 20 जुलाई से 23 जुलाई 2026 तक विभागवार संपन्न होगी। कुलपति डॉ. राजीव मनोहर ने स्पष्ट किया कि प्रथम औपबंधिक सूची में शामिल सभी अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित तिथि पर पूर्वाह्न 10:30 बजे अपने संबंधित विभाग में सभी मूल प्रमाण-पत्रों एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है। निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होने या आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में अभ्यर्थी नामांकन से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों से समयबद्ध तरीके से नामांकन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की। कुलपति ने बताया कि खेल कोटा के अंतर्गत प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्रों का सत्यापन 28 एवं 29 जुलाई 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सभी पारंपरिक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की अद्यतन शुल्क संरचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। आईटी इंचार्ज डॉ. अनुपम कुमार ने कहा कि नामांकन के लिए आवश्यक सभी दस्तावेजों की सूची भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित तिथि से पूर्व सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें, ताकि नामांकन प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी की जा सके। यह जानकारी विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार सिंह ने दी।

मिसिर गोंदा में पारंपरिक विधि-विधान से संपन्न हुई आषाढ़ी पूजा

रांची: बिरसा विकास जन कल्याण समिति, मिसिर गोंदा के तत्वाधान में रविवार को पारंपरिक और हर्षोल्लास के साथ आषाढ़ी पूजा का आयोजन किया गया। मौजा के पाहन श्री बिरसा मुंडा एवं बुद्धिजीवी श्री चिलगु उराँव के नेतृत्व में यह पूजा अखड़ा एवं देवी मड़ई में रीति-रिवाज के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर पारंपरिक पद्धति के अनुसार बकरा एवं मुर्गों की बलि दी गई। पाहन श्री बिरसा मुंडा और चिलगु उराँव ने कहा कि आषाढ़ी पूजा आदिवासियों के जीवन का एक बेहद महत्वपूर्ण अंग है। पूरा जीवन कृषि पर निर्भर होने के कारण ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से देवी मड़ई में गांव में अच्छी बारिश, खुशहाली, सुख-शांति, समृद्धि और बीमारियों से मुक्ति की मन्नत मांगी। समिति के अध्यक्ष अनिल उराँव ने बताया कि आदिवासी समाज में आषाढ़ी पूजा की परंपरा सदियों से चली आ रही है। आषाढ़ का महीना शुरू होते ही पूरे राज्य में इसे पूरी आस्था के साथ मनाया जाता है। इस पूजा का मुख्य उद्देश्य उन्नत कृषि के संरक्षण, समय पर पर्याप्त बारिश और फसलों को रोगों से बचाना है। पूजा में मुख्य रूप से एतवा मुंडा, सुरेश टोप्पो, जग्गनाथ उराँव, अजय उराँव, जितवा उराँव, गंगा कच्छप, कृष्णा उराँव, ललित लिंडा, सुरेश बांडो, जय बांडो, राजा नायक, बसंती कुजूर, शांति उराँव, पुतुल कच्छप, लीला उराँव, मुनी उराँव और तारा देवी सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

टोरंटो के साल्सा फेस्टिवल में गोलीबारी, दो की मौत और छह घायल

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो शहर में शनिवार शाम आयोजित 'साल्सा ऑन सेंट क्लेयर' स्ट्रीट फेस्टिवल के दौरान हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद संदिग्ध फरार है और उसकी तलाश जारी है। रूस की अंतरराष्ट्रीय मीडिया रूस टुडे (आरटी) और अन्य मीडिया के अनुसार, टोरंटो पुलिस ने बताया कि रात करीब 8:12 बजे सेंट क्लेयर एवेन्यू वेस्ट और अर्लिंग्टन एवेन्यू के पास गोलीबारी की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने दो लोगों को मृत पाया, जबकि छह घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में पांच लोगों को गोली लगी है, जबकि एक अन्य व्यक्ति अन्य चोटों के कारण घायल हुआ। घटना के बाद पूरे इलाके को घेर लिया गया और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। अधिकारियों ने लोगों से घटनास्थल से दूर रहने और आपातकालीन सेवाओं के निर्देशों का पालन करने की अपील की।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 39वीं राष्ट्रीय अंडर-9 शतरंज चैंपियनशिप का भव्य समापन, रयान और नंदी बने नेशनल चैंपियन

बिभा संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में आयोजित 39वीं राष्ट्रीय अंडर-9 ओपन एवं गर्ल्स शतरंज चैंपियनशिप-2026 का रविवार को भव्य समापन हुआ। देशभर के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आए 437 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें झारखंड के 18 खिलाड़ी भी शामिल थे। लगभग आठ वर्षों के अंतराल के बाद रांची में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता ने शतरंज प्रेमियों और खिलाड़ियों में विशेष उत्साह का संचार किया।

प्रतियोगिता में कुल 5 लाख की पुरस्कार राशि वितरित की गई। ओपन वर्ग में तमिलनाडु के रयान रोजरियो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 9.5 अंक अर्जित कर राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया तथा 50,000 की प्रथम पुरस्कार राशि प्राप्त की। उत्तर प्रदेश के अयांश सिंह को द्वितीय स्थान के लिए 36,000, तमिलनाडु के सिद्धार्थ अनुज को तृतीय स्थान के लिए 30,000, महाराष्ट्र के कथित निखिल को चतुर्थ स्थान के लिए 24,000 तथा राजस्थान के ब्यांश को पंचम स्थान के लिए 20,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

गर्ल्स वर्ग में महाराष्ट्र की नंदी प्रीतिका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और 50,000 की पुरस्कार राशि हासिल की। तेलंगाना की मधुश्री को द्वितीय स्थान के लिए 36,000, तेलंगाना की अंशिता को तृतीय स्थान के लिए 30,000, महाराष्ट्र की एडिना को चतुर्थ स्थान के लिए 24,000 तथा तेलंगाना की अन्या शर्मा को पंचम स्थान के लिए 20,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित ग्रैंडमास्टर दिव्येंदु बरुआ, उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय शतरंज महासंघ एवं अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल शतरंज संघ थे।

समारोह के दौरान विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने, प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्राप्त करने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करती हैं। आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था एवं सफल संचालन के लिए आयोजकों, निर्णायकों, स्वयंसेवकों तथा सहयोगी संस्थाओं की भी सराहना की गई।

राज्य शतरंज संघ एवं आरडीसीए के अध्यक्ष माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा और एजेसीए की कार्यकारी अध्यक्ष ऋचा संचिता ने प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर आयोजन मंडली एवं प्रतिभागियों को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

एमपीडब्ल्यू कर्मियों का चरणबद्ध आंदोलन आज से, श्रावणी मेला ड्यूटी का बहिष्कार

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ ने अपनी वर्षों से लंबित मांगों को लेकर 13 जुलाई 2026 (सोमवार) से राज्यव्यापी चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो वे श्रावणी मेला प्रतिनियुक्ति-2026 का सामूहिक बहिष्कार करेंगे। इस आंदोलन को झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ का भी समर्थन प्राप्त है।

संघ ने मांग कि है कि पिछले 18 वर्षों से कार्यरत बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकताओं (पुरुष) का सृजित पदों पर स्थायी समायोजन हो। जेएसएससी द्वारा क्षेत्रीय व बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता के लिए निकाली गई त्रुटिपूर्ण अधियाचना/विज्ञापन को तुरंत रद्द किया जाए। वर्ष 2016 से 2025 तक श्रावणी मेला ड्यूटी के बकाया टीए/डीए भत्ते का अविलंब भुगतान हो और इस वर्ष ड्यूटी से पहले भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार और महासचिव मंगल हेंब्रम ने कहा कि वर्षों की सेवा के बाद भी समायोजन न होने से कर्मियों में भारी आक्रोश है। सरकार से अपील है कि वे जल्द निर्णय लेकर आंदोलन की स्थिति को टालें।

आंदोलन की रूपरेखा:

13 - 16 जुलाई: काला बिल्ला लगाकर कार्य करेंगे।
17 - 20 जुलाई: मांगों से संबंधित संदेश तख्ती लगाकर विरोध करेंगे।
21 - 23 जुलाई: नियमित कार्य के साथ भूख हड़ताल।
24 - 25 जुलाई: जिलों में सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन।
27 जुलाई: मांगें पूरी न होने पर नेपाल हाउस (रांची) स्थित स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव के कार्यालय का शांतिपूर्ण घेराव।

नेपाल : बालेन्द्र सरकार के खिलाफ छात्र संगठनों का प्रदर्शन

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू एक व्यक्ति के दिनदहाड़े आत्महत्या किए जाने के मामला तुल पकड़ता जा रहा है। इस घटना के विरोध में काठमांडू में छात्र संगठनों ने रविवार सुबह से ही सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया है। काठमांडू के मैतीघर मण्डला में कई छात्र संगठनों ने संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया है। यह प्रदर्शन मुगु जिले के 25 वर्षीय गणेश नेपाली की मौत के विरोध में किया गया, जिन्होंने स्वयं को आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया था और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। प्रदर्शनकारियों ने जब मैतीघर से आगे मार्च करने की कोशिश की, तो पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर के लिए धक्का-मुक्की हुई। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। हालांकि, थोड़ी देर की तनातनी के बाद स्थिति सामान्य हो गई। गणेश नेपाली ने शुक्रवार को काठमांडू के ही त्रिपुरेश्वर स्थित पासपोर्ट विभाग के बाहर अपने ऊपर पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली थी। इस घटना के बाद एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें काठमांडू महानगर पुलिस और गणेश नेपाली के बीच उनकी मोटरसाइकिल पर लगाए गए व्हील लॉक को लेकर विवाद होता दिखाई दे रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि महानगर पुलिस ने नेपाली के मोटरसाइकिल पर बैठे रहने के दौरान ही उस पर व्हील लॉक लगा दिया था। इसके बाद जब महानगर के कर्मचारी मोटरसाइकिल को वाहन में लादने लगे, तभी नेपाली ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे नेपाली को तत्काल वीर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सरकार उन्हें बेहतर उपचार के लिए भारत भेजने की तैयारी कर रही थी, लेकिन गंभीर जलने की वजह से उनकी मृत्यु हो गई।

सुरक्षित, सुगम और तेज यात्रा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम: पूर्व रेलवे ने मेगा ट्रैक नवीनीकरण कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया

बिहान भारत

कोलकाता: हर बार जब कोई ट्रेन पटरियों पर सहजता से दौड़ती है, तो उसके पीछे भारतीय रेल के उन अथक प्रयासों का योगदान होता है, जो यात्रियों की सुरक्षित, तेज और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करते हैं। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के दूरदर्शी नेतृत्व में, जोन ने वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैलझ्जून) के दौरान ट्रैक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु रखरखाव एवं नवीनीकरण कार्यों में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की। यात्रियों के लिए इस व्यापक सुरक्षा अभियान का अर्थ है—ट्रैक संबंधी दुर्घटनाओं की संभावना में उल्लेखनीय कमी, विलंब की आशंका में कमी तथा अधिक सुगम एवं कंपन-मुक्त यात्रा का अनुभव।

इस उन्नयन अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उपनगरीय क्षेत्र में संचालित किया गया, जिसकी निगरानी आसनसोल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री संग्रह मौर्य द्वारा की गई। इंजीनियरिंग टीमों ने चौबीसों घंटे कार्य करते हुए 22.655 ट्रैक किलोमीटर प्राथमिक रेल नवीनीकरण, 19.09 ट्रैक किलोमीटर प्राथमिक स्लीपर नवीनीकरण, 18.302 ट्रैक किलोमीटर थ्रू बैलेस्ट नवीनीकरण तथा 16 थ्रू टर्नआउट नवीनीकरण सफलतापूर्वक पूरे किए। यात्रा को और अधिक निर्बाध बनाने के लिए पूर्व रेलवे ने ट्रैक के विभिन्न घटकों की गुणवत्ता एवं सटीकता पर विशेष ध्यान दिया। इस दौरान 21 न्यू वेब स्विच, 23 थिक वेब स्विच, 33 मशीन्ड स्टील विंग क्रॉसिंग तथा 18 कास्ट मैंगनीज स्टील क्रॉसिंग स्थापित किए गए। इसके अतिरिक्त 3 डायमंड क्रॉसिंग का नवीनीकरण, 47 थिक वेब स्विच एक्सपेंशन जॉइंट की व्यवस्था तथा 240 ग्लूड जॉइंट्स का नवीनीकरण किया गया। घर्षणजनित जंग से बचाव हेतु 6,68,005 इलास्टिक रेल क्लिप में ग्रीसिंग की गई तथा पारंपरिक रेल जोड़ से उत्पन्न झटकों को समाप्त करने के लिए 2,643 रेल जोड़ों की वेल्डिंग की गई। ट्रैक की समुचित ज्यामिति सुनिश्चित करने एवं आंतरिक दोषों की समय रहते पहचान के लिए 458.35 ट्रैक किलोमीटर प्लेन ट्रैक टैम्पिंग, 99 टर्नआउट टैम्पिंग तथा 1,441.72 ट्रैक किलोमीटर रेल पर उन्नत अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन परीक्षण किया गया। वहीं, अत्यधिक गर्मी के दौरान रेल में बकलिंग की संभावना को रोकने हेतु 101.85 ट्रैक किलोमीटर डी-स्ट्रेसिंग तथा बेहतर जल निकासी के लिए 20.91 किलोमीटर शोल्डर बैलेस्ट क्लीनिंग भी संपन्न की गई।

पिछले वर्षों की तुलना में पहली तिमाही के दौरान पूर्व रेलवे का प्रदर्शन लगभग सभी प्रमुख मानकों पर नए कीर्तिमान स्थापित करने वाला रहा। प्राथमिक रेल नवीनीकरण दो वर्ष पूर्व 10.23 ट्रैक किलोमीटर तथा पिछले वर्ष 12.65 ट्रैक किलोमीटर से बढ़कर इस वर्ष 22.655 ट्रैक किलोमीटर हो गया। प्राथमिक स्लीपर नवीनीकरण दो वर्ष पूर्व 11.74 ट्रैक किलोमीटर और पिछले वर्ष 9.06 ट्रैक किलोमीटर की तुलना में बढ़कर 19.09 ट्रैक किलोमीटर रहा। इसी प्रकार न्यू वेब स्विच का नवीनीकरण दो वर्ष पूर्व 6, पिछले वर्ष 17 तथा इस वर्ष 21 तक पहुंचा। विंग क्रॉसिंग का नवीनीकरण दो वर्ष पूर्व 6, पिछले वर्ष 16 और इस वर्ष बढ़कर 33 हो गया। डायमंड क्रॉसिंग नवीनीकरण दो वर्ष पूर्व 5, पिछले वर्ष शून्य तथा इस वर्ष 3 रहा। थिक वेब स्विच एक्सपेंशन जॉइंट की व्यवस्था दो वर्ष पूर्व 8 सेट, पिछले वर्ष 11 सेट से बढ़कर इस वर्ष 47 सेट तक पहुंच गई। रेल जोड़ों की वेल्डिंग दो वर्ष पूर्व 974, पिछले वर्ष 1,137 तथा इस वर्ष बढ़कर 2,643 हो गई। ट्रैक डी-स्ट्रेसिंग दो वर्ष पूर्व 38.67 ट्रैक किलोमीटर, पिछले वर्ष 88.963 ट्रैक किलोमीटर और इस वर्ष 101.85 ट्रैक किलोमीटर रही। प्लेन ट्रैक टैम्पिंग दो वर्ष पूर्व 472.35 ट्रैक किलोमीटर, पिछले वर्ष 350.83 ट्रैक किलोमीटर तथा इस वर्ष 458.35 ट्रैक किलोमीटर दर्ज की गई। अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन रेल परीक्षण दो वर्ष पूर्व 1191.222 ट्रैक किलोमीटर, पिछले वर्ष 1343.37 ट्रैक किलोमीटर से बढ़कर इस वर्ष 1441.72 ट्रैक किलोमीटर तक पहुंच गया। वहीं टर्नआउट टैम्पिंग दो वर्ष पूर्व 248, पिछले वर्ष 143 तथा इस तिमाही में 99 रही।

ट्रैक उन्नयन के साथ-साथ जनसुरक्षा एवं स्थानीय सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई संरचनात्मक कार्य भी पूरे किए गए। सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए समपार फाटक संख्या 17 एवं 08 पर दो सीमित ऊँचाई वाले सबवे का निर्माण कर समपार फाटकों को समाप्त किया गया। स्वच्छ एवं सुरक्षित रेलवे परिसर सुनिश्चित करने के लिए बराकर में 140 अतिक्रमण हटाए गए।

यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से जामताड़ा , सीतारामपुर तथा मधुपुर स्टेशनों पर स्थित 3 परित्यक्त फुट ओवर ब्रिज को हटाया गया, जबकि विद्यासागर स्टेशन पर एक नए फुट ओवर ब्रिज के गर्डर का सफलतापूर्वक लॉन्चिंग कार्य संपन्न किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने हेतु दुर्गापुर तथा आसनसोल में रेलवे सुरक्षा बल महिला बैरकों का उद्घाटन एवं कमीशनिंग की गई। इसके अतिरिक्त कुल्टी और बराकर के बीच स्थित रोड ओवर ब्रिज संख्या 9ए को हटाकर लंबे समय से चली आ रही सड़क यातायात की बाधा को दूर किया गया।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा, ﺭहमारा लक्ष्य तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है—सुरक्षित ट्रैक, सुगम यात्रा और सुरक्षित भविष्य। आधुनिक तकनीकों के उपयोग, जर्जर संरचनाओं को हटाने तथा रेलवे परिसंपत्तियों के तीव्र नवीनीकरण के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि ट्रेनें सुरक्षित रूप से अपनी निर्धारित गति से संचालित हों, जिससे यात्रियों को अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्राप्त हो।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com